Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 22 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-142

नारी शक्ति संवाद : प्रधानमंत्री ने महिलाओं से साझा किए विचार

महिलाओं के बिना घर नहीं चलता तो देश कैसे चलेगा : मोदी

वाराणसी, 21 मई (एजेंसियां)।

काशी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र में महिलाओं से संवाद किया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में नारीशक्ति संवाद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दस साल में पहली बार सरकार की नीतियों से लेकर निर्णय तक हमारी माताएं, बहनें, महिलाएं केंद्र मे आई हैं। यह भारत की सक्सेस स्टोरी का बहुत बड़ा फैक्टर है। जब घर आपके बिना नहीं चलता तो देश आपके बिना कैसे चल जाता? 60 वर्ष तक सरकारों को यह बात समझ ही नहीं आई।

पीएम मोदी ने कहा कि काशी में राजपाट बाबा विश्वनाथ का है, लेकिन व्यवस्था मां अन्नपूर्णा ही चलाती हैं। इ पहली बार ह, जब हम काशी क नामांकन अपने माई के उपस्थिति के बिना कइले हईं। मां गंगा ही अब हमार माई हइन। ▶9पर

- *पहिला बेर माई बिना नामांकन कइले हईं, अब गंगा हमार माई हईं*
- *सपा काल में चलता था गोली-बम, अब हर तरफ गूंजता है बम-बम*
- *माफियाओं के बड़े-बड़े महल अब बन रहे हैं गरीब लोगों के आवास*

मोदी सरकार ने आधी आबादी का सम्मान बढ़ाया: योगी

वाराणसी, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में भारत की सरकार के एजेंडे में प्रभावी ढंग से देश की आधी आबादी को स्थान देकर उनका सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने देश में जिन चार जातियों पर चर्चा की थी। उनमें गरीब, अन्नदाता, नौजवान और महिलाएं शामिल हैं। देश में वर्ष 2014 के बाद बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लेकर मातृ वंदन समेत अन्य अभियान चलाए गये हैं। इतना ही नहीं मोदी सरकार ने नई संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करके आधी आबादी को देश की विधायिका में प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। इसके प्रति देश, प्रदेश और काशीवासी की आधी आबादी उनके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए ▶8पर

डूब रही है इंडी गठबंधन की नाव पीएम मोदी

प्रयागराज, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को प्रयागराज के परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के शासन काल में इलाहाबाद में दिनदहाड़े गोली और बम चलते थे। आज यहां भव्य महाकुंभ होता है और श्रद्धालुओं का बम-बम महादेव की गूंज सुनाई देती है। व्यापारी असुरक्षित महसूस करते थे। आज भाजपा सरकार माफिया के महलों को ढहाकर वहां गरीबों के लिए मकान बनवा रही है। पीएम मोदी ने इलाहाबाद से भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी और फूलपुर से भाजपा प्रत्याशी प्रवीण पटेल को जिताने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि सपा शासनकाल में जाति देखकर नौकरी मिलती थी। यूपीपीएएसी का नाम बदलकर परिवार सर्विस कमीशन रख दिया गया था। सपा-कांग्रेस सरकार में प्रयागराज के साथ काफी भेदभाव किया गया। वोट-बैंक को खुश करने के लिए ये लोग कुंभ की व्यवस्था ठीक तरीके से नहीं करते थे। पीएम मोदी ने कहा कि 2024 का चुनाव तय करेगा ▶8पर

उत्तराखंड सरकार की आधिकारिक स्वीकारोक्ति

उत्तराखंड का विनाश कर रही बाहरी आबादी

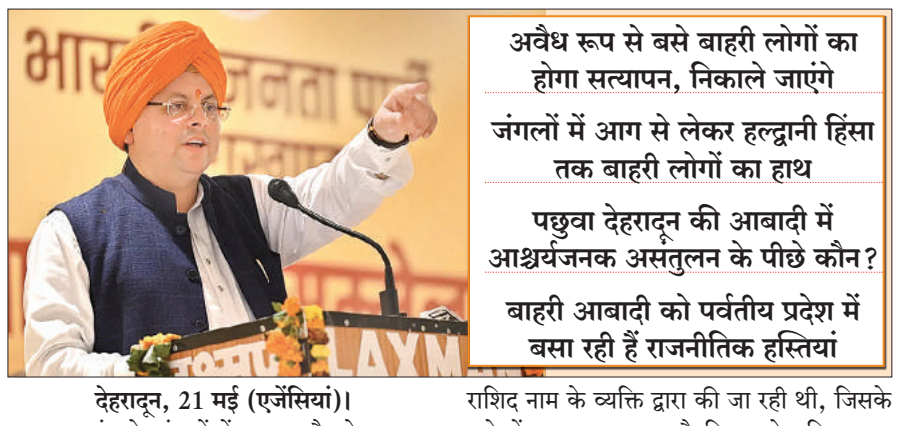

- अवैध रूप से बसे बाहरी लोगों का होगा सत्यापन, निकाले जाएंगे
- जंगलों में आग से लेकर हल्द्वानी हिंसा तक बाहरी लोगों का हाथ
- पछुवा देहरादून की आबादी में आश्चर्यजनक असंतुलन के पीछे कौन?
- बाहरी आबादी को पर्वतीय प्रदेश में बसा रही हैं राजनीतिक हस्तियां

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के जंगलों में व्यापक पैमाने पर आग लगाने की घटना हो या हल्द्वानी में आपराधिक अतिक्रमण कर सामाजिक प्रदूषण फैलाने की हरकतें हों, इन सबमें बाहर से आकर बसे लोगों की भूमिका अब स्पष्ट हो चुकी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि राज्य में बड़ी संख्या में बाहरी लोगों ने सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण कर रखा है और बाहरी लोग प्रदेश में अराजकता का फैला रहे हैं। सीएम धामी ने कहा कि बाहरी लोगों के बारे में सत्यापन कराया जा रहा है। सीएम धामी ने दिल्ली में पत्रकारों से ये भी कहा है कि जैसे वन विभाग द्वारा जंगल में अभियान चलाया गया था वैसे ही शहरी क्षेत्र में भी सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि धामी सरकार ने करीब पांच हजार एकड़ सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया है, पांच सौ से अधिक अवैध मजारों को ध्वस्त कराया है।

कुछ दिन पहले एमडीडीए के बुलडोजरों ने सहसपुर क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग कर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया था। ये प्लाटिंग राशिद नाम के व्यक्ति द्वारा की जा रही थी, जिसके बारे में कहा जाता रहा है कि उसने पश्चिम उत्तर प्रदेश, बिहार, असम आदि के मुस्लिमों को यहां लाकर अवैध रूप से बसाया और अब वो यहां मुस्लिम सेवा संगठन के जरिए अपनी राजनीतिक पृष्ठभूमि को तैयार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ये वही राशिद पहलवान है जिस पर शिव भक्त कांवड़ियों पर पत्थर फेंकने का आरोप है और उस पर पुलिस ने गैंगस्टर लगाई थी। सूत्रों के मुताबिक राशिद और अनीस अहमद मिलकर पछुवा देहरादून की सरकारी जमीनों को खुर्दबुर्द करने में लगे हुए हैं। एमडीडीए ने जो कार्रवाई की वो सहसपुर के सभावाला के 40 बीघा पर अवैध कब्जे पर की, जहां कभी आम का बाग था उसे उजाड़ दिया गया। यहां राशिद पहलवान अवैध रूप से प्लाट बनाकर बेच रहा था, एमडीडीए सूत्रों के मुताबिक, इस भूमि तक जो रास्ता बनाया जा रहा था वो सहसपुर के ग्राम प्रधान अनीस अहमद की अवैध प्लाटिंग के आगे से जा रहा था, इस मार्ग को भी एमडीडीए ने ध्वस्त कर दिया है। अनीस अहमद के जन्म और शिक्षा दस्तावेजों को लेकर भी मामला चल रहा है। ऐसा बताया जाता है कि उत्तराखंड का मूल निवासी नहीं है। ▶8पर

कई और मामलों में लिप्त है केजरीवाल का पीए

विभव को मुंबई लेकर गई दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट मामले के अभियुक्त विभव कुमार को दिल्ली पुलिस मुंबई लेकर गई। स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट से लेकर विदेशों से आम आदमी पार्टी को हुई संदेहास्पद फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी विभव कुमार की संलिप्तता सामने आ रही है। मुंबई में इसके कुछ लिंक पाए गए हैं, जिनकी पुष्टि के लिए विभव कुमार को मुंबई ले जाया गया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यही बताया जा रहा है कि विभव कुमार को मुंबई में

स्वाति मालीवाल पर हमले की जांच करेगी एसआईटी

उस जगह ले जाया जाएगा जहां उसने अपना फोन फॉर्मेट किया था।

केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने घटना के बाद अपना मोबाइल फोन फॉर्मेट किया। सीसीटीवी फुटेज के साथ छेड़छाड़ की। पेन ड्राइव फॉरमैट किया और घटना के सारे सबूत मिटाए। सबूत मिटाने की कुछ कड़ियां मुंबई से जुड़ रही हैं, इसीलिए विभव कुमार को पूछताछ के लिए मुंबई ले जाया गया है। ऐसा ही शराब घोटाले के दौरान भी हुआ था, जब जांच के दौरान उसने अपना मोबाइल फोन खराब कर दिया था।

आपा की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से सीएम अरविंद केजरीवाल के घर में पीए विभव कुमार द्वारा मारपीट किए जाने के मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस की विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई है। ▶8पर

पूर्वी दिल्ली सीट के लिए हुई चुनावी जनसभा को योगी ने किया संबोधित

आम आदमी पार्टी में टॉप टू बॉटम सभी भ्रष्टाचारी : योगी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 में अरविंद केजरीवाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आपा) ने दिल्ली को नर्क बनाकर रख दिया है। योगी ने केजरीवाल को चैलेंज देते हुए कहा कि एक तरफ पौने दो करोड़ की आबादी वाला दिल्ली प्रदेश है और दूसरी तरफ यूपी की आबादी 24 करोड़ है। केजरीवाल सरकार को यूपी के गाजियाबाद और नोएडा से अपनी तुलना कर लेनी चाहिए। यूपी एक नया लोक बन चुका है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का दोहरा चरित्र है और यहां टॉप टू बॉटम सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। योगी पूर्वी दिल्ली सीट से पार्टी प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

दिल्ली को दंगे में झोंक दिया, दिल्ली को नर्क बना डाला

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली का ये क्या हाल बना दिया है, यहां न सफाई है, न बुनियादी सुविधाएं मिलती हैं, न यहां सरकार का विकास का कोई एजेंडा है। केवल कोरी-झूठी घोषणाएं करते हुए नित नए भ्रष्टाचार के मामलों में आम आदमी पार्टी ने पूरी राजनीति को और अपने गुरु अन्ना हजारे को धोखा देने का काम किया है। ये वही लोग हैं जिन्होंने दिल्ली-मेरठ 12 लेन एक्सप्रेस वे के निर्माण के दौरान सहयोग से इन्कार कर दिया था। इसके लिए केंद्र सरकार को कोर्ट तक जाना पड़ा, मगर आम आदमी पार्टी ने सहयोग नहीं दिया। रैपिड रेल से पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी 4 घंटे में तय होती थी, इसके लिए भी आम आदमी पार्टी ने रोड़े अटकाए थे। अटल जी के समय दिल्ली में मेट्रो का काम शुरू हुआ था, बाद में इसमें भी आम आदमी पार्टी ने बैरियर लगा दिया था।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन विकास के लिए नहीं, भ्रष्टाचारियों का गठबंधन है। ये आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाला, विरासत को अपमानित करने वाला, पाकिस्तान का राग अलापने वाला गठबंधन है। ▶8पर

सेना में थिएटर कमांड लागू करने की तैयारी : सीडीएस ने कहा

तीनों सेना साथ मिलकर काम करने की संस्कृति बनाएं

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सशस्त्र बलों को थिएटर कमांड के तहत एकीकृत

करने की तैयारी चल रही है। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि थिएटर कमांड का गठन सैन्य तैयारियों को अगले कदम पर लेकर जाना है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं को साथ मिलकर काम करने की संस्कृति विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा थिएटर कमांड का गठन ही अंतिम नहीं होगा बल्कि यह सैन्य सुधारों की शुरुआत भर है। थिएटर कमांड के तहत सेना की तीनों कमान थल सेना, वायु सेना और नौसेना का एकीकरण होगा। साथ ही मल्टी डोमेन ऑपरेशन, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस की बढ़ती अहमियत, युद्ध क्षेत्र का डिजिटलीकरण और विजुअलाइजेशन जैसी चीजें भी होंगी। मेजर जनरल समीर सिन्हा मेमोरियल लेक्चर में अपने संबोधन के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने ये बातें कही। उन्होंने कहा कि संयुक्तता 1.0 के तहत तीनों कमान में आपसी समझ को बढ़ाया गया है। अब संयुक्तता 2.0 के तहत तीनों सेनाओं में संयुक्त कार्य संस्कृति को विकसित करने पर जोर है। सीडीएस ने कहा कि हमें प्रत्येक सेवा का सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने में सक्षम होना चाहिए, और सबसे कम सामान्य भाजक के लिए समझौता करने के बजाय उच्चतम सामान्य ▶8पर

आम आदमी पार्टी के आपराधिक कृत्यों का खुलासा

फंडिंग देने वाले संदिग्ध लोगों की पहचान छुपाई

आतंकियों से धन लेने में भी नहीं हिचकी आपा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आम आदमी पार्टी (आपा) ने विदेश से लिए गए करोड़ों के फंड के स्रोत की पहचान छुपाई है। प्रवर्तन निदेशालय रिपोर्ट में बताया गया है कि आपा को कनाडा, अमेरिका, न्यूजीलैंड और मध्यपूर्व के देशों से यह पैसा मिला है। विदेशी फंडिंग को

आपा तक पहुंचाने के लिए कई गड़बड़ियां की गईं। आम आदमी पार्टी (आपा) को 2014 से 2022 के बीच 7.08 करोड़ की विदेशी फंडिंग मिली है। यह पैसा विदेशी फंडिंग कानून (एफसीआरए) के नियमों का उल्लंघन करके ली गई है। ईडी ने इस फंडिंग को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की है, इसे गृह मंत्रालय को भेजा गया है। ▶8पर

केजरीवाल कल्चर : आपा के दफ्तर में पत्रकारों को पीटा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आपा) पर केजरीवाल-कल्चर हावी है। केजरीवाल के घर में आईएएस अफसर से लेकर सांसद तक को पिटवाया जाता है और पार्टी के दफ्तर में पत्रकारों को पिटवाया जाता है। आम आदमी पार्टी के दफ्तर में पत्रकारों ने संदेहास्पद फंडिंग को लेकर सवाल पूछ दिए तो आपा पदाधिकारी गुस्से में आ गए। पार्टी पदाधिकारियों ने केजरीवाल-कल्चर का अनुपालन करते हुए पत्रकारों पर हमला बोल दिया। ▶8पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,710/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 96,260/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,953.31
-52.63 -0.07% ↓
एनएसई :22,529.05
27.05 (0.12%) ↑

बीते दशक में साबित हुआ आतंकवाद विरोधी दिवस का औचित्य

इस्लामिक और नक्सल आतंकवाद की कस दी गई नकेल

भारत कई वर्षों से इस्लामिक आतंकवाद और नक्सल आतंकवाद का खामियाजा भुगतता रहा है। इसके चलते हजारों निर्दोष लोग मारे गए। अरबों रुपए की सम्पत्ति नष्ट हुई और हजारों नारियों की मर्यादा भंग हुई। जम्मू-कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जीता रहा है। 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जान भी इसी आतंकवाद ने ली। आतंकवाद जैसी भयानक समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा 21 मई का दिन राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने आतंकी हमलों में अपनी जान गंवाई और यह दिवस उन हजारों सैनिकों के बलिदान का भी सम्मान

शुभ-लाभ सरोकार

करता है, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। भारत में आतंकी घटनाओं के संबंध में तो दशकों से जगजाहिर है कि पाकिस्तानी सेना की खुफिया शाखा आईएसआई भारत को असंतुलित करने के घृणित प्रयासों के तहत आतंकी संगठनों की हरसंभव मदद करती रही है और उसके इन नापाक इरादों का खामियाजा भारत की निर्दोष जनता ने बरसों भुगता है। पिछले एक दशक से देश में आतंकवादियों की कमर तोड़ने के लिए जिस तरह के सख्त कदम उठाए गए हैं, उनके चलते देशभर में आतंकी घटनाओं में भारी कमी दर्ज की गई है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान के पाले-पोसे भाड़े के टट्टू मासूम लोगों का खून बहाने की मौका तलाशते रहते हैं। भारतीय सुरक्षाबल ने ▶8पर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

बातचीत दोबारा शुरू करने की आवश्यकता नहीं कच्चातिवु द्वीप के मुद्दे पर आया श्रीलंका का बयान

कोलंबो, 21 मई (एजेंसियां) ।

श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कच्चातिवु द्वीप को लेकर चर्चा करने का कोई कारण उन्हें नहीं दिख रहा। साबरी ने बताया कि कई साल पहले दोनों देशों के बीच बातचीत के बाद ही इस मामले पर चर्चा खत्म हो गई थी। श्रीलंका के विदेश मंत्री ने कहा कि एक जिम्मेदार पड़ोसी राष्ट्र होने के नाते श्रीलंका किसी को भी भारत की सुरक्षा से समझौता करने की अनुमति नहीं देगा।

कच्चातिवु द्वीप पर श्रीलंका के विदेश मंत्री ने दी प्रतिक्रिया – कच्चातिवु द्वीप को लेकर श्रीलंकाई विदेश मंत्री ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, अगर आप इसे ध्यान से देखे, तो ये वे मुद्दे हैं, जिन पर हमने वर्षों पहले ही चर्चा कर निष्कर्ष निकाल चुके हैं। मुझे इसे दोबारा शुरू करने की आवश्यकता नहीं दिखती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कच्चातिवु द्वीप पर टिप्पणी का मतलब इस चर्चा को फिर से शुरू करना नहीं है। साबरी ने आगे कहा, वहां घरेलू राजनीतिक जरूरतों के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश जारी है कि उस समय विचार-विमर्श ठीक से किया गया था या नहीं। श्रीलंका में चीनी जासूसी जहाजों के आगमन पर साबरी ने कहा, हमने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं।

कच्चातिवु द्वीप पर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को घेरा था – हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा, तमिलनाडु के नीचे एक द्वीप था, लेकिन इसे कांग्रेस ने श्रीलंका को दे दिया। अब जब हमारे मछुआरे उस क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। क्या कांग्रेस कभी भी हमारी जमीन की रक्षा कर सकती है

क्या है कच्चातिवु द्वीप का इतिहास – बता दें कि कच्चातिवु द्वीप रामेश्वरम और श्रीलंका के बीच स्थित है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से भारत और श्रीलंका के मछुआरे करते थे। साल 1974 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने समकक्ष श्रीलंकाई राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके के साथ 1974-76 के बीच चार समुद्री सीमा समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

न्यूज ब्रीफ

रसद आपूर्ति की समस्याओं की वजह से ईरान की मदद नहीं कर पाए रईसी के निधन के बाद अमेरिका ने जारी किया बयान

वॉशिंगटन । ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान चली गई। इस हादसे के बाद अमेरिका ने एक बयान जारी किया है। अमेरिका ने बताया कि रईसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद वे रसद आपूर्ति की समस्याओं कारण से ईरान सरकार को सहायता प्रदान नहीं कर पाया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि ईरान ने अमेरिका से सहायता मांगी थी। मैथ्यू मिलर ने कहा, ईरानी सरकार ने हमसे सहायता मांगी थी। हमने उन्हें स्पष्ट किया था कि हम उनकी सहायता करेंगे। लेकिन कुछ कारणों से हम उन्हें सहायता प्रदान नहीं कर पाए। उन्होंने राष्ट्रपति रईसी के निधन पर शोक जताया। इस दौरान मैथ्यू मिलर ने रईसी की निंदा भी की। उन्होंने कहा, मुझे कुछ बातें कहने दीजिए, चार दशकों तक रईसी ईरानियों की आवाज दबाते रहे। वह मानवाधिकार के हनन में भी शामिल थे। वह 1988 में हजारों राजनीतिक कैदियों की हत्या में भी शामिल थे। उनके कार्यकाल के दौरान महिलाओं और लड़कियों के कई मानवाधिकों का हनन हुआ। मैथ्यू मिलर ने कहा, हम किसी को भी हेलीकॉप्टर क्रैश में मरते हुए देखना नहीं चाहते हैं, लेकिन इससे एक राष्ट्रपति और न्यायाधीश के रूप में उनके रिकॉर्ड की वास्तविकता नहीं बदलेगी।। हम ईरान के लोगों को उनके अधिकारों की रक्षा के लिए उनका समर्थन करना जारी रखेंगे। विदेश मंत्री भी हेलीकॉप्टर में थे सवार बता दें कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रईसी के अलावा ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दोल्लाहियन भी सवार थे। हेलीकॉप्टर में कुल नौ लोग सवार थे और सभी की मौत हो गई।

देश क्या खुफिया एजेंसियां चलाएंगी इस्लामाबाद हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी कहा- प्रधानमंत्री को भी करेंगे तलब

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के इस्लाबाद उच्च न्यायालय ने एक सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि यह देश खुफिया एजेंसियां चलाएंगी यह फिर कानून। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मोहसिन अख्तर कयानी आज अहमद फरहाद शाह की पत्नी द्वारा दायर एक याचिका की सुनवाई कर रहे थे। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में शाह का उनके घर से कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया था। 'शाह इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के पास नहीं है' शाह की पत्नी ने 15 मई को उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिका में उन्होंने अदालत से उनके पति के अपहरण में शामिल लोगों की पहचान करने और मामले की जांच करने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान, रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि शाह इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पास नहीं है। खुफिया एजेंसी ने अपहरण में अपनी संलिप्तता के आरोप का खंडन किया है। 'आंतरिक सचिवों को अदालत में पेश होने का आदेश' रक्षा मंत्रालय के बयान के बाद न्यायाधीश ने कहा कि मामला अब आईएसआई और सैन्य खुफिया के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायमूर्ति कयानी ने रक्षा सचिव को निर्देश दिया है कि वे लिखित रूप में उच्च न्यायालय को अपना बयान सौंपे। न्यायाधीश ने बचाव पक्ष और आंतरिक सचिवों को अदालत में पेश होने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने आगे कहा कि वे भविष्य में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और कैबिनेट सदस्यों को भी तलब करेंगे।

तीन माह बाद खुला हैती का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हिंसा के चलते बंद किया गया था यातायात

पोर्ट-ऑ-प्रिंस । कैरेबियाई देश हैती का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा करीब तीन महने बाद फिर खुल गया। लगातार गिरोह हिंसा के बाद अधिकारियों को मार्च की शुरुआत में सभी यातायात के लिए इसे बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में टूसेंट-लौवर्चर हवाई अड्डे के फिर से खुलने से दवाओं और अन्य बुनियादी आपूर्ति की गंभीर कमी को कम करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, देश का मुख्य बंदरगाह अब भी ठप पड़ा है। हालांकि, एकमात्र घरेलू उड़ान सनराइज एयरवेज अभी के लिए पोर्ट-ऑ-प्रिंस के अंदर और बाहर उड़ान भर रहा है। अमेरिका-आधारित एयरलाइन को मई के अंत या जून की शुरुआत तक उड़ान शुरू करने की उम्मीद नहीं है। मियामी जाने वाली पहली उड़ान सनराइज एयरवेज की थी और दोपहर ढाई बजे (स्थानीय समयानुसार) प्रस्थान करने वाली थी। फिर से खुलने से पहले हैती में संचालित होने वाला एकमात्र हवाई अड्डा उत्तरी तटीय शहर कैप-हाईटियन में स्थित था।

क्या है अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय,जिसमें चल रहा है इस्राइल-हमास संघर्ष को लेकर मुकदमा

राष्ट्र संघ, 21 मई (एजेंसियां) ।

वर्ष 2002 में स्थापित और नैदरलैंड्स की राजधानी द हेग में स्थित, आईसीसी एक आपराधिक न्यायालय है। जिसमें व्यक्तियों पर युद्ध अपराधों व मानवता के विरुद्ध अपराध मामलों में मुकदमा चलाया जा सकता है। आईसीसी ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योआव गैलांट और हमास के तीन नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी किए जाने का अनुरोध किया है। ये वारंट, इजराइल में हमास के नेतृत्व में किए गए हमलों और उसके बाद, पिछले सात महीनों से गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाई से जुड़े मामलों में हैं। इन वॉरंट को आईसीसी न्यायाधीशों द्वारा औपचारिक स्वीकृति दी जा सकती है।

1) जघन्यतम अपराधों के मुकदमे चलाना – आईसीसी को उन लाखों बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को ध्यान में रखकर बनाया गया था, जो मानवता की अंतरात्मा को झकझोर देने वाले अकल्पनीय अत्याचारों के शिकार हुए थे। आईसीसी विश्व की पहली स्थायी, संधि-आधारित अदालत है, जिसका दायित्व मानवता के विरुद्ध अपराधों, युद्ध अपराधों, जनसंहार व आक्रामकतापूर्ण अपराधों के दोषियों की जांच करना व उन पर मुकदमा चलाना है। इस कोर्ट ने पूर्व यूगोस्लाविया के स्रेब्रेनीत्सा समेत अन्य इलाकों में अंजाम दिए गए युद्ध अपराध मामलों में सफलतापूर्वक दोष सिद्ध किए और अंतरराष्ट्रीय न्याय से जुड़े कई अहम मामलों का निपटारा किया है। इनमें, बाल-सैनिकों का इस्तेमाल, सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस, यौन हिंसा, या निर्दोष नागरिकों पर हमलों समेत अनेक अन्य मामले हैं। आईसीसी ने विश्व में कुछ सबसे गंभीर हिंसक टकरावों की जांच की है, जिनमें दारफूर, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, गाजा, जॉर्जिया व यूक्रेन समेत अन्य मामले हैं। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में सार्वजनिक सुनवाई की जाती है, 31 मामलों की प्रक्रिया चल रही है, और इसकी वारंट सूची में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा, लीबिया के कुछ व्यक्ति भी हैं। हालांकि, एक वॉरन्ट को जारी करना और फिर संदिग्धों को पकड़ा जाना चुनौतीपूर्ण है। कोर्ट के पास अपने वारंट पर अमल के लिए पुलिस नहीं है और अक्सर आदेश को लागू करने के लिए उसे सदस्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा दोषी करार दिए गए अधिकांश व्यक्ति अफ्रीकी देशों से हैं।

2) पीड़ितों को शामिल करना – यदि किसी दिन आप आईसीसी में अदालती प्रक्रिया को देखें, तो आपको गवाहों या पीड़ितों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों की आवाज सुनाई देगी। न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उनकी बात सुना जाना जरूरी है। न्यायालय न केवल सबसे जघन्य अपराधों के लिये जिम्मेदार लोगों को दंडित करने का प्रयास करता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि पीड़ितों की आवाज सुनी जाएं। पीड़ित वे व्यक्ति हैं, जिन्हें न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में किसी भी अपराध के परिणामस्वरूप पीड़ा पहुंची हो। ये पीड़ित, आईसीसी की न्यायिक कार्यवाही के सभी चरणों में भाग लेते हैं। अत्याचार से जुड़े अपराधों में 10 हजार से अधिक पीड़ित, इस न्यायालय की कार्यवाही में भाग ले चुके हैं। आपराधिक न्यायालय, अपने संपर्क व पहुंच कार्यक्रमों के माध्यम से, अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों से प्रभावित समुदायों के साथ सीधे संपर्क बनाए रखता है। न्यायालय, पीड़ितों एवं गवाहों की सुरक्षा और शारीरिक व मनोवैज्ञानिक अखंडता की रक्षा करने के लिए भी प्रयासरत है। हालांकि पीड़ित व्यक्ति यहां सीधे अपने मामले लेकर नहीं आ सकते हैं, लेकिन वे अभियोजक को जानकारी दे सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि कोई मामला जांच के योग्य है या नहीं। वर्तमान में, पीड़ितों के लिए स्थापित आईसीसी ट्रस्ट कोष, न्यायालय द्वारा क्षतिपूर्ति सम्बन्धी पहले आदेशों को वास्तविकता में बदलने में जुटा है। इनमें कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए मुआवजे की मांग भी है। इस कोष ने अपने सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से साढ़े चार लाख से अधिक पीड़ितों को शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक-आर्थिक सहायता भी प्रदान की है।

3) निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना – आईसीसी के समक्ष, सन्देह से परे दोष साबित होने तक सभी प्रतिवादियों को निर्दोष माना जाता है। सभी प्रतिवादी सार्वजनिक और निष्पक्ष कार्यवाही के हकदार होते हैं। आईसीसी में, संदिग्धों और अभियुक्तों के पास महत्वपूर्ण अधिकार होते हैं, जिनमें: आरोपों के बारे में जानकारी पाने; अपना बचाव तैयार करने के लिये पर्याप्त समय मिलने; बिना किसी देरी के मुकदमा चलाए जाने; स्वतंत्र रूप से वकील का चुनाव करने; अभियोजक से दोषमुक्ति सम्बन्धी साक्ष्य प्राप्त करना आदि शामिल हैं। इन अधिकारों में से एक है – उस भाषा में कार्यवाही करने का अधिकार, जो अभियुक्त को पूरी तरह समझ में आती हो। इसके मद्देनजर, अदालत ने 40 से अधिक भाषाओं में विशेष दुभाषियों व अनुवादकों को भर्ती किया है, और कभी-कभी एक ही सुनवाई के दौरान एक साथ चार भाषाओं का इस्तेमाल किया जाता है। अपने पहले 20 वर्षों में, प्रतिभागियों को अपराध स्थलों से मीलों दूर, नई व्यवस्था, प्रक्रियात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, आईसीसी द्वारा अभियोजित अपराध एक विशिष्ट प्रकृति के होते हैं, जिन्हें अक्सर बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जाता है। इसके लिए बड़े पैमाने पर साक्ष्यों की जरूरत होती है, और गवाहों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी अहम है।

गाजा में जो हो रहा वह नरसंहार नहीं, इजराइल के समर्थन में फिर बोले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन

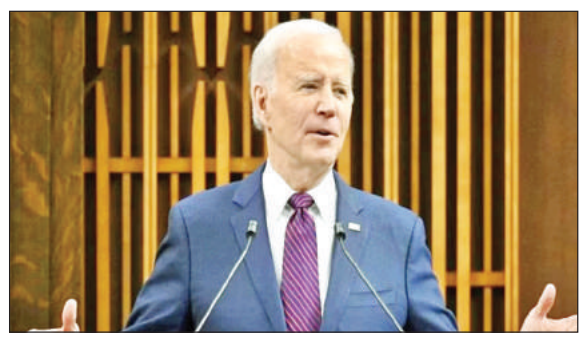

वॉशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां) ।

हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस युद्ध में अमेरिका लगातार इजराइल का साथ दे रहा है। अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपना समर्थन जताया है। उन्होंने यहूदी अमेरिकी विरासत माह के लिए व्हाइट हाउस में एक समारोह की मेजबानी की। साथ ही कहा कि गाजा में जो हो रहा है वह नरसंहार नहीं है।

क्या है यहूदी अमेरिकी विरासत माह

बता दें कि यहूदी अमेरिकी विरासत माह (जेएएचएम) मई महीने के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका में अमेरिकी यहूदियों की उपलब्धियों और योगदान की एक वार्षिक मान्यता और उत्सव है।

दर्जनों मेहमान हुए एकत्रित

रोज गार्डन में हो रहे समारोह में दर्जनों मेहमान एकत्रित हुए। इस दौरान बाइडन ने उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा कि इजराइल गाजा में नरसंहार कर रहा है। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत द्वारा इस्राइली नेताओं के खिलाफ जंग अपराध के लिए वारंट जारी करने के अनुरोध की आलोचना की। इसके अलावा, हमास के खिलाफ जंग में इजराइल को समर्थन देने का वादा दिया।

समारोह कठिन समय में हो रहा

बाइडन ने पिछले साल हमास द्वारा इजराइल पर हमला किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, मुझे पता है कि आज का समारोह कठिन समय में हो रहा है। सात अक्तूबर का आघात और उसके बाद जो भी हो रहा। आप में से कई लोगों के लिए अभी भी सही हालात हैं। उन्होंने आगे कहा, मै स्पष्ट कर दूं कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा इजराइल के खिलाफ लगाए गए आरोपों के उल्ट जो हो रहा है वह नरसंहार नहीं है। हम इसे खारिज करते हैं। हम हमेशा इजराइल के साथ खड़े हैं और खड़े रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अन्य बाइडन अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में इसी तरह के आरोपों को खारिज कर दिया है कि गाजा में इजराइल का सैन्य अभियान नरसंहार है। आरोप लगाए गए कि गाजा में हजारों फलस्तीनियों को मार डाला गया है और पर्याप्त भोजन, पानी और दवा तक पहुंच के बिना छोड़ दिया गया है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, जारी हो सकता है गिरफ्तारी वारंट

तेल अवीव, 21 मई (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, हमास नेता याह्या सिनवार और मोहम्मद दीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। आईसीसी न्यायाधीशों का एक पैनल अब गिरफ्तारी वारंट के लिए करीम खान के आवेदन पर विचार करेगा। खान ने कहा कि सिनवार, हनियेह और अल-मसरी के खिलाफ आरोपों में हत्या, बंधक बनाना, बलात्कार और हिरासत में यौन उत्पीड़न शामिल हैं। खान ने सीएनएन को बताया, 7 अक्टूबर को दुनिया स्तब्ध रह गई जब लोगों को उनके बेडरूम से, उनके घरों से, इजरायल के विभिन्न किबुतजिम से निकाल लिया गया। उन्होंने कहा,लोगों को भारी नुकसान हुआ है।अदालत के मुख्य अभियोजक करीम खान ने बताया कि आईसीसी इजरायल पर 7 अक्टूबर के हमलों और उसके बाद गाजा में युद्ध के दौरान युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में हमास नेता याह्या सिनवार और इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए

गिरफ्तारी वारंट की मांग कर रहा है।

खान ने बताया, नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ आरोपों में विनाश करना, युद्ध के तरीके के रूप में भुखमरी पैदा करना, मानवीय राहत आपूर्ति से इनकार करना, जानबूझकर संघर्ष में नागरिकों को निशाना बनाना शामिल है। जब पिछले महीने रिपोर्टें सामने आईं कि आईसीसी मुख्य अभियोजक इस कार्रवाई पर विचार कर रहा है, तो नेतन्याहू ने कहा कि वरिष्ठ इजरायली सरकार और सैन्य अधिकारियों के खिलाफ कोई भी आईसीसी गिरफ्तारी वारंट ऐतिहासिक अनुपात का अपमान होगा और इजरायल के पास एक स्वतंत्र कानूनी प्रणाली है जो कानून के सभी उल्लंघनों की कठोरता से जांच करता है।

3000 मौतों वाले संक्रमित रक्त कांड पर सुनक ने मांगी माफी : एचआईवी -हेपेटाइटिस से पीड़ित हुए थे 30,000 लोग

लंदन, 21 मई (एजेंसियां) ।

ब्रिटेन की सरकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर 1970 के दशक के संक्रमित रक्त घोटाला करने और मामले में लीपापोती करने के आरोपों पर प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने माफी मांगी। सरकार को सौंपी गई एक जांच रिपोर्ट में एनएचएस पर संक्रमित रक्त घोटाले को छिपाने का आरोप लगाया गया था। जांच अध्यक्ष सर ब्रायन लैंगस्टाफ ने यह रिपोर्ट ही पेश की है। रिपोर्ट पेश किए जाने के कुछ घंटों बाद हाउस ऑफ कॉमंस में सुनक ने कहा कि जांच में विफलताओं और इन्कार के रवैये के बाद यह ब्रिटेन के लिए शर्म का दिन है। एक अनुमान के मुताबक संक्रमित खून से 3,000 से अधिक मौतें हुई थीं। उससे भी बड़ी त्रासदी यह है कि जानकारी मिलने के बाद भी एनएचएस ने मामले में लीपापोती की।

प्रधानमंत्री सुनक ने कहा- मैं दिल से माफी मांगता हूं

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने माफी मांगते

हुए कहा कि संक्रमित रक्त घोटाले के चलते 1970 और 1990 के दशक में एनएचएस से स्वास्थ्य सेवाएं ले रहे 30,000 से अधिक लोग संक्रमित रक्त के चलते एचआईवी और हेपेटाइटिस सी जैसे जीवन-घातक वायरस से संक्रमित हो गए थे, जो शर्मसार करने वाला है। सुनक ने पीड़ितों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह असंभव है कि मैं समझ सकूं की पीड़ितों को कैसा महसूस हुआ होगा। मैं पूरे दिल से और स्पष्ट रूप से माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी और 1970 से लेकर अब तक की सभी सरकारों की ओर से लोगों से माफी मांगता हूं। मुझे वास्तव में खेद है। उन्होंने कहा कि चाहे जो भी खर्च हो सभी पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा।

क्या था संक्रमित रक्त कांड

1970 और 1980 के दशक में हजारों लोग जिन्हें नस के जरिए रक्त चढ़ाने की जरूरत थी, उन्हें हेपेटाइटिस से दूषित रक्त चढ़ाया गया था। इसमें हेपेटाइटिस सी और एचआईवी वायरस से दूषित रक्त भी था। रक्त के थक्के बनने की क्षमता को प्रभावित करने वाली बीमारी हीमोफीलिया से पीड़ित लोगों को उस वक्त रक्त प्लाज्मा से निकाले गए एक क्रांतिकारी इलाज फैक्टर-8 दिया गया। एनएचएस ने 1970 के दशक की शुरुआत में इस नए इलाज का इस्तेमाल शुरू कर दिया। जल्द ही इसकी मांग आपूर्ति के घरेलू स्रोतों से आगे निकल गई, इसलिए स्वास्थ्य अधिकारियों ने अमेरिका से फैक्टर -8 का आयात करना शुरू कर दिया।

वेटिकन सिटी में सालों बाद भी पैदा नहीं हुआ एक बच्चा, -दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है इसे

वेटिकन सिटी, 21 मई (एजेंसियां) ।

एक ऐसा देश है, जो अजीब तथ्य के लिए जाना जाता है। रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धार्मिक नेताओं का ये घर है और यहां पोप का शासन है। इस देश में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। इस देश का निर्माण 11 फरवरी 1929 को हुआ था।

हैरानी की बात है कि 95 साल बाद भी यहां कभी एक भी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है। इसके पीछे जो वजह है, वो और भी ज्यादा हैरान कर देने वाली है। इस देश का नाम वेटिकन सिटी है। इसे दुनिया के सबसे छोटे देश के तौर पर जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर के सभी कैथोलिक चर्चों और कैथोलिक ईसाइयों की जड़ें यहीं से हैं।

दुनिया भर के कैथोलिक चर्च और उसके पादरियों और प्रमुख धार्मिक नेताओं को यहीं से नियंत्रित किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वेटिकन सिटी में अस्पताल न खोलने का निर्णय इसके छोटे आकार और आसपास के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं की निकटता के कारण लिया गया है। वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल मात्र 118 एकड़ है।

सभी रोगियों को इलाज के लिए रोम के

क्लीनिक और अस्पतालों में जाना होता है। यहां कोई भी बच्चे को जन्म नहीं दे सकता क्योंकि यहां कोई डिलीवरी रूम नहीं है। यहां प्राकृतिक प्रसव नहीं होता या होने दिया जाता है। जब यहां कोई महिला गर्भवती हो जाती है और डिलीवरी की डेट नजदीक आ जाती है तो यहां के नियमों के मुताबिक उसे बच्चे को जन्म देने तक यहां से चले जाना पड़ता है। यह नियम बहुत सख्त है। वेटिकन सिटी में 95 साल में एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ। इस देश के अस्तित्व में आने के बाद से यहां कोई अस्पताल नहीं बना।

अस्पताल बनाने के लिए कई बार अनुरोध किया गया लेकिन हर बार इसे अस्वीकार कर दिया गया। यहां अगर कोई गंभीर रूप से बीमार है या कोई महिला गर्भवती है तो उसे रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है या उसके देश भेजने की व्यवस्था की जाती है। इसके कानूनी कारण भी हैं।

वेटिकन सिटी में किसी को भी स्थायी नागरिकता नहीं मिलती है, यहां रहने वाले सभी लोग अपने कार्यकाल की अवधि तक ही यहां रहेंगे, तब तक उन्हें अस्थायी नागरिकता मिलती है। इस वजह से यहां ऐसे बच्चे पैदा नहीं होते, जिन्हें भविष्य में स्थायी नागरिकता मिल सके।

कहा जाता है कि वेटिकन के निवासी खूब शराब पीते हैं। वेटिकन का औसत निवासी हर साल आश्चर्यजनक रूप से 74 लीटर वाइन पीता है। अत्यधिक शराब के सेवन के कई कारण हैं। शहर के एकमात्र सुपरमार्केट में शराब लगभग टैक्स फ्री मिलती है। ऐसे में इसकी खपत भी ज्यादा है।वेटिकन में केवल 800-900 लोग रहते हैं, जिनमें रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म से जुड़े वरिष्ठ पादरी भी शामिल हैं। वेटिकन सिटी निश्चित रूप से एक संप्रभु देश है, लेकिन यह इटली के भीतर एक छोटा सा क्षेत्र है। इस देश में पोप की पवित्र सरकार चलती है। यह दुनिया भर के रोमन कैथोलिक ईसाइयों के लिए पूज्यनीय है। वेटिकन सिटी एकमात्र ऐसा देश है जहां कोई जेल नहीं है, हालांकि कुछ प्री-ट्रायल डिटेंशन सेल हैं। दोषियों और जेल की सज़ा पाए लोगों को लेटरन संधि के अनुसार इतालवी जेलों में रखा जाता है। वेटिकन सरकार जेल की सजा का खर्च वहन करती है। वेटिकन सिटी में दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन भी है। इस स्टेशन पर 300 मीटर लंबे दो ट्रैक हैं और एक स्टेशन है जिसका नाम सीटटा वेटीकानो हैय पोप पायस एक्सआई के शासनकाल के दौरान रेलवे लाइनें और रेलवे स्टेशन बनाए गए थे। इसका उपयोग केवल सामान ढोने के लिए किया जाता है। वेटिकन सिटी 0.44 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में ही फैली हुई है।

पांच चरणों के मतदान के बाद भाजपा 300 सीटों के पार: शाह

संबलपुर/क्योंझर/परजंग, 21 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि देश में लोकसभा चुनावों के पांच चरणों के मतदान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 300 से अधिक सीटें हासिल कर चुकी है। श्री शाह ने पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में ओड़ीशा के संबलपुर, क्योंझर और ढेंकनाल जिले के परजंग में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अवलोकन के अनुसार भाजपा पहले ही 300 सीटों का आंकड़ा पार कर चुकी है और चुनाव के अगले दो चरणों में 400 पार का लक्ष्य हासिल हो जाएगा, क्योंकि पूरा देश चाहता है कि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें।

केन्द्रीय मंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि

ओड़ीशा में भी भाजपा को 75 से अधिक विधानसभा सीटें मिलेंगी और श्री पटनायक द्वारा बाहर से मंगाए गए बाबुओं द्वारा चलाई जा रही भ्रष्ट सरकार को उखाड़कर डबल इंजन की सरकार बनेगी।

श्री शाह ने श्री पटनायक पर उड़िया गौरव और संस्कृति को नष्ट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस बार भाजपा एक मेहनती मुख्यमंत्री देगी जो उड़िया गौरव और संस्कृति की रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर वह राज्य के संसाधनों को लूटने वाले भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करेगी और उन्हें जेल भेजेगी।श्री शाह ने यह भी कहा कि भाजपा सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि वह उद्योगों की एक श्रृंखला स्थापित करके राज्य के संसाधनों का मूल्य बढ़ाएगी ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले और एक भी युवा नौकरी के लिए अपने माता-पिता को छोड़कर राज्य से बाहर न जाए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बीजद सरकार के 25 साल के शासन के बाद राज्य में 27 लाख परिवार घरों से वंचित हैं, 26 लाख घरों में पीने का पानी नहीं है, 6400 गांवों में सड़क संपर्क नहीं है और राज्य में 8000 से अधिक स्कूल बंद हैं। श्री शाह ने कहा कि भाजपा राज्य में सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने केंद्रीय योजनाओं को हड़पने और अपनी तस्वीर चिपकाकर श्रेय लेने के लिए श्री पटनायक की आलोचना की। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के 90 दिनों के भीतर तेंदू पत्ता तोड़ने वालों के लिए भविष्य निधि शुरु की जाएगी।

उन्होंने श्रीजगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की गायब चाबियों पर कहा कि गायब चाबियों के लिए किसी को भी जिम्मेदारी से बख्शा नहीं जाएगा और रत्न भंडार की गायब चाबियों पर जांच आयोग की जो रिपोर्ट पिछले छह वर्षों से बीजद सरकार द्वारा दबाई गई है, को सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि रत्न भंडार की सूची भाजपा सरकार बनाएगी और इसका मूल्यांकन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा किया जाएगा, जिसका विवरण भी सार्वजनिक किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने के 18 महीने के भीतर सभी चिटफंड आरोपियों को जेल भेज दिया जाएगा और गरीब निवेशकों को उनका पैसा वापस कर दिया जाएगा। श्री शाह ने बीजद सरकार पर तीर्थनगरी पुरी को एक पर्यटक स्थल में बदलने और श्री जगन्नाथ मंदिर के आसपास सदियों पुराने मठों और अन्य विरासत संरचनाओं को नष्ट करने का आरोप लगाया।

भारत ने जल के असमान वितरण पर प्रकट की चिंता

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

भारत ने जल के असमान वितरण और उसके प्रबंधन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इसके परिणामस्वरूप दुनिया के कई क्षेत्रों में संघर्ष और तनाव पैदा हुआ है।

इंडोनेशिया के बाली में आयोजित अंतर संसदीय संघ के 10वें विश्व जल मंच की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल राज्यसभा सांसद डॉ. कनिमोझी एनवीएन सोमू ने कहा है कि विज्ञान आधारित समाधानों से सहयोग और शान्ति को बढ़ावा देने के लिए जल कूटनीति एक शक्तिशाली साधन है। उन्होंने कहा कि सीमा पार जल संसाधनों को साझा करने वाले देशों के बीच बाध्यकारी समझौते और संधियां करने के लिए भारत जल कूटनीति के लिए बहु-आयामी दृष्टिकोण पर विश्वास करता है। बैठक का आयोजन 19 मई से 21 मई तक नुसा दुआ, बाली, इंडोनेशिया में हुआ जिसमें डॉ. कनिमोझी के अलावा राज्य सभा सदस्य डा. अशोक कुमार मित्तल भाग ले रहे हैं।उन्होंने डेटा साझाकरण और पारदर्शिता, संयुक्त जल प्रबंधन परियोजनाएं, सभी संबंधित पक्षों की भागीदारी, जलवायु परिवर्तन संबंधी अनुकूलन, कानूनी और संस्थागत सुधार, तथा समुदायिक पहल जैसे कारगर जल कूटनीति पर अपने सुझाव भी साझा किए। जल कूटनीति, सहयोग और शांति के लिए विज्ञान पर डॉ. कनिमोझी ने जल के असमान वितरण और उसके प्रबंधन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप दुनिया के कई क्षेत्रों में संघर्ष और तनाव पैदा हुआ है।विश्व जल मंच पानी के संबंध में विश्व का सबसे बड़ा आयोजन है, जो प्रत्येक तीन वर्ष में आयोजित किया जाता है। अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) और इंडोनेशियाई प्रतिनिधि सभा 10वें विश्व जल मंच के अवसर पर इस अंतर संसदीय बैठक का आयोजन कर रहे हैं। जल-संबंधी चिंताओं पर दुनिया भर की संसदों को एक साथ लाता है। डॉ. मित्तल ने जल और जलवायु परिवर्तन के बीच समेकित संबंध पर कहा कि जीवन का सार जल हमारे दैनिक अस्तित्व, हमारी अर्थव्यवस्थाओं और हमारे ग्रह को बनाए रखने वाले पारिस्थितिकी तंत्रों का अभिन्न अंग है, लेकिन वैश्विक जलवायु में तेजी से हो रहे परिवर्तनों से जल की निरंतरता और उपलब्धता पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने जल-संबंधी समस्याओं के समाधान में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

स्वाति मालीवाल ने एलजी से फोन पर की की बात

मुझे केजरीवाल से ऐसी न थी उम्मीद : उपराज्यपाल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार से मारपीट मामले के बाद दिल्ली की राजनीति लगातार गरमाई हुई है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के निशाने पर पार्टी भी है। बीती रात 10 बजे उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट साझा की। जिसमें उन्होंने आप पार्टी के नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस बीच स्वाति मालीवाल की दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना से बातचीत हुई। एलजी ने इस पूरे घटनाक्रम पर नाराजगी जाहिर की है।

स्वाति मालीवाल से बातचीत के बाद एलजी वीके सक्सेना ने बयान जारी किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल पर सीएम आवास में हुए कथित हमले और

बदसलूकी को लेकर मीडिया में चल रहीं खबरों से पिछले कुछ दिनों से मेरा मन व्यथित है। बीते सोमवार को स्वाति मालीवाल ने उन्हें फोनकर अपना दर्द साझा किया। एलजी ने कहा है कि सबसे ज्यादा परेशान करने वाली बात यह है स्वाति के साथ बदसलूकी मुख्यमंत्री आवास के ड्राइंग रूम में हुई, जबकि वह भी उस समय आवास में मौजूद थे।

एलजी ने बयान में सीएम केजरीवाल की खामोशी पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी चुप्पी महिलाओं की सुरक्षा पर उनके रुख के बारे में बहुत कुछ बताती है। मुझे उम्मीद थी कि कम से कम सीएम केजरीवाल मामले पर अपनी बात रखेंगे, न कि टाल-मटोल करने वाले बने रहेंगे। एलजी के पत्र पर आपा ने बयान जारी किया है। आप ने कहा है कि एलजी की चिट्ठी से साबित हुआ स्वाति मालीवाल भाजपा के लिए काम कर रहीं हैं। चुनाव में भाजपा रोज नई साजिश लेकर आ रही है। कभी शराब घोटाला, कभी स्वाति मालीवाल, कभी विदेशी फंडिंग के झूठे आरोप। आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा चुनाव तक रोज नए हथकंडे अपनाएगी। भाजपा बुरी तरह से हार रही है। अब मोदी जी की डूबती नैया को स्वाति मालीवाल का सहारा है। स्वाति मालीवाल के जरिये वो अपना चुनाव अभियान उठाना चाह रहे हैं।

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को मंगलवार को हाईकोर्ट और राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत नहीं मिली। दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी जमानत को खारिज कर दिया। वे राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे थे। निचली अदालत ने 30 अप्रैल को उन्हें जमानत नहीं दी थी।

उधर, सुबह राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 मई तक बढ़ा दी। आज उनकी न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, इसलिए उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जेल से कोर्ट में पेश किया गया। हाईकोर्ट ने कहा, सिसोदिया प्रभावशाली व्यक्ति, लोगों के बयान बदल सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, सिसोदिया प्रभावशाली व्यक्ति हैं। कई लोगों ने उनके खिलाफ स्टेटमेंट दिया है। इसलिए इस संभावना को नहीं नकारा जा सकता है कि वे जमानत पर बाहर आकर इन लोगों को बयान बदलने के लिए कह सकते हैं। अदालत ने हफ्ते में एक दिन बीमार पत्नी

हाईकोर्ट बोला- वे प्रभावशाली गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं

से मिलने की इजाजत दे दी।

सिसोदिया करीब 15 महीने से तिहाड़ में बंद हैं। उन्हें सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। वहीं, ईडी ने 9 मार्च 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। हाईकोर्ट ने कहा, यह केस सत्ता के दुरुपयोग का है। इनका मकसद था, ऐसी पॉलिसी बनाना जो कुछ लोगों के लिए फायदेमंद रहे और जिससे इन्हें कुछ मुनाफा मिलता रहे। याचिकाकर्ता के ऐसी पॉलिसी डिजाइन करने की इच्छा करते ही भ्रष्टाचार शुरू हो गया था।

कोर्ट ने कहा कि इस मामले में जो सबूत सामने आए हैं, उससे पता चलता है कि सिसोदिया ने अपने मुताबिक नतीजे दिखाने के लिए पब्लिक फीडबैक में छेड़छाड़ की। सिसोदिया ने अपनी ही बनाई एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट को भी दरकिनार कर दिया। सिसोदिया ने कहा कि फैसला लेने की प्रक्रिया के साथ समझौता किया गया।

कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया ने सीबीआई केस में जमानत का ट्रिपल टेस्ट पास नहीं किया था क्योंकि उन्होंने वे दो फोन पेश नहीं किए थे, जो वे इस्तेमाल करते थे। उन्होंने इन फोन के डैमेज होने का दावा किया था। कोर्ट ने कहा था कि इस संभावना को नहीं नकारा जा सकता है कि सिसोदिया सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं।

12 दिनों में यमुनोत्री व गंगोत्री धाम पहुंचे 2,90,065 श्रद्धालु

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा सुचारू और सुव्यस्थित रूप से संचालित हो रही है। मंगलवार शाम तक यमुनोत्री में 13,290 तथा गंगोत्री में 12,461 तीर्थयात्री पहुंचे। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट के द्वारा यमुनोत्री धाम के पैदल मार्ग पर तीर्थयात्रियों के आवागमन को सुरक्षित व सुविधाजनक बनाए रखने के लिए घोड़े-खच्चरों एवं डंडी के अवागमन की संख्या एवं समयावधि तय किए जाने के संबंध में जारी आदेश का भी कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। जिससे यमुनोत्री पैदल मार्ग पर आवाजाही को व्यवस्थित बनाने में काफी सहूलियत हुई है।

कपाट खुलने के बाद से आज तक 12 दिनों के भीतर यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में कुल 2,90,065 श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने के बावजूद प्रशासन के द्वारा यात्रा प्रबंधन के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने और यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं जुटाए जाने के फलस्वरूप यात्रा सुव्यवस्थित ढंग से चल रही है। ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारू बनी हुई है। प्रशासन के द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए जिले के प्रवेश द्वार के बैरियर्स तथा अन्य स्थानों पर जाँच व पंजीकरण सत्यापन तथा विपरीत दिशा से आने वाले ट्रैफिक के गुजरने तक के लिए रोके जाने पर पानी की बोतलें, जलपान एवं भोजन उपलब्ध कराने के इंतजाम अभी भी जारी हैं। इस बीच जानकी चट्टी से यमुनोत्री पैदल मार्ग पर जिलाधिकारी द्वारा धारा 144 के तहत, घोड़े-खच्चरों एवं डंडी के आवागमन की संख्या एवं समयावधि निर्धारित किए जाने के संबंध में जारी आदेश का सख्ती से अनुपालन कराए जाने के लिए जानकी चट्टी में प्रशासनिक अमला एवं जिला पंचायत के कार्मिक तड़के से ही मुस्तैद रहे। रोटेशन व नंबर सिस्टम से तय संख्या में घोड़े-खच्चरों एवं डंडी के यमुनोत्री पैदल मार्ग पर आने-जाने की इस नई व्यवस्था का पहले ही दिन काफी अनुकूल असर रहा। तेरह हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन के बावजूद, पैदल मार्ग पर आवागमन आज अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक व व्यवस्थित देखा गया। आज तीर्थयात्रियों को लेकर यमुनोत्री धाम के आखिरी पड़ाव जानकी चट्टी में 1162 वाहन और गंगोत्री में 1162 वाहनों का आगमन हुआ।

मुंबई में फ्लाइट से टकराकर 36 फ्लेमिंगो की मौत, प्लेन में 310 यात्री सवार थे

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। घाटकोपर इलाके में 36 फ्लेमिंगो (राजहंस) मरे हुए पाए गए। फोरेस्ट टीम को इसकी जानकारी दी गई, जब उन्होंने पता लगाया कि पक्षियों की मौत का कारण क्या रहा तो सामने आया कि प्लेन से टकराने से इनकी मौत हुई है। दरअसल, एमिरेट्स की फ्लाइट से ईके 508 सोमवार की रात को दुबई से उड़कर मुंबई आ रही थी। जब फ्लाइट घाटकोपर में पंतनगर के लक्ष्मी नगर इलाके के ऊपर से गुजर रही थी तब इन फ्लेमिंगों का झुंड फ्लाइट से टकराया और 36 पक्षियों की मौत हो गई।

मुंबई एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट रात 9.18 पर लैंड हुई। तब पक्षियों के टकराने की बात पता चली। इस घटना में फ्लाइट को भी नुकसान हुआ, लेकिन गमीमत रही कि वह सकुशल लैंड हो गई। क्योंकि फ्लाइट में 310 यात्री सवार थे। अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट को फिलहाल एयरपोर्ट पर ही रोका गया है। उसको हुए नुकसान की जांच की जा रही है। वहीं, मुंबई के मैंग्रोव प्रोटेक्शन सेल के एडिशनल कंजर्वेटर फोरेस्ट रामा राव ने कहा कि इस एरिया में घटना में 36 फ्लेमिंगों मारे गए हैं। घायल फ्लेमिंगों की तलाश की जा रही है। मैंग्रोव प्रोटेक्शन सेल के डिप्टी कंजर्वेटर दीपक खाड़े ने कहा कि एयरपोर्ट के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है।

कोर्ट से निकलते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा

मेरे पास बेगुनाही के सबूत हैं पुलिस आरोप साबित करे

दिल्ली/लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)।

दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर एक आपराधिक मामले में भाजपा सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न, धमकी और महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय कर दिए। अदालत ने अभियोजन पक्ष को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट से बाहर आने पर बृजभूषण ने कहा कि मैं पहले ही अपनी बेगुनाही का सबूत दे चुका हूं।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) प्रियंका

राजपूत के समक्ष पेश आरोपियों ने पूछने पर अपना अपराध स्वीकार करने से इनकार करते हुए स्वयं को बेकसूर बताते हुए मुकदमे का सामना करने का तर्क रखा।

सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ आपराधिक धमकी का आरोप भी तय किया गया है। कोर्ट से बाहर आने पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि मेरे ऊपर अभी चार्ज फ्रेम हुआ, जो आरोप लगाए गए हैं उसे अब पुलिस को साबित करना है। मेरे पास अपनी बेगुनाही के पूरे सबूत हैं। उनकी टिकट काटे जाने को लेकर किए गए एक सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि मेरे बेटे टिकट मिल गया है।

रक्षा सौदों में दलाली खाने वाली कांग्रेस बांट रही सेना पर ज्ञान: अनुराग

हमीरपुर, 21 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री एवं मंडी से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि आज़ादी के बाद से अब तक रक्षा सौदों में दलाली खाने वाली कांग्रेस सेना पर ज्ञान न हीं बांटे तो बेहतर होगा। अच्छी सुविधाओं के लिए हमारे सैनिक तरसते रह गए और कांग्रेस दुश्मन देशों के एजेंडे पर भारतीय सेना को कमजोर करती रही। मोदी राज में भारतीय सेना और सीमा दोनों ही सशक्त और सुरक्षित हुए हैं। कांग्रेस बताए कि वह चीन-पाकिस्तान की कठपुतली क्यों बनी रही?

श्री ठाकुर ने यह बातें आज हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान बड़सर और कुटलैहड़ विधानसभा में जनसभाओं व मीडिया कर्मियों से वार्तालाप के दौरान कहीं। उन्होंने कहा, आज़ादी के बाद लम्बे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी यदि अपने स्वार्थ तक सीमित न रह कर देशहित के बारे में सोचती तो भारत बहुत पहले महाशक्ति बन चुका होता। कांग्रेस शासनकाल में देश जल,थल,नभ में हुए बड़े घोटालों का गवाह बना जिसने विश्व में हमारी अस्मिता को चोट पहुंचा कर हमारी छवि एक कमज़ोर देश के रूप में बनाई। इतिहास गवाह है कि आज़ादी के बाद से अब तक कांग्रेस पार्टी ने हर डिफ़ेंस डील में अपनी डील को तरजीह दी है।हमेशा से कांग्रेस का एजेंडा देश के पैसे को अपनी जेबों में भरने का रहा है। आज़ादी के तुरंत बाद चाहे इंग्लैंड से 3 हज़ार जीपों ख़रीदने का मामला हो या फिर बोफ़ोर्स से लेकर स्कॉर्पियन सबमरीन और वीवीआईपी हेलीकॉप्टर अगस्तावेस्टलैंड घोटाले की बात हो,हर मामले में कांग्रेस पार्टी के हाथ दलाली से रंगे हैं। सेना की मज़बूती के लिए ख़र्च होने वाले पैसों को कांग्रेसी नेताओं ने अपनी अय्याशीयों पर ख़र्च करती रही और अभाव में सीमा पर हमारा सैनिक मरता रहा। इस सब से आँखे मूँद नामदारों का अधिकतर समय अपनी छुट्टियाँ मनाने में ही बीतता रहा।

श्री ठाकुर ने कहा, जिनके कंधों पर देश को सुरक्षित रखने की ज़िम्मेदारी थी उन्हें अपने विदेशी मेहमानों और फ़िल्म स्टारों के साथ देश के बाहर जाकर छुट्टियाँ मनाने से ही फ़ुर्सत नहीं थी।जिस परिवार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को ताक पर रख कर देश के गौरव आईएनएस विराट युद्धपोत को अपनी छुट्टियाँ मनाने के लिए टैक्सी की तरह इस्तेमाल किया देश उस परिवार को दोबारा सत्ता सौंपने का जोखिम कभी नहीं उठायेगा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने देश की सुरक्षा में तैनात युद्धपोत को अपने निजी उपयोग के लिए रिश्तेदारों के साथ 10 दिनों तक घूमने के लिए इस्तेमाल किया। क्योंकि इस नेहरु-गांधी परिवार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कभी चिंता का विषय नहीं रहा इसलिए तब भी और अब भी इनकी गतिविधियाँ देश हित के प्रतिकूल ही

रहीं। श्री ठाकुर ने कहा, देश का बंटवारा हुए 75 वर्ष हो गए परंतु कांग्रेस के तार आज भी पाकिस्तान से परस्पर जुड़े हुए हैं। तभी तो कभी कांग्रेस वाले पाकिस्तान की गोद में बैठे मिलते हैं तो कभी पाकिस्तान वाले कांग्रेस की गोद में बैठे मिलते हैं। पांचवें चरण के मतदान से खबर आ रही है कि राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव हार रहे हैं लेकिन पाकिस्तान से उन्हें लगातार समर्थन मिल रहा है। इनका यह नेक्सस इस बात का उत्तर देता है कि आखिर कांग्रेस क्यों सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगती है। यह इस प्रश्न का भी उत्तर देता है कि आखिर कांग्रेस क्यों भारत से परमाणु हथियारों को खत्म करना चाहती है। एक ओर ये लोग भारतीय परमाणु हथियारों को खत्म करने की बात करते हैं और दूसरी ओर हमें पाकिस्तान के एटम बम का डर दिखाते हैं। डोकलाम विवाद के समय भी जब भारतीय सैनिक चीनी फौज से लोहा ले रहे थे तब राहुल गांधी चीनी अधिकारियों के साथ डिनर कर रहे थे। कांग्रेस से जुड़े को चीन से फंड मिलना ये बताता है की कांग्रेस को बैक डोर से चीन का भी समर्थन मिलता है। इस नेहरू गांधी परिवार ने देश कि हजारों एकड़ भूमि को चीन और पाकिस्तान को दिया हुआ है। इन सबसे स्पष्ट है कि कांग्रेस का हाथ विदेशी ताकतों के साथ है जो भारत को अस्थिर करने में लगी हैं।

भाजपा नेता ने कहा, मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में सेना के लिए जो कार्य हुए हैं, वह पिछले 60 वर्षों में भी नहीं हुए होंगे। हमने सेना की वर्षों पुरानी मांग, वन रैंक वन पेंशन को लागू किया। अभी तक एक लाख करोड़ से ज्यादा पैसा हम हमारे बहादुर पूर्व सैनिकों को दे चुके हैं। कांग्रेस ने तो अपने 10 वर्षों में सेना को एक भी बुलेट प्रूफ जैकेट तक नहीं दिया।

उनके दौर में सेना जरूरी साजो सामान के लिए तरसती थी। इन्होंने सैन्य सामानों में भी घोटाले किए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। ऐसी जानकारी ज़ाहिर न करें, जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। कोई नया रिश्ता न सिर्फ़ लंबे वक़्त तक क़ायम रहेगा, बल्कि फ़ायदेमंद भी साबित होगा। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक़्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक़्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। अपने बच्चों के लिए कुछ ख़ास योजना बनाएँ। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएँ यथार्थवादी हैं और उन्हें अमली जामा पहनाना मुमकिन है। आने वाले पीढ़ी इस तोहफ़े के लिए आपको हमेशा याद रखेगी। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। ख़ाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। आपकी बीती ज़िन्दगी का कोई राज़ आपके जीवनसाथी को उदास कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत अच्छी रहेगी। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन ख़राब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। ग़ैर-ज़रूरी चीज़ों पर रुपये ख़र्च कर आप अपने जीवन-साथी को नाराज़ कर सकते हैं। नए प्रेम-संबंधों के बनने की संभावना ठोस है, लेकिन व्यक्तिगत और गोपनीय जानकारियों को उजागर करने से बचें। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। आज मौसम का मिजाज कुछ ऐसा रहेगा कि आप बिस्तर से उठने को राज़ी नहीं होंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आज ऊर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। नाते-रिश्तेदार तरक़्क़ी और समृद्धि के लिए नयी योजनाएँ लाएंगे। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखरी रहेगी और अजनबी भी जाने-पहचाने से महसूस होंगे। भागीदारी वाले व्यवसायों और चालाकी भरी आर्थिक योजनाओं में निवेश न करें। दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मौज-मस्ती करें। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। वक़्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक़्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती हैं आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक विशिष्ट दौर से गुज़रेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी ख़र्च हो सकता है। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आराम करना बहुत अहम है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। अगर आज आप ख़रीदारी के लिए निकलते हैं, तो कोई अच्छी पोशाक ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत को देखभाल की ख़ास ज़रूरत है। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। इस बारे में बिना देर किए बातचीत करें, क्योंकि एक बार इस समस्या के हल हो जाने पर घर में जीवन बहुत आसान हो जाएगा और परिवार के लोगों को प्रभावित करने में आपको कोई कठिनाई नहीं आएगी। विवाहेतर प्रेम संबंध आपकी प्रतिष्ठा धूमिल कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक़्त निकालेंगे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 22 मई 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी सायं 06:49 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 07:46 तक
योग : वरियान दोपहर 12:35 तक
करण : गर प्रात: 06:19 तक
चन्द्रराशि : तुला रात्रि 02:55 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 06:49 से

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के मुख्य सचिव ने अफसरों के साथ की बैठक

एसीबी की जांच के लंबित प्रकरणों को 31 मई तक निपटाने के निर्देश

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकार बदलने के साथ ही एसीबी के राडार पर आए आईएएस अफसर अखिल अरोड़ा की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। पिछले साल एसीबी ने अरोड़ा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के सेक्शन 17 ए के तहत सरकार से जांच की अनुमति मांगी थी, लेकिन ऊंचे रसूखात के चतले ये फाइल डीओआईटी महकमें में ही दबा दी गई। अब मुख्य सचिव सुधांश पंत ने निर्देश जारी किए हैं कि एसीबी की 17 ए के जांच के ऐसे जितने भी प्रकरण कार्मिक विभाग या अन्य विभागों में लंबित हैं, उनका निस्तारण प्राथमिकता से 31 मई तक कर दिया जाए। गौरतलब है कि डीओआईटी के दफ्तर मिले गोल्ड और कैश के मामले में एसीबी में दर्ज एक परिवाद के आधार पर सरकार से अखिल अरोड़ा के खिलाफ 17 ए के तहत जांच की अनुमति मांगी थी।

पिछली गहलोत सरकार के कार्यकाल में सरकारी विभाग डीओआईटी के लॉकर में मिले कैश और गोल्ड को लेकर एफआईआर (संख्या 125/2023) दर्ज की गई थी।

एसीबी ने सरकार ने अखिल अरोड़ा के खिलाफ 17ए के तहत जो अनुमति मांगी थी, उसमें इस एफआईआर का हवाला दिया गया था। इसके लिए एसीबी के तत्कालीन डीजी हेमंत प्रियदर्शी ने 6 अक्टूबर को एक पत्र डीओपी (कार्मिक विभाग) को भेजा था। लेकिन, पहले डीओपी इस पत्र को दबाकर बैठ गया। इसके बाद डीओआईटी में ये फाइल अटक गई और मामले आगे नहीं बढ़ पाया। बता दें कि तत्कालीन सरकार में डीओआईटी के ऑफिस के लॉकर में गोल्ड और करोड़ों रुपये का कैश बरामद हुआ था। मामले में डीओआईटी के तत्कालीन ज्वाइंट डायरेक्टर वेदप्रकाश यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, वेदप्रकाश यादव की स्वीकारोक्ति के बाद बिना जांच किए चालान पेश कर दिया गया था। ऐसे में अब जांच इस आधार आगे बढ़ सकती है कि ये गोल्ड और कैश कहां से आया?

कैश और गोल्ड मामले की जांच सिर्फ एसीबी तक ही सीमित नहीं है बल्कि ईडी भी मामले में जांच कर रही है। ईडी ने इस मामले में 6 अक्टूबर 2023 को ही वेद प्रकाश यादव के खिलाफ पीएमएलए अधिनियम-2002 के तहत प्रोसिक्यूशन कंप्लेन दर्ज की थी। मार्च में ईडी की तरफ से जो प्रेस रिलीज जारी की गई थी उसमें यह कहा गया था कि ईडी मामले में एसीबी की ओर से दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर कार्रवाई कर रही है। राजस्थान में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़े कुल 38 हजार से ज्यादा परिवाद एसीबी को मिले। इनमें से 706 प्रकरण एसीबी ने अनुसंधान की अनुमति के लिए विभागाध्यक्षों को भेजे। विभागों की तरफ से सिर्फ 78 मामलों में अनुमति दी गई, 112 में मनाही कर दी गई और शेष 516 में अनुमति लंबित है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति के दिए निर्देश

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मौजूदा भीषण गर्मी की स्थिति को देखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पीएचईडी और विद्युत वितरण निगमों को बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

श्री शर्मा ने मंगलवार को कहा कि आमजन को किसी भी स्थिति में बिजली कटौती और पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने पीएचईडी मंत्री और ऊर्जा मंत्री को पानी-बिजली की बढ़ी हुई मांग के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए प्रभावी प्रबंधन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव को भी गर्मी के मौसम में बिजली की समस्याओं के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सतत निगरानी और विभागों के मध्य समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीण आबादी को विद्युत कटौती और जल की कमी से संबंधित किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए श्री शर्मा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मुख्यालय पर ही रहने और बिना पूर्व सूचना के मुख्यालय नहीं छोड़ने के भी निर्देश दिये।

सेवानिवृत्त सार्जेंट पर 60 लाख की ठगी का आरोप ठेका दिलवाने के नाम पर की धोखाधड़ी

जोधपुर, 21 मई (एजेंसियां)। सेना में ठेके दिलवाने के नाम पर एक ट्रेडिंग कारोबारी से 60 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। इसमें सेना से रिटायर्ड सार्जेंट और उसकी पत्नी पर आरोप लगाया गया है। उन्होंने मिलकर 60.56 लाख की धोखाधड़ी की। हालांकि इसमें दस लाख रुपए लौटा दिए गए। पति-पत्नी ने मिलकर उसे एक्सटॉर्सन में भी फंसाया और एक झूठी रिपोर्ट रातानाडा थाने में दी गई। जब एडवांस दिए चेक बाउंस हुए तब पीड़ित ने अदालत की शरण ली और इस्तगासे से महामंदिर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। महामंदिर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

पुलिस ने बताया कि मानसागर गली नंबर एक निवासी प्रेमप्रकाश अटल की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि वह मंडोर मंडी में ट्रेडिंग का कार्य करने के साथ बैंक लोन लेनदेन का काम भी करता है। वह सीए भी है। मंडोर मंडी में आने वाले भवानी सिंह उसका परिचित है। एक दिन भवानी सिंह ने उसके कार्यालय पर आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा निवासी पतिबंदला श्रीनिवास उर्फ श्रीनिवासु से मिलवाया था। पतिबंदला ने खुद को सेना में कार्यरत होना बताया। साथ ही सेना में मिनरल वॉटर इत्यादि के ठेके लेने देने के बारे में जानकारी दी, लेकिन इसके लिए केवल सैन्य कर्मचारी को ही ठेके दिलाने की बात की थी। जान पहचान होने पर 2022 में पतिबंदला श्रीनिवास फिर से प्रेम प्रकाश से मिला और बताया कि सेना में सब्जी का कॉन्ट्रेक्ट मिल रहा है, जो उसने प्रेम प्रकाश से लेने को कहा। इस पर प्रेम प्रकाश ने सैन्य कॉलोनी में सब्जी की स्टॉल का ठेका पतिबंदला श्रीनिवास के नाम से लिया और 11 लाख रुपए लगाए। मई 2022 में ठेका लिया तब तक सही चला। पतिबंदला श्रीनिवास ने इसमें 10 लाख चुकाए। इसके बाद 2023 सितंबर तक बंदला ने प्रेम प्रकाश को मोबाइल रिपेयर, आरओ आदि का ठेका दिलाया और प्रेम प्रकाश ने पतिबंदला श्रीनिवास के नाम से कॉन्ट्रेक्ट लिए और कुल 60 लाख का इनवेस्ट किया।

पतिबंदला श्रीनिवास ने अक्टूबर 2023 तक हर दिन पांच हजार रुपये दिए फिर देना बंद कर दिया। इस पर प्रेम प्रकाश ने उससे नियमित पैसे लौटाने पर जोर बनाया तब पहले उसने माफी मांग कर जल्द ही पैसे लौटाने को कहा, लेकिन बाद में उसने टालना शुरू कर दिया।

कारोबारी ने अपने स्तर पर पता लगाया तो मालूम हुआ कि पतिबंदला तो सेना से सेवानिवृत है। इस पर उससे बात की तो उसने कुछ चेक दिए जोकि अनादरित होने के साथ उसके पत्नी सुनीता ने भी कारोबारी को धमकाना शुरू कर दिया। पतिबंदला ने खुद को सेना अफसर बताते हुए कहा कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है।

भाजपा वालों के पास कोई मुद्दा नहीं इसलिए कर रहे बेतुकी बातें : सैलजा

प्रियंका कल सिरसा में करेंगी रोड शो

सिरसा, 21 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की महासचिव और हरियाणा में सिरसा लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी (इंडिया समूह) कुमारी सैलजा ने कहा है कि पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सिरसा में 23 मई को रोड शो करेंगी। कुमारी सैलजा ने कहा कि लोगों की काफी मांग थी कि प्रियंका गांधी का सिरसा में कार्यक्रम करवाया जाए। उन्होंने कहा कि रोड़ शो सुबह 8:30 बजे शुरू होगा। जल्द ही रूट तय कर लिया जाएगा।मंगलवार को सिरसा में हिसार रोड़ स्थित प्रीतम पैलेस में जसवीर सिंह जस्सा द्वारा आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी की गलत नीतियों के खिलाफ चुनाव है। लोग खुद ही

चुनाव लड़ रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा वालों के पास कोई मुद्दा तो है नहीं और न ही उन्होंने कोई विकास कार्य करवाए इसलिए वे बेतुकी बातें कर रहे है। चुनावों के बीच में राम का नाम ला रहे हैं। भगवान राम के तो सभी भगत है। भगवान राम क्या कोई उनका ट्रेडमार्क है? लोग उनकी बातों में आने वाले नहीं। बीते दिवस शहर में बुलडोजर रोड शो निकाल कर भय का माहौल पैदा करने की कोशिश की गई। पर अब लोग न तो इनसे डरने वाले हैं और न ही इनके बहकावे में आने वाले।

कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के 10 साल के शासन में देश व प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों से तंग आ चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल के कार्यकाल में किसान, व्यापारी, गरीब, मजदूर, महिलाओं तथा बेरोजगारों सहित सभी वर्गों को सिर्फ परेशान करने का ही काम किया है। जिसके चलते भाजपा के प्रति पूरे देश के लोगों में नाराजगी पाई जा रही है और लोगों का झुकाव कांग्रेस और उनके समर्थक पार्टियों की तरफ हो गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा द्वारा आयोजित रैलियों में प्रधानमंत्री ने भाजपा द्वारा किए गए कार्यों पर कुछ नहीं बोला। बोलें भी कैसे भाजपा सरकार ने कोई ऐसा कार्य किया ही नहीं, जिसका जिक्र श्री नरेंद्र मोदी करते। इसलिए उन्होंने सिर्फ और सिर्फ झूठ व जुमलों का सहारा लिया। कुमारी सैलजा ने कहा कि पांच चरणों के मतदान के बाद साफ हो चुका है कि भाजपा और श्री मोदी देश की सत्ता से जा रहे हैं, कांग्रेस व इंडिया समूह आ रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों में राम को बीच में ला रहे है पर लोगों को मोदी या भाजपा से राम के नाम का सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राम हमारे दिल में है।

इनामी बदमाश गिरफ्तार, एक साल से पुलिस कर रही थी तलाश

करौली, 21 मई (एजेंसियां)। जिले के मासलपुर थाना पुलिस ने 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी मासलपुर में डकैती के मामले में एक साल से फरार चल रहा था। आरोपी मासलपुर थाने के टॉप 10 बदमाशों में शामिल है। मासलपुर थाना अधिकारी चंचल शर्मा ने बताया कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन और एएसपी शंकरलाल मीणा तथा डीएसपी अनुज शुभम के सुपरविजन में अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत डकैती के आरोपी रामगोविन्द पुत्र सुंदर पाल उम्र 30 साल निवासी चिलीपुरा कस्बा नगर पुलिस थाना डांग बसई जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के ऊपर एसपी ने 20

हजार रुपये का इनाम घोषित है। आरोपी को बाड़ी बस स्टैंड से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया है। हेड कांस्टेबल परमजीत, गजराज, इनामी बदमाशों की तलाश में गश्त कर रहे थे। गश्त करते सरमथुरा बस स्टैंड, चिलाचौंद पहुंचे। जहां मुखबिर से हेड कांस्टेबल परमजीत सिंह को सूचना मिली कि इनामी आरोपी रामगोविन्द बाड़ी बस स्टैंड पर खड़ा है और कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर पुलिस दल बाड़ी बस स्टैंड पहुंचा, जहां आरोपी पुलिस को देखकर छुपने का प्रयास करने लगा। इसके बावजूद पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी से अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ जारी है।

थानाधिकारी ने बताया की 20 फरवरी 2023 को दिनेश पुत्र मदन कहार उम्र 55 साल निवासी मासलपुर ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया कि 19 फरवरी रात वो और उसके भाई बबलू के परिवार के लोग मकान के बाहर भीतर सो रहे थे। रात करीब 2 बजे आहट होने पर घर की औरत गुडिया, बबलू, भंवरो जाग गई। उन्होने देखा छः नकाब पोश बदमाश हाथों में हथियार लेकर खड़े थे। महिलाएं चिल्लाने लगीं तो उन्होंने कट्टा निकालकर जान से मारने की धमकियां देने व लाठी से मारने-पीटने लगे। घर के कई सदस्य जाग गए। चार बदमाश हाथों में हथियार लेकर चिल्लाने पर जान से मारने की धमकियों देने लगे। दो बदमाशो ने चार कमरों के ताले तोड कर उनमें रखे सोने-चांदी के जेवरात व रुपयों को निकालकर ले गए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रोहतक में किया रोड शो, कहा-

भूपेंद्र हुड्डा को अपना बेटा चाहिए पर देश को मोदी चाहिए

रोहतक, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा मंगलवार को रोहतक पहुंचे और भाजपा प्रत्याशी डा. अरविंद शर्मा के साथ रोड शो निकाला। इस दौरान जेपी नड्डा ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अपना बेटा चाहिए, जबकि रोहतक की जनता को तीसरी बार मोदी सरकार चाहिए। नड्डा ने मंगलवार को रोहतक में पावर हाउस चौक से आंबेडकर चौक तक भाजपा प्रत्याशी अरविंद शर्मा के लिए रोड शो किया। सुबह करीब 10 बजकर 47 मिनट पर नड्डा पावर हाउस चौक

पर पहुंचे और रथ पर सवार हुए। कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित करके उनका स्वागत किया। भीषण गर्मी के बीच रोड शो मेडिकल मोड़ की तरफ आगे बढ़ा। गर्मी के बावजूद कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा। महिला कार्यकर्ता भगवा साड़ी में नजर आई।

मेडिकल मोड़ से आगे डी पार्क, बजरंग भवन फाटक, कोआपरेटिव सोसायटी, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर के कार्यालय, अशोका चौक, सुभाष चौक व आंबेडकर चौक पर स्वागत हुआ। 2.3 किलोमीटर का रास्ता कार से 8 मिनट में पूरा होता है, जो 1 घंटा 17 मिनट बाद करीब 12 बजे पूरा हुआ। आंबेडकर चौक पर रथ से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिना माइक ही कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को केवल बेटा चाहिए, जबकि रोहतक को तीसरी बार मोदी सरकार चाहिए। इसके बाद नड्डा ने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और जींद के लिए रवाना हो गए।

हरियाणा में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को झेलना पड़ा महिलाओं का विरोध

स्वाति मालीवाल के पोस्टर लेकर जनसभा में पहुंचीं महिलाएं

यमुनानगर, 21 मई (एजेंसियां)। मंगलवार को हरियाणा के यमुनानगर में एक जनसभा को संबोधित करने आए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को स्वाति मालीवाल मामले में महिलाओं का विरोध झेलना पड़ा। जनसभा में कुछ महिलाएं स्वाति मालीवाला के फोटो वाले पोस्टर लेकर पहुंच गईं। महिलाओं ने दो बार खड़गे को स्वाति मालीवाल के पोस्टर दिखाते हुए नारेबाजी की। महिलाएं जो पोस्टर लेकर पहुंचीं थीं उन पर लिखा था कि देश की बेटी स्वाति मालीवाल पर अत्याचार, कांग्रेस चुप क्यों है? देश मांग रहा है जवाब, महिला विरोधी सरकार नहीं चाहिए, स्वाति मालीवाल को न्याय दो, न्याय दो। हालांकि हंगामा कर रही महिलाओं को पुलिस ने रैली स्थल से बाहर कर दिया।मल्लिकार्जुन खरगे मंगलवार को नई अनाज मंडी जगाधरी में अंबाला लोकसभा सीटी से कांग्रेस प्रत्याशी वरूण मुलाना व कुरुक्षेत्र लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता के लिए चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे।

नारद जयंती कल

नारद जयंती के दिन नारद जी का जन्म दिवस मनाया जाता है । नारद जी को सृष्टि का प्रथम पत्रकार कहा जाता है, जो तीनों लोकों में सूचना इधर से उधर पहुंचाने का काम करते थे।

हर साल ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को नारद जयंती मनाई जाती है। साल 2024 में नारद जयंती 24 मई, शुक्रवार के दिन पड़ रही है।

नारद जयंती 2024 तिथि

प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 23 मई, 2024 को शाम 7:22 मिनट पर होगी

प्रतिपदा तिथि 24 मई, 2024 को शाम 7:24 मिनट पर समाप्त होगी।

नारद जयंती देवर्षि नारद मुनि के जन्मदिवस की वर्षगाँठ के रूप में मनाया जाता है।देवर्षि नारद एक देवदूत थे, जो देवताओं के लिये समस्त प्रकार की जानकारी पहुंचाने का स्रोत थे।

नारद मुनि किसी भी समय स्वर्गलोक, पृथ्वीलोक तथा पाताललोक का भ्रमण कर सकते हैं। ब्रह्माण्ड का भ्रमण कर सूचना एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते थे। अधिकतर समय उनकी सूचना वादविवाद को जन्म देती है, किन्तु यह वाद-विवाद ब्रह्माण्ड के हित के लिये होता है।

देवर्षि नारद को भगवान विष्णु जी का परम भक्त माना जाता हैं। भगवान विष्णु के नारायण रूप को सत्य का अवतार माना जाता है।

भारत के कुछ क्षेत्रों में नारद जयन्ती वैशाख माह की कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि को मनाई जाती है।

नारद जयन्ती का पर्व बुद्ध पूर्णिमा के अगले दिन पड़ता है।

नारद जयंती का महत्व

नारद जयंती के दिन विधि-विधान से पूजा करने से भक्तों को बल, बुद्धि और शुद्धता की प्राप्ति होती है। इस दिन भगवान कृष्ण के मंदिर में बांसुरी भी अर्पित करना चाहिए। ऐसा करने से जातक के जीवन से सभी दुख दूर होते हैं।

साल 2024 का सबसे लंबा दिन आने वाला है, ग्रीष्म अयनकाल पर क्या करें

ग्रीष्म अयनकाल वह समय होता है जब सूर्य पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में अपनी सबसे ऊंची स्थिति पर होता है। यह 20 जून या 21 जून को घटित होता है। इस दिन, उत्तरी गोलार्ध में सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात होती है। सूर्य की किरणें पृथ्वी पर सबसे अधिक तिरछी पड़ती हैं। इसके परिणामस्वरूप, उत्तरी गोलार्ध में अधिकतम धूप प्राप्त होती है। दिन लम्बा और रातें छोटी होती हैं। कुछ उत्तरी क्षेत्रों में, सूर्य 24 घंटे तक अस्त नहीं होता है, जिसे मध्यरात्रि सूर्य कहा जाता है। तापमान बढ़ जाता है और गर्मी का मौसम चरम पर होता है। पौधे तेजी से बढ़ते हैं और फूल खिलते हैं। पक्षी अधिक सक्रिय होते हैं और जानवर अधिक भोजन इकट्ठा करते हैं। कई संस्कृतियों में, ग्रीष्म अयनकाल को उत्सवों और अनुष्ठानों के साथ मनाया जाता है. यह नए जीवन, उर्वरता और प्रचुरता का प्रतीक है।

2024 में ग्रीष्म अयनकाल

ग्रीष्म अयनकाल शुक्रवार, जून 21, 2024 को
ग्रीष्म अयनकाल समय – प्रातः 02:20
ग्रीष्म अयनकाल सूर्योदय – प्रातः 05:24
ग्रीष्म अयनकाल सूर्यास्त – सायं 07:22
ग्रीष्म अयनकाल दिन की अवधि – 13 घण्टे 58 मिनट्स 11 सेकण्ड्स
ग्रीष्म अयनकाल पिछले दिन की अवधि – 13 घण्टे 58 मिनट्स 11 सेकण्ड्स
ग्रीष्म अयनकाल आगामी दिन की अवधि – 13 घण्टे 58 मिनट्स 09 सेकण्ड्स

हिंदू धर्म में ग्रीष्म अयनकाल का महत्व

योग दिवस- ग्रीष्म अयनकाल को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो 21 जून को होता है। यह दिन योग और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम करता है। इस दिन योग अभ्यास करके लोग शारीरिक और मानसिक शांति प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

2) सूर्य पूजा- ग्रीष्म अयनकाल के दौरान सूर्य पूजा का विशेष महत्व है। इस समय सूर्य अपने उच्चतम बिंदु पर होता है और उसकी ऊर्जा सबसे प्रबल होती है। हिंदू धर्म में सूर्य देवता की पूजा करके शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

3) कृषि और फसल- इस समय को कृषि और फसल के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। किसानों के लिए यह समय फसल की बुआई और अच्छी फसल की कामना करने का होता है। ग्रीष्म अयनकाल के समय सूर्य की प्रबलता से फसलों को अधिक ऊर्जा मिलती है।

ग्रीष्म अयनकाल का वैज्ञानिक महत्व

ग्रीष्म अयनकाल पृथ्वी की धुरी के झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी अपनी धुरी पर 23.5 डिग्री के कोण पर झुकी हुई है। इस झुकाव के कारण, सूर्य वर्ष के दौरान पृथ्वी के कई हिस्सों पर अलग-अलग कोणों से प्रकाशित करता है। जून में, उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर झुका होता है, जिसके परिणामस्वरूप ग्रीष्म अयनकाल होता है। ग्रीष्म अयनकाल ऋतुओं को समझने के लिए भी महत्व-पूर्ण है।

जल्द से जल्द छोड़ दें ये 7 आदतें, नाराज हो जाती हैं मां लक्ष्मी

मनुष्य जीवन में धन का हमेशा से महत्व रहा है। ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए धन बेहद जरूरी होता है। सनातन धर्म में मां लक्ष्मी को धन की देवी माना गया है। मान्यता है कि मां लक्ष्मी की जिसपर कृपा हो जाती है, उसके जीवन में कभी भी धन का अभाव नहीं रहता है। भक्त मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए पूजा-पाठ व तमाम उपाय करते हैं। कई बार इसके बावजूद भी देवी प्रसन्न नहीं होतीं। ऐसा नहीं है कि उनकी पूजा-प्रार्थना में कुछ कमी रहती हो या फिर उनकी कुंडली में कोई दोष आदि हो। मनुष्य की कुछ खराब आदतों की वजह से भी मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। देवी को प्रसन्न करने के लिए इन 7 आदतों को जल्द से जल्द छोड़ दें।

1- ब्रह्म महूर्त और संध्या काल में भोग-विलास से

मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त और संध्या काल में भोग विलास करने से भाग्य रूठ जाता है। शास्त्रों के अनुसार, यह समय ईश्वर की आराधना का सबसे अच्छा समय होता है और इस समय पर भोग विलास से व्यक्ति को नर्क की प्राप्ति होती है। वहीं मां लक्ष्मी भी ऐसे व्यक्ति का घर छोड़कर चली जाती हैं।

2- सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सोने से

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, सूर्योदय के बाद उठना और सूर्यास्त के समय सोना मां लक्ष्मी को नाराज कर देता है। ऐसी प्रवृत्ति के लोगों का जीवन उलझनों से घिरा रहता है। इस तरह की आदत वाले लोग किसी न किसी बीमारी से ग्रसित होते हैं और उनके इलाज में अधिक धन व्यय होता है।

3- साधु-संतों और शास्त्रों का अनादर करने से

अगर कोई व्यक्ति साधु-संतों या फिर धर्म शास्त्रों का अनादर करता है, तो मां लक्ष्मी उससे रुष्ट हो जाती हैं। वहीं जो व्यक्ति शास्त्रों के अनुसार जीवन व्यतीत नहीं करता है, वह भी इसी श्रेणी में आता है।

4- सुबह और शाम घर में दीपक न जलाने से

एक समय था, जब हर गृहिणी सुबह और शाम घर के पूजा स्थान और आंगन में स्थापित तुलसी जी के समक्ष दीपक जरूर प्रज्वलित करती थी लेकिन आधुनिक दौर में महिलाएं यह परंपरा भूलती जा रही हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जिस घर में सुबह और शाम दीया नहीं जलता है, मां लक्ष्मी ऐसे घर का त्याग कर देती हैं।

5- घर को गंदा और घर में कूड़ा-कबाड़ रखने से

मान्यता है कि जिस घर में अक्सर गंदगी का अम्बार लगा रहता है, कूड़ा-कचरा फैला रहता है, सभी चीजें अव्यवस्थित रहती हैं, तो ऐसे घर में मां लक्ष्मी वास नहीं करती हैं। ऐसे घर में नकारात्मक शक्तियां वास करने लगती हैं और परिवार में हर समय अशांति का माहौल बना रहता है।

6- मैले कपड़े पहनने से

गंदे कपड़े पहनने वालों से मां लक्ष्मी सदैव दूर रहती हैं। ऐसे व्यक्ति सामाजिक जीवन में भी अपमानित होते हैं। मनुष्य को हमेशा ही साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिए। यह पर्सनैलिटी को निखारते हैं, साथ ही देवी की कृपा प्राप्त करने में भी सहयोग करते हैं।

7- क्रोध और अपशब्द से

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति ज्यादा क्रोध करता है और अपशब्दों का प्रयोग करता है, तो वह नर्क में जाता है। ऐसे व्यक्ति के घर में हमेशा क्लेश होना स्वाभाविक होता है, जिससे मां लक्ष्मी उसके घर से दूर हो जाती हैं।

जुलाई में सिर्फ 8 दिन बजेगी शादी की शहनाई

फिर 4 महीने का ब्रेक, दिसंबर तक 27 मुहूर्त

जुलाई महीने की शुरुआत होते ही एक बार फिर शहनाइयों की धुन सुनाई देने लगेगी, यानी शादी विवाह का सीजन शुरू हो जाएगा। हालांकि यह लंबे समय के लिए नहीं हैं, क्योंकि विवाह मुहूर्त तो 3 जुलाई से शुरू होंगे, पर ये केवल 8 दिन यानी 15 जुलाई तक ही रहेंगे। अभी गुरु और शुक्र ग्रह के अस्त रहने की वजह से विवाह मुहूर्त नहीं हैं। इनमें गुरु 2 जून तो शुक्र 29 जून को उदित होंगे। इसके बाद जब तीन जुलाई से मुहूर्त शुरू होंगे, तो वे केवल आठ दिन के इसलिए होंगे, क्योंकि 16 जुलाई को देवशयनी एकादशी रहेगी। इस दिन से चातुर्मास शुरू हो जाएगा।

चातुर्मास में विवाह नहीं किए जाते हैं। मुहूर्त फिर चार माह बाद 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी से शुरू होंगे। वैसे भी इस साल के अंतिम माह दिसंबर तक अब केवल 27 दिन ही विवाह की शहनाइयां बजेंगी।

जुलाई में केवल 8 मुहूर्त

मई और जून में एक भी विवाह मुहूर्त नहीं है। अनुमान है कि जुलाई में 8 दिन के मुहूर्त में शहर और आसपास एक हजार से अधिक जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधेंगे। वजह यह है कि मई, जून में मुहूर्त नहीं है। जुलाई के बाद सीधे नवंबर व दिसंबर में विवाह होंगे। माह मई व जून में विवाह मुहूर्त नहीं होने की वजह गुरु और शुक्र ग्रह का अस्त होना है। इन ग्रहों के उदित रहने पर ही किए जाते हैं।

17 जुलाई को देवशयनी एकादशी

ज्योतिषी शोभित शास्त्री ने बताया कि 23 अप्रैल से शुक्र तारा पूर्व दिशा में अस्त है और 6 मई से बृहस्पति अस्त हो चुके हैं। जुलाई में अंतिम विवाह मुहूर्त 15 तारीख को रहेगा। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू होगा, जो 12 नवंबर को देव उठनी एकादशी पर समाप्त होगा।

सारनाथ में होंगे महात्मा बुद्ध के अस्थि कलश के दर्शन

वैशाख पूर्णिमा को लेकर धर्म नगरी काशी में बड़े पैमाने पर तैयारियां चल रही है। गंगा तट पर एक ओर सुबह सवेरे जहां श्रद्धालुओं की भीड़ होगी तो वहीं दूसरी तरफ महात्मा बुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ में भी 23 मई को कई आयोजन किए जाएंगे। जिसकी तैयारियां जोरों पर है। बताते चलें कि इस दिन दुनियाभर के बौद्ध अनुयायियों को सारनाथ में बुद्ध के अस्थि कलश के दर्शन होंगे।

महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव भिक्षु सम्मितानंद थेरो ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन सुबह 6 बजे से 11 बजे तक महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध के अस्थि कलश के दर्शन आम भक्त कर सकेंगे। साल में सिर्फ एक दिन अस्थि कलश का दर्शन होगा। इसके अलावा इस दिन धम्म यात्रा भी निकलेगी जो सारनाथ के कई इलाकों से गुजरेगी।

जल पुलिस भी अलर्ट पर

इसके अलावा इस दिन काशी विश्वनाथ मंदिर में भी संगीत संध्या का आयोजन होगा। साथ ही साथ गंगा तट पर गंगा स्नान के भीड़ के मद्देनजर व्यवस्था की जा रही है।गंगा में बैरिकेडिंग भी की जा रही है ताकि भक्त गहरे पानी में प्रवेश कर स्नान न करें।इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर एनडीआरफ और जल पुलिस को भी तैनात किया गया है।

23 मई को है बुद्ध पूर्णिमा

हिन्दू पंचाग के अनुसार,पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 22 मई को शाम 5 बजकर 50 मिनट से होगी जो अगले दिन यानी 23 मई को शाम 6 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार बुद्ध पूर्णिमा 23 मई को मनाई जाएगी और उस दिन ही सुबह स्नान और दान का क्रम भी चलेगा।

दूर होती है आर्थिक समस्याएं

बुद्ध पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव की पूजा भी करनी चाहिए।इस दिन रात्रि में चंदोदय के समय उन्हें अर्घ्य देना चाहिए। इससे आर्थिक समस्याएं दूर होती है।

वैशाख पूर्णिमा पर घर ले आएं ये पांच चीजें, साथ में दौड़ी चली आएंगी मां लक्ष्मी, होगा धनलाभ!

इस साल वैशाख पूर्णिमा 23 मई को मानी जा रही है। इस दिन माँ लक्ष्मी की पूजा के लिए बहुत ही उत्तम दिन माना जाता है। वैशाख महीने की पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध का भी जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन का महत्व दो गुना हो जाता है। वैशाख पूर्णिमा पर सत्यनारायण की कथा करने वालों को मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इसी प्रकार धन की देवी की कृपा पाने के लिए पूर्णिमा पर पूजा पाठ के अलावा कुछ खास चीजों को खरीद कर घर लाएं। इस बार वैशाख पूर्णिमा में व्रत की पूर्णिमा 22 मई की मानी जा रही है। 23 मई को स्नान दान की पूर्णिमा मानी गई है।

इन 5 चीजों को घर लेकर आएं..

1) इस पूर्णिमा पर बुद्ध की मूर्ति घर लाना बेहद शुभ होता है। वास्तु और फेंगशुई के मुताबिक बुद्ध को समृद्धि और खुशहाली का सूतक माना जाता है। उनकी प्रतिमा घर में होने से नेगेटिव एनर्जी दूर होती है। इसके साथ ही घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है।

2) पूर्णिमा के दिन घर में कुबेर यंत्र का लाना बहुत शुभ माना जाता है। पूर्णिमा पर कुबेर यंत्र को घर पर लाकर इसकी विधिवत पूजन करें। फिर इसे अपनी तिजोरी या धन के स्थान पर रख दें। इसके प्रभाव से धन की परेशानियां दूर होती है और आये के रास्ते खुलते हैं।

3) पूर्णिमा के दिन नए वस्त्रों को खरीदना बहुत शुभ होता है। पूर्णिमा के दिन हरा नीला या काले कपड़े नहीं खरीदें। इस दिन आप गुलाबी या लाल रंग के कपड़े खरीदे। क्योंकि, इस रंग के कपड़े धन की देवी मां लक्ष्मी को प्रिय है। ऐसा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होगा।

4) पूर्णिमा के दिन आप एक एकाक्षी नारियल लाकर दुकान या जहां आप कार्य करते हैं। वहां पर धन के स्थान पर पूजन कर रखना चाहिए। माना जाता है कि इससे दरिद्रता दूर होती है और धन का आगमन होता है। जिन लोगों के दुकान या प्रतिष्ठान में समस्याएं आ रही हो और धन की आए नहीं बढ़ रही हो। उन्हें यह उपाय करना लाभकारी साबित होगा।

5) पूर्णिमा के दिन कर्ज से मुक्ति पाने के लिए आपको चांदी का सिक्का, हाथी या पीतल का कछुआ खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।उनकी कृपा आप पर बनी रहती है। इसके साथ ही ऐसा करने से आपको कर्ज से निजात मिलेगी।

सुष्मिता सेन को मिस यूनिवर्स बने हुए 30 साल

बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन को मिस यूनिवर्स बने हुये 30 साल हो गये हैं। सुष्मिता सेन ने 21 मई 1994 में मिस यूनिवर्स का ताज पहना था। मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने वाली सुष्मिता से भारत की पहली महिला है। सुष्मित सेन ने इस खास दिन को याद करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है।

मिस यूनिवर्स का खिताब जीतने के 30 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए सुष्मिता सेन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की और लंबा चौड़ा नोट लिखा। फोटो में सुष्मिता एक बच्ची को गोद में लिए नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा,ये छोटी लड़की, जिससे मैं एक अनाथालय में मिली थी, उसने मुझे एक 18 साल की लड़की को जिंदगी का सबसे मासूम, लेकिन गहरा सबक सिखाया, जिसे मैं आज तक जी रही हूं। ये फोटो 30 साल पहले ली गई थी, जब मिस यूनिवर्स का ताज पहली बार भारत आया था!!!

सुष्मिता से ने लिखा,यह कमाल का सफर रहा था और अभी भी जारी है... हमेशा मेरी सबसे बड़ी पहचान और ताकत बने रहने के लिए भारत को धन्यवाद!! कभी न खत्म होने वाले प्यार और अपनेपन के लिए फिलीपींस को धन्यवाद...तीन दशक बीत गए और अभी आने बाकी हैं!! दुनिया भर में मेरे सभी फैंस, दोस्तों, परिवार और शुभचिंतकों को... पता है कि, आप सभी ने मेरे जिंदगी में बदलाव लाया है और मुझे उन तरीकों से प्रेरित किया है जिनके बारे में आप कभी नहीं जान भी नहीं पाएंगे!! मैं प्यार महसूस करती हूं!!! शुक्रिया!!! शानदार सम्मान है ये!!!

गर्मी में शमा सिकंदर ने सोशल मीडिया का बढ़ाया पारा

बिकनी पहन पूल में ढाया कहर

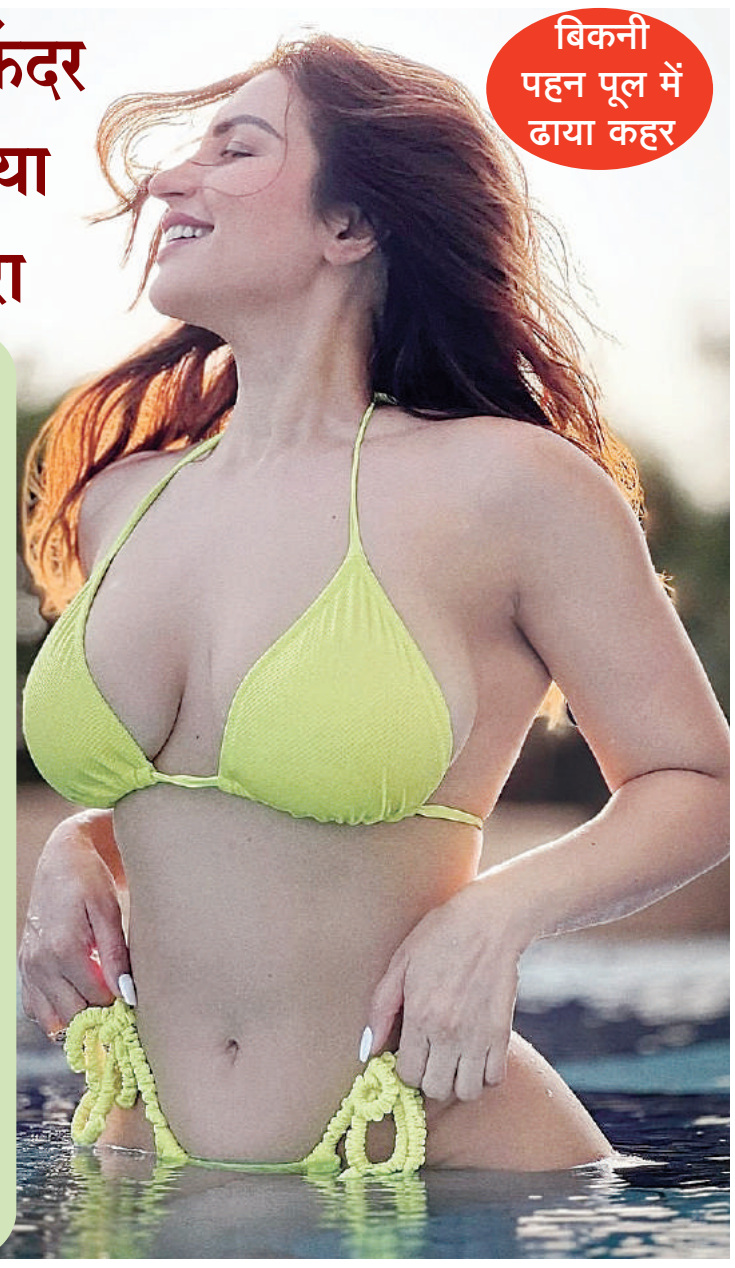

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपने बिकिनी लुक्स को लेकर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस शमा सिकंदर टीवी की बेहद ही ग्लैमरस एक्ट्रेसेस में से एक हैं।अपनी बोल्डनेस के चलते सुर्खियों में रहने वाली टीवी अभिनेत्री शमा सिकंदर इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं. वह अपनी ग्लैमरस तस्वीरों और वीडियो से लगातार फैंस का दिल जीत रही हैं. हाल ही में, उन्होंने स्विमिंग पूल में बिकनी पहनकर तस्वीर शेयर की है, इस तस्वीर ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है. हरे रंग की बिकनी पहने शमा सिकंदर पूल में धुप की किरणों का आनंद लेती नजर आ रही हैं. उनकी हॉट और बोल्ड अदाएं देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं. फैंस ने कमेंट बॉक्स में हार्ट और फायर एमोजिस की बरसात कर दी है. यह पहली बार नहीं है जब शमा सिकंदर ने सोशल मीडिया पर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हों. शमा सिकंदर अपनी इन फोटोज में सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए बेहद ही हॉट फोटोशूट करवा रहे हैं।अभी कुछ दिन पहले ही शमा सिकंदर ने ब्लैक बिकिनी में मचाया था और अब ऑरेंज बिकिनी में हॉट अवतार दिखाया है।बता दें कि एक्ट्रेस इंडियन और वेस्टर्न दोनों ही लुक में फैंस के बीच कहर ढा देती हैं।इससे पहले भी वह कई बार अपनी बोल्ड अदाओं से फैंस को दीवाना बना चुकी हैं।

मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि लोग मुझे सिफरा कहते हैं : कृति सेनन

कृति सेनन अपने हालिया अभिनय की सफलता के शिखर पर हैं, खासकर फिल्म ..तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाफ में, जहां उन्होंने दिलचस्प किरदार सिफरा, एक रोबोट की भूमिका निभाई है। दर्शकों के गर्मजोशी भरे स्वागत से वह बेहद खुश हैं। वह इस तरह की सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ आने वाली खुशी और उत्साह को दर्शाते हुए साझा करती है, मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि लोग मुझे सिफ्रा कहते हैं।राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता के सिफ्रा के चित्रण ने सभी उम्र के प्रशंसकों को प्रभावित किया है। एक अभिनेता और एक व्यक्ति के रूप में, मुझे कॉमेडी पसंद है। इन दोनों फिल्मों (मक्रूफ के साथ) में कॉमेडी के कुछ तत्व थे। मैं वास्तव में दर्शकों की प्रतिक्रियाओं को देखकर बहुत खुश थी, जब लोग मुझे देखते थे तो मुझे सिफरा कहते थे – जैसे आपने अपने भतीजे का उल्लेख किया – सिफरा से संबंधित बच्चे और आम तौर पर लोगों को यह किरदार पसंद आया,फक्रृति बताती हैं।प्रतिभाशाली अभिनेत्री अपने करियर में नए क्षितिज भी तलाश रही है। कॉमेडी शैली में कृति की भागीदारी मक्रूफ में उनकी भूमिका के साथ जारी है, एक फिल्म जिसमें तीन महिलाएं प्रमुख भूमिकाओं में हैं। क्रू के साथ भी, तीन महिलाओं को एक फिल्म का नेतृत्व करते देखना एक संतुष्टिदायक अनुभव था। वर्ष की शुरुआत निश्चित रूप से बहुत अच्छे तरीके से हुई, इसलिए इस समय, मैं केवल कृतज्ञता की भावना महसूस कर रहा हूँ। मुझमें एक शांति है, वह अपनी संतुष्टि और संतुष्टि का संकेत देते हुए कहती है।अभिनय से परे, कृति ने प्रोडक्शन में कदम रखकर फिल्म उद्योग में अपना दायरा बढ़ाया है।उनकी पहली परियोजना, मदो पत्तीफ में प्रसिद्ध काजोल हैं और यह उनके अपने बैनर, ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स के तहत निर्मित है। यह कदम कहानी कहने के प्रति उनके जुनून और उद्योग के भीतर नए रास्ते तलाशने की उनकी इच्छा को रेखांकित करता है।

सलमान खान को अपना बेस्ट फ्रेंड मानते हैं संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार संजय लीला भंसाली, सलमान खान को अपना बेस्ट फ्रेंड मानते हैं।

संजय लीला भंसाली ने बतौर निर्देशक अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म खामोशी :द म्यूजिकल से की थी। इस फिल्म में सलमान खान, नाना पाटेकर और मनीषा कोईराला ने मुख्य भूमिका निभायी थी। भंसाली ने इसके बाद सलमान खान के साथ सुपरहिट फिल्म हम दिल दे चुके सनम में काम किया।संजय लीला भंसाली, सलमान खान के साथ फिल्म इंशाअल्लाह बनाने वाले थे। इसमें आलिया भट्ट का भी मुख्य किरदार था। हालांकि 2019 में यह फिल्म शुरू होने से पहले बंद हो गई।

असमिया अभिनेत्री एमी बरुआ ने कान्स 2024 में असम की पारंपरिक मुगा सिल्क साड़ी पहनी

असमिया अभिनेत्री एमी बरुआ ने कान्स 2024 के रेड कार्पेट पर अपनी पोशाक के माध्यम से अपनी विरासत को गर्व से प्रदर्शित करके एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। पारंपरिक मुगा रेशम की साड़ी पहने हुए, बरुआ ने असमिया संस्कृति के सार को पकड़ लिया, और इसे एक अंतरराष्ट्रीय मंच पर ला दिया। इस परिधान चयन ने न केवल असमिया कपड़ों की सुंदरता और सुंदरता को उजागर किया, बल्कि ऐसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के महत्व को भी रेखांकित किया।

मुगा रेशम साड़ी, जो अपने प्राकृतिक सुनहरे रंग और स्थायित्व के लिए जानी जाती है, असम की समृद्ध कपड़ा विरासत का प्रतीक है। बरुआ के पहनावे में जटिल हाथ से बुने हुए डिज़ाइन और असमिया वस्त्रों के विशिष्ट जीवंत रंग शामिल थे।

पोशाक की यह पसंद केवल फैशन के बारे में नहीं थी बल्कि किसी की सांस्कृतिक जड़ों को अपनाने के महत्व की मार्मिक याद दिलाने के रूप में भी काम करती थी। दो सौ साल पुराने रूपांकनों से सजी इस साड़ी के साथ उनके हेयरबन में गमखारू रिस्टबैंड, असमिया गमोसा, रिहा और कोपो फुल (फॉक्सटेल ऑर्किड) जैसे पारंपरिक असमिया सामान भी शामिल थे। ये तत्व उसकी जड़ों से उसके गहरे जुड़ाव का प्रतीक हैं और दुनिया भर से प्रशंसा प्राप्त करते हैं।अपनी तस्वीरों के साथ अपने हार्दिक संदेश में, बरुआ ने तीसरी बार कान्स में अपनी असमिया विरासत का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व व्यक्त किया । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति सिर्फ फैशन का प्रदर्शन करने के बारे में नहीं थी, बल्कि वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक मान्यता और सराहना की वकालत करने के बारे में भी थी। असमिया संस्कृति के उनके अवतार ने दूसरों के लिए अपनी विरासत को गर्व से अपनाने और जीवन के सभी क्षेत्रों में सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरणा का काम किया।कान्स में बरुआ की उपस्थिति महज़ फैशन से परे थी; यह वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक मान्यता और सराहना की वकालत करने वाला एक शक्तिशाली बयान था। पारंपरिक असमिया पोशाक पहनकर, उन्होंने अपनी संस्कृति की सुंदरता और सुंदरता पर जोर दिया, साथ ही कान्स जैसे प्रतिष्ठित समारोहों में सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मुगा सिल्क साड़ी पहनने का उनका विकल्प विविधता का उत्सव था, जो दूसरों से उनकी सांस्कृतिक पहचान को अपनाने और उसका सम्मान करने का आग्रह करता था।

अनिल कपूर ने विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म ब्लैकआउट का टीज़र किया रिलीज़

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने विक्रांत मैसी की आने वाली फिल्म ब्लैकआउट का टीज़र रिलीज़ किया है।

कॉमेडी से भरपूर जियो स्टूडियोज और 11:11 प्रोडक्शंस फिल्म की फिल्म ब्लैकआउट का टीजर अनिल कपूर ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से रिलीज कर दिया है। विक्रांत मैसी, मौनी रॉय और सुनील ग्रोवर के अभिनय से सजी इस फिल्म के टीजर में अनिल कपूर ने अपनी आवाज़ दी है।

इन दिनों विक्रांत मैसी सफलता के शिखर पर है, उन्हें आखिरी बार फिल्म म12वीं फेलफ में देखा गया था, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों से काफ़ी सराहना मिली है। फिल्म मब्लैकआउटफ के घोषणा के बाद से ही लगातार सुर्खियों मैं हैं। इस फिल्म का निर्देशन देवांग शशिन भावसार ने किया है।कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इस फिल्म में सोशल मिडिया सेंसेशन करण सोनावणे और सौरभ घाडगे भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

जियो स्टुडियोज प्रस्तुत, 11:11 प्रोडक्शंस फिल्म, ज्योति देशपांडे और नीरज कोठारी निर्मित फिल्म ब्लैकआउट 07 जून 2024 से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

शिंदा शिंदा नो पापा.. में मेरा किरदार पति और बेटे के बीच उलझा हुआ : हिना खान

गिप्पी ग्रेवाल स्टारर फिल्म शिंदा शिंदा नो पापा से पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस हिना खान ने बताया कि फिल्म में उनका रोल ऐसा है जो अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझा हुआ है।फिल्म में हिना गिप्पी की पत्नी और शिंदा ग्रेवाल की मां का किरदार निभा रही हैं।हिना ने बताया कि फिल्म हर माता-पिता को एक मैसेज देती है कि वे बच्चों को प्यार और सम्मान के साथ कुछ भी सिखा सकत हैं।अपने रोल के बारे में विस्तार से बताते हुए हिना ने बताया, मैं फिल्म में शिंदा की मां निक्की का किरदार निभा रही हूं। निक्की हमेशा अपने पति और बेटे के बीच कई मुद्दों पर उलझी रहती है। उसका मानना है कि बच्चों को उनके माता-पिता प्यार और सम्मान के साथ जीवन की मूल सीख सिखा सकते हैं।एक्ट्रेस ने आगे बताया कि जहां फिल्म में कॉमेडी एलिमेंट मजबूत है, वहीं फिल्म माता-पिता और बच्चों के बीच के रिश्ते पर भी प्रकाश डालती है, जिसमें एक मोड़ है जो शिंदा (गिप्पी का बेटा) द्वारा लाया जाता है। उन्होंने कहा, यह फिल्म निश्चित रूप से हंसी का तड़का लगाने वाली है, लेकिन यह दर्शकों को एक बड़ा मैसेज भी देती है। मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं जो माता-पिता और बच्चों के परस्पर एक-दूसरे का सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है।हिना ने कहा, फिल्म लोगों को प्रेरित करने और उनके दिलों से जुड़ने का एक जरिया है। हमने फिल्म में बस यही किया है। हम आप लोगों को हंसाना चाहते थे, लेकिन साथ ही एक मैसेज भी देना चाहते थे जो इस समय सबसे महत्वपूर्ण है। यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि माता-पिता को अपने बच्चों के साथ एक अलग रिश्ता बनाना चाहिए और वे बना सकते हैं।

संपादकीय

विमर्श पर सवार होकर जनता का मन जीतने की कोशिश

पांचवे चरण के मतदान के साथ ही लोकसभा चुनाव अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। देश का जनादेश 4 जून को सबके सामने होगा। लेकिन प्रत्येक चरण के मतदान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपने स्तर पर व्याख्या करके और अनुमान लगाकर, अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव-2019 की भाँति ही कांग्रेस एवं कम्युनिस्टों के ईको-सिस्टम ने इस बार भी ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किसा है कि भाजपा चुनाव हार रही है। बदलाव के लिए जनता ने मन बना लिया है। हालांकि जनता के मन में क्या है, यह किसी को पता नहीं है। यह भी सच है कि कुछ हद तक वातावरण दिख रहा है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के समर्थन में दिख रहा है। यह और बात है कि दीवार पर लिखे इस सच को अनेक राजनीतिक विश्लेषक पढ़ नहीं पा रहे हैं। ये लोग चुनाव का विश्लेषण अलग ही दृष्टिकोण से कर रहे हैं। प्रारंभिक चरणों में मतदान प्रतिशत के कम रहने और शेयर बाजार में गिरावट इत्यादि घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का सूचक मानकर कांग्रेस एवं उसके समर्थक उत्साहित हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को लगने लगा है कि जिस तरह चुनावों में स्थानीय और सामाजिक समीकरण हावी हो रहे हैं उससे भाजपानीत गठबंधन राजग बहुमत के आंकड़े से दूर रह जाएगा और तब विपक्षी गठबंधन अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने का दावा कर सकता है। राजग और आईएनडीआईए से बाहर के दलों ने भी तमाम चुनावी संभावनाओं का आकलन करते हुए अपनी पैंतरेबाजी शुरु कर दी है। भाजपा के 400 पार नारे के समानांतर यह चर्चा भी स्थापित कर दी गई कि क्या भाजपा और राजग बहुमत का आंकड़ा 272 तक पहुंच पाएंगे या 240-250 तक आकर रुक जाएगी या 200 से कुछ ज्यादा आते-आते गाड़ी फंस जाएगी। यानी भाजपा के 370 और 400 पार के मुकाबले विपक्ष का विमर्श भी जोर पकड़ गया है। इस विमर्श ने विपक्ष के नेताओं को यह हौसला दे दिया कि राहुल गांधी ने भाजपा के लिए 150, अखिलेश यादव ने 143, अरविंद केजरीवाल ने 230, ममता बनर्जी ने 240 जैसे आंकड़े देने शुरु कर दिए। विपक्ष के नेता नये-नये आंकड़े और परिकल्पनाएं लेकर आगे आ रहे हैं। जिनके पीछे कोई ठोस आधार नहीं है, केवल उनके द्वारा अपने इको-सिस्टम के सहयोग से खड़ा किया गया विमर्श है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व को उम्मीद है कि उसे सरकार बनाने लायक बहुमत आसानी से मिल जाएगा। उसकी लड़ाई सिर्फ अपनी सीटें बढ़ाने की है। गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट तौर पर कह चुके हैं कि भाजपा को चार चरणों में ही बहुमत प्राप्त हो चुका है। अब तो भाजपा के कार्यकर्ता 400 पार के अपने लक्ष्य के लिए परिश्रम कर रहे हैं। किसके अनुमान सच साबित होंगे, यह तो 4 जून को ही सामने आ सकेगा। लेकिन मतदान प्रतिशत और शेयर बाजार में गिरावट जैसी घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का संकेत वही मान सकता है, जिसकी पकड़ जमीन पर ढीली हो गई हो। शेयर बाजार की गिरावट को आधार बनानेवाले इस तथ्य को किस तरह देखते हैं कि बाजार फिर से अपने रिकॉर्ड स्तर पर लौट आया है? वर्तमान समय में बड़ी संख्या में राजनेता एवं राजनीतिक विश्लेषकों के अनुमान गलत साबित होते हैं क्योंकि वे विशेष चश्मा चलाकर निर्वाचन के मैदान में उठ रहे संकेतों को देख रहे होते हैं। चुनाव परिणाम को समझने के लिए जनता की नब्ज पर हाथ रखना आवश्यक है। इस मामले में भाजपा ही सबसे आगे दिखायी देती है।

देश का जनादेश 4 जून को सबके सामने होगा। लेकिन प्रत्येक चरण के मतदान के साथ ही राजनीतिक दलों ने अपने स्तर पर व्याख्या करके और अनुमान लगाकर, अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। लोकसभा चुनाव-2019 की भाँति ही कांग्रेस एवं कम्युनिस्टों के ईको-सिस्टम ने इस बार भी ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किसा है कि भाजपा चुनाव हार रही है। बदलाव के लिए जनता ने मन बना लिया है। हालांकि जनता के मन में क्या है, यह किसी को पता नहीं है। यह भी सच है कि कुछ हद तक वातावरण दिख रहा है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के समर्थन में दिख रहा है। यह और बात है कि दीवार पर लिखे इस सच को अनेक राजनीतिक विश्लेषक पढ़ नहीं पा रहे हैं। ये लोग चुनाव का विश्लेषण अलग ही दृष्टिकोण से कर रहे हैं। प्रारंभिक चरणों में मतदान प्रतिशत के कम रहने और शेयर बाजार में गिरावट इत्यादि घटनाओं को सत्ता परिवर्तन का सूचक मानकर कांग्रेस एवं उसके समर्थक उत्साहित हैं। कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन को लगने लगा है कि जिस तरह चुनावों में स्थानीय और सामाजिक समीकरण हावी हो रहे हैं उससे भाजपानीत गठबंधन राजग बहुमत के आंकड़े से दूर रह जाएगा और तब विपक्षी गठबंधन अपने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाने का दावा कर सकता है।

दुनिया में मुस्लिम आबादी बढ़ने का असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है

भारत में जनसंख्या असंतुलन की समस्या

डा. अश्विनी महाजन

रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार 1950 से लेकर 2015 तक कुल जनसंख्या में बहुसंख्यक हिंदू आबादी की हिस्सेदारी में 7.82 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी में 43.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कई अन्य देशों में भी, जहां बहुसंख्यक आबादी गैर-मुस्लिम थी, उसकी हिस्सेदारी में कमी आई है और अल्पसंख्यक आबादी जो मुस्लिम है, की हिस्सेदारी बढ़ी है। यह प्रवृत्ति म्यांमार और नेपाल में भी देखी गई। पाकिस्तान और बांग्लादेश में जहां मुस्लिम खुद बहुसंख्यक हैं, उनकी हिस्सेदारी बढ़ी है। यानी सवाल अल्पसंख्यकों की आबादी बढने का नहीं, बल्कि दुनिया में मुस्लिम आबादी बढने का है, जिसका असर यूरोप समेत दुनिया के अधिकांश देशों में देखा जा रहा है। अगर बात सिर्फ भारत की करें तो जहां 1950 में हिंदुओं की आबादी का हिस्सा 84.68 प्रतिशत था, वो 2015 तक घटकर सिर्फ 78.06 प्रतिशत रह गया, जबकि इसी दौरान मुस्लिम आबादी का हिस्सा 1950 में 9.84 प्रतिशत से बढक़र 2015 में 14.09 प्रतिशत हो गया। गौरतलब है कि भारत की कुल जनसंख्या 1951 में 36.1 करोड़ से बढक़र 2015 में 132.29 करोड़ हो गई और इसी तरह हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई समेत सभी समुदायों की आबादी में भी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन खास बात यह है कि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर अन्य सभी जातीय समूहों से ज्यादा रही है। जबकि, हिंदू आबादी 1951 में 30.57 करोड़ से बढक़र 2001 में 82.75 करोड़ हुई (यानी 2.0 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर), मुस्लिम आबादी 3.55 करोड़ से बढक़र 13.8 करोड़ हो गई (2.75 प्रतिशत की भारी वार्षिक वृद्धि दर), सिखों की जनसंख्या 0.69 करोड़ से बढक़र 1.94 करोड़ हो गई और ईसाइयों की जनसंख्या 0.83 करोड़ से बढक़र 2.41 करोड़ हो गई, यानी 50 वर्षों में क्रमश: 2.09 प्रतिशत और 2.15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर। कुछ लोगों का तर्क है कि पिछले दो दशकों में मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हो गई है।

हालांकि, यह सच है कि 2001 से 2015 के बीच विभिन्न जातीय समूहों की जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है, लेकिन मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि अभी भी अन्य धार्मिक समूहों से बहुत आगे है। हम देखते हैं कि वर्ष 2001 और 2015 के बीच हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों की जनसंख्या वृद्धि दर क्रमश: 1.61, 2.17, 1.68 और 1.82 रही। इस रिपोर्ट से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में यह नैरेटिव फैलाया जा रहा है कि भारत में अल्पसंख्यकों, खास तौर पर मुसलमानों को दबाया और सताया जाता है, लेकिन आंकड़े इस नैरेटिव को पूरी तरह से नकारते हैं। भारत की जनसांख्यिकी में सामान्य परिवर्तन : गौरतलब है कि भारत में 1951 में कुल प्रजनन दर 5.9 थी, जो 1981 में घटकर 4.80 और 2011 में 2.56 हो गई। हाल ही में आए आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत में कुल प्रजनन दर 2.12 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि जनसांख्यिकी सिद्धांत के अनुसार जब किसी देश की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे गिरती है, तो उस देश की जनसंख्या कुछ समय बाद घटने लगती है। इसलिए प्रजनन दर का 2.12 तक पहुंचना जनसंख्या के लिए खतरे की घंटी है। पिछले कुछ समय से भारत में कुल प्रजनन दर में लगातार गिरावट के कारण अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि हम ऐसी स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां से कुछ समय बाद वास्तविक जनसंख्या में कमी आनी शुरू हो जाएगी। गौरतलब है कि चीन में ऐसी स्थिति पहले ही आ चुकी है। यूरोप के कई देश भी इसी स्थिति से गुजर रहे हैं। अफ्रीका के बाद भारत भी उन चंद देशों में शामिल है, जहां जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन अब भारत में भी जनसंख्या में कमी आने की आशंका जताई जा रही है। लेकिन ऐसे में पीएमईएसी की रिपोर्ट यह भी संकेत देती है कि भले ही आने वाले समय में कुल जनसंख्या में कमी आएगी, लेकिन उसमें भी हिंदुओं की जनसंख्या, जो पहले से ही आनुपातिक रूप से कम हो रही है, इसमें निरपेक्ष रूप में भी कमी होनी शुरू हो सकती है, जबकि मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि जारी रहेगी। हम कह सकते हैं कि हिंदू जनसंख्या के नुकसान की भरपाई मुस्लिम जनसंख्या में वृद्धि से होगी। शिक्षित वर्ग की जनसंख्या में गिरावट की संभावना : जनगणना और अन्य रिपोर्टों से पता चलता है कि निरक्षर और कम शिक्षित महिलाओं में कुल प्रजनन दर 2011 में 3.17 रही। लेकिन स्नातक या उससे ऊपर की महिलाओं में प्रजनन दर जो 1991 में 1.62 थी, 2011 में घटकर 1.40 रह गई और अभी भी इसमें और गिरावट की पूरी संभावना है। इसी तरह, स्नातक से कम शिक्षित अन्य महिलाओं में भी प्रजनन दर अपेक्षाकृत कम होती है।

यदि हम शिक्षा के मामले में विभिन्न धार्मिक समूहों की तुलना करें, तो यह स्पष्ट है कि मुस्लिम समुदाय अभी भी हिंदुओं की तुलना में कहीं अधिक पिछड़ा हुआ है और इसलिए संभावना है कि मुस्लिम आबादी में वृद्धि जारी रहेगी, जबकि हिंदू आबादी में गिरावट आ सकती है। उल्लेखनीय है कि 2001 की जनगणना के अनुसार हिंदुओं में साक्षरता दर 65.8 प्रतिशत थी, जबकि मुसलमानों में यह केवल 59.1 प्रतिशत थी। अगर हम उच्च शिक्षा की बात करें तो हम देखते हैं कि 2001 में 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग में मुस्लिम समुदाय में स्नातक और अधिक शिक्षित लोगों की संख्या केवल 6.7 प्रतिशत थी, जबकि हिंदुओं में यह 12.5 प्रतिशत थी। शिक्षा और कुल प्रजनन दर के बीच संबंधों को देखते हुए, हम सहज रूप से कह सकते हैं कि कम शिक्षित मुस्लिम महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, जबकि अधिक शिक्षित महिलाओं में प्रजनन दर कम होती है। यानी मुस्लिम आबादी में वृद्धि और हिंदू आबादी में कमी को हिंदुओं और मुसलमानों के बीच शिक्षा के स्तर में अंतर से भी समझाया जा सकता है। संतुलन कैसे लाया जाए : एक आम धारणा है कि मुसलमान अपनी परंपराओं, दर्शन और धार्मिक मान्यताओं के कारण बड़े परिवार रखते हैं। अतीत में गरीब हिंदू भी यह मानते थे कि बच्चे भगवान की देन हैं, लेकिन अधिकांश मुसलमान अपने आर्थिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण अभी भी उसी पर विश्वास करते हैं (यानी बच्चे अल्लाह की देन हैं)। हमने देखा है कि आर्थिक समृद्धि, शैक्षिक विकास और चिकित्सा विज्ञान में प्रगति और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ, जन्म दर, मृत्यु दर और जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर सभी में कमी आ रही है। विभिन्न धार्मिक समूहों में शैक्षिक और आर्थिक मानकों में अंतर भी विभिन्न जातीय समूहों में प्रजनन दर और जनसंख्या वृद्धि में अंतर को स्पष्ट करता है। जनसंख्या असंतुलन को ठीक करने की आवश्यकता है। जनसंख्या संतुलन के लिए निम्नलिखित कुछ सुझाव हो सकते हैं : सबसे पहले, हमारी आबादी, विशेष रूप से मुस्लिम आबादी को शैक्षिक रूप से उन्नत करने की तत्काल आवश्यकता है। इससे कुल प्रजनन दर और इसलिए जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने में मदद मिल सकती है। दूसरा, अभी भी एक संभावना हो सकती है कि जब तक हम उच्च शिक्षा मानकों तक नहीं पहुंच जाते, या उसके बाद भी धार्मिक मान्यताओं और मनोविज्ञान के कारण जनसंख्या में वृद्धि जारी रहे, इससे निपटने के लिए हम जनसांख्यिकीय लक्ष्यों को प्राप्त करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए राजकोषीय प्रोत्साहन और हतोत्साहन का उपयोग कर सकते हैं। तीसरा, पिछले कुछ समय से जनसंख्या नीति पर बहस चल रही है। जनसंख्या संतुलन प्राप्त करने और आर्थिक, शैक्षिक तथा सामाजिक मानकों के दृष्टिकोण से भविष्य की जनसंख्या को उन्नत करने के लिए जनसंख्या नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

दृष्टि कोण

चुनाव परिणामों की निराधार अटकलें

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे-जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चर्चाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके। कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत

वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रूवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़-चढ़ कर हो रही है, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे। निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा। अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ, लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ। लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं। बाज़ार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं।

कुछ अलग

'आलाकमान' की फटकार

कांग्रेस आलाकमान का चरित्र और रवैया 'सामंती सिंड्रोम' से कम नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने पश्चिम बंगाल के सबसे अनुभवी, दिग्गज और जनाधारी नेता अधीर रंजन चौधरी को फटकार कर खारिज कर दिया, क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ टिप्पणी कर दी थी। खडग़े ने ममता की तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के 'इंडिया' गठबंधन के साथ संबंधों की कुछ व्याख्या की और अधीर रंजन पर बोले-'वह फैसला लेने वाला कोई नहीं है। पार्टी आलाकमान तय करेगा।' बंगाल के कार्यकर्ता खडग़े की चेतावनी से नाराज हो गए और कांग्रेस अध्यक्ष की तस्वीरों पर स्याही पोत दी। बंगाल में सिर्फ अधीर रंजन की 'बहरामपुर' सीट ही बची है, जो कांग्रेस की विजयी सूची में दर्ज है। उसके अलावा, कांग्रेस-वाममोर्चा के साझा खाते में भी 'शून्य' ही दर्ज है। अधीर रंजन चौधरी निवर्तमान लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता रहे हैं। यह पद 'नेता प्रतिपक्ष' के लगभग समान ही था। खडग़े भी राज्यसभा में 'नेता प्रतिपक्ष' हैं। दोनों ही नेता कांग्रेस की शीर्षस्थ संस्था 'कांग्रेस कार्यसमिति' के सदस्य हैं। यह दीगर है कि खडग़े कांग्रेस के निर्वाचित अध्यक्ष हैं, लेकिन क्या आलाकमान के मायने ये होते हैं कि आप समकक्ष नेता को बेमानी और खारिज करार दें? कांग्रेस आलाकमान की यह संस्कृति ही देश ने इस कदर खारिज की है कि पार्टी को चुनाव-प्रचार में लगातार पाखंड खेलने पड़ रहे हैं कि यदि मोदी सरकार ही तीसरी बार सत्ता में आई, तो देश का संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र समाप्त किया जा सकता है और आम चुनाव अब कभी नहीं कराए जाएंगे। 'एक देश, एक नेता' का भी दुष्प्रचार किया जा रहा है। क्या दुनिया के सबसे बड़े, स्थापित लोकतांत्रिक देश भारत में ऐसी स्थितियां संभव हैं? जनता बखूबी जानती है कि ऐसे ढेरों भ्रम फैलाए जा रहे हैं। कमोबेश 4 जून को देश का जनादेश सार्वजनिक हो जाएगा। बहरहाल ममता बनर्जी ने बयान दिया था कि यदि केंद्र में गैर-भाजपा और 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है, तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में उसे बाहर से समर्थन देगी। इस पर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने ममता को 'अवसरवादी नेता' करार दिया। ममता 'इंडिया' गठबंधन के संस्थापकों में थीं, लेकिन पश्चिम बंगाल में 'इंडिया' के खिलाफ चुनाव में उतरीं। कांग्रेस-वाममोर्चा के साथ सीटों का बंटवारा नहीं हो सका, लिहाजा ममता ने अकेले ही चुनाव लडऩे की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस राज्य की सभी 42 लोकसभा सीटों पर अकेले ही चुनाव लड़ रही है। यकीनन भाजपा के खिलाफ 'इंडिया' को बड़ा नुकसान हुआ है। अधीर रंजन ने ममता बनर्जी को यहां तक 'अवसरवादी' माना है कि यदि बंगाल में भाजपा अच्छी-खासी सीटें जीत गई और केंद्र में भी भाजपा-एनडीए को बेहतर जनादेश मिल गया, तो ममता भाजपा के साथ भी जा सकती हैं। दोनों के बीच 'घनिष्ठ संबंधों' की तरह मिलीभगत है। ममता ने अभी जो बयान दिया था, उसके अगले दिन ही उन्होंने अपने शब्दों में संशोधन किया और कहा कि तृणमूल कांग्रेस भी 'इंडिया' का हिस्सा है। समग्रता में देखा जाए, तो 'इंडिया' के कथित घटकों के बीच, जमीनी स्तर पर, जो रूखापन, कटुता और हिंसा चुनाव के दौरान देखी गई है, उसने तमाम राजनीतिक गणनाओं को बिगाड़ दिया है। तृणमूल कांग्रेस अपने वर्चस्व के लिए राजनीति करती रही है, जबकि बंगाल में कांग्रेस और वाममोर्चा अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।ये तमाम स्थितियां 'इंडिया' गठबंधन पर सवाल करती हैं। खडग़े को भी इसका एहसास होगा।

देश दुनिया से

खालिस्तानियों का चुनाव लडऩा, स्वागत और सतर्कता दोनों जरूरी

अमृतपाल ने कई महीनों तक इस संगठन के मंच से सिख युवाओं के मनों में खालिस्तानी व अलगाववादी विष भरा परन्तु अजनाला में थाने पर हमले के आरोप में उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। केवल अमृतपाल ही नहीं अमृतसर में शिवसेना के नेता सुधीर सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह, दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी इस चुनाव में ताल ठोक चुके हैं। इसी वर्ग में शामिल अपने भडक़ाऊ भाषणों के चलते चर्चा में रहने वाले अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान खुद संगरूर की सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और वे वहां से वर्तमान सांसद भी हैं। उनके दल के अन्य उम्मीदवार खुशहाल सिंह मान, बलदेव सिंह, अमृतपाल सिंह चंद्रा, मनिन्द्रपाल सिंह क्रमश: आनन्दपुर साहिब, फरीदकोट, लुधियाना व पटियाला से चुनाव मैदान में हैं।

लोकसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बन्द खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल के खडूर साहिब से नामांकन पत्र दाखिल करने की देशभर में चर्चा है। अमृतपाल दिल्ली की सीमा पर चले किसान आंदोलन के एक नेता दीप सिद्धू के अलगाववादी संगठन 'वारिस पंजाब दे' का सर्वेसर्वा है और यह पद उसने सिद्धू की सडक़ दुर्घटना में हुई मौत के बाद प्राप्त किया। अमृतपाल ने कई महीनों तक इस संगठन के मंच से सिख युवाओं के मनों में खालिस्तानी व अलगाववादी विष भरा परन्तु अजनाला में थाने पर हमले के आरोप में उसे साथियों सहित गिरफ्तार कर डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। केवल अमृतपाल ही नहीं अमृतसर में शिवसेना के नेता सुधीर सूरी की हत्या करने वाला संदीप सिंह, दिवंगत प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हत्यारे बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा भी इस चुनाव में ताल ठोक चुके हैं। इसी वर्ग में शामिल अपने भडक़ाऊ भाषणों के चलते चर्चा में रहने वाले अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान खुद संगरूर की सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और वे वहां से वर्तमान सांसद भी हैं। उनके दल के अन्य उम्मीदवार खुशहाल सिंह मान, बलदेव सिंह, अमृतपाल सिंह चंद्रा, मनिन्द्रपाल सिंह क्रमश: आनन्दपुर साहिब, फरीदकोट, लुधियाना व पटियाला से चुनाव मैदान में हैं। पूर्व आईपीएस अधिकारी सिमरनजीत मान खालिस्तान के पक्ष में केवल अपने देश में ही नहीं बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में भारत के खिलाफ विषवमन करते रहे हैं। आखिर इतने सारे खालिस्तानी अलगाववादियों का चुनाव लडऩा किस बात का संकेत है? क्या यह खालिस्तानी आतंक की वैचारिक पराजय है या अलगाववादियों की नई कोई रणनीति। इसीलिए जहां इसका स्वागत किया जाना बनता है वहीं सावधान रहने की भी अत्यन्त आवश्यकता है। असल में खालिस्तान एक विकृत सोच है जिसका जन्म विदेशी पोषण और सिख पंथ की मनमाफिक व्याख्या के अवैध सम्बन्धों से हुआ। इस सोच से न केवल पंजाब में हजारों की संख्या में निर्दोषों को जान गंवानी पड़ी बल्कि देश-विदेश में सिखों की छवि को आघात भी पहुंचा। किसी समय विकास की दौड़ में देश में सबसे आगे दौड़ता दिख रहा पंजाब दो दशकों चले आतंकवाद के दौर में हांफने लगा। खालिस्तान पंजाब के सीने पर ऐसे जख्म का नाम बन चुका है जो रह-रह कर रिसना शुरू कर देता है। चाहे पंजाब के अलगाववादी चुनाव तो लड़ रहे हैं परन्तु अभी तक ये तत्व भारतीय संविधान व यहां के दस्तावेजों को नकारते रहे हैं। अमृतपाल तो यहां तक कहता रहा है कि उसके लिए भारतीय पासपोर्ट तो केवल हवाई यात्रा का दस्तावेज मात्र है। देश की एकता-अखण्डता व सम्प्रभुता को चुनौती देने वाले खालिस्तानी अगर भारतीय संविधान की मर्यादा के अन्तर्गत चुनाव लड़ते हैं तो इस परिवर्तन का स्वागत होना चाहिए। भारतीय संविधान की परिधि में रह कर अलगाववादी तत्व संसद में कुछ भी मांग उठाते हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए। स्वागत इसलिए क्योंकि

यह भारतीय सार्वभौमिकता और लोकतंत्र की जीत और खालिस्तानी अलगाववाद की सैद्धान्तिक पराजय होगी। ऐसा नहीं कि देश में किसी अलगाववादी संगठन या व्यक्ति ने पहली बार चुनाव लड़ा हो या इस तरह के संगठनों से सरकारों ने समझौते न किए हों। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही असम में सक्रिय आतंकी संगठन यूनाइटेड लिब्रेशन फ्रण्ट आफ असम (उल्फा), नागालैण्ड में सक्रिय रहे अलगाववादी संगठन नार्थ ईस्ट सोस्लिट आफ नागालैण्ड (एनएससीएन), पिपुल्स डेमोक्रेटिक साउंसिल आफ कार्बी, कार्बी, लॉंगरी नोर्थ ईस्ट हिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कार्बी पिपुल्स लिब्रेशन फ्रण्ट, कुकी लिब्रेशन फ्रण्ट, यूनाइटिड पुपिल्स लिब्रेशन फ्रण्ट सहित अनेक आतंकी व अलगाववादी संगठन विभिन्न समझौतों के तहत देश की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। पूर्वोत्तर ही क्यों खुद पंजाब व जम्मू-कश्मीर में बहुत से पूर्व आतंकियों का भी प्रत्यक्ष व गुप्त रूप से पुनर्वास किया जा चुका है। अगर अलगाव व आतंक का मार्ग छोड़ कर कोई भटका हुआ नागरिक देश की मुख्यधारा में शामिल होना चाहे तो उसका स्वागत होना चाहिए। इस मार्ग पर चलने वालों को यह भान भी होना चाहिए कि आतंकवाद का मार्ग किसी समस्या का समाधान नहीं, यह देश विभिन्न विचारधाराओं, विविध आस्थाओं का पुष्पगुच्छ है, हां पर किसी को हिंसा व देश को तोडऩे का अधिकार नहीं दिया जा सकता। देश को तोडऩे की बात करने वालों को पहले भारत से टूट कर अलग हुए पाकिस्तान, बंगलादेश, अफगानिस्तान, म्यांमार की हालत देखनी चाहिए कि वहां के लोग किस तरह नारकीय जीवन व्यतीत करने को विवश हैं। इस मामले में सतर्क रहने की भी आवश्यकता है, क्योंकि कहीं चुनावों के माध्यम से अलगाववादी व आतंकी शक्तियां एकजुट होने का प्रयास करती हैं तो इसे सफल नहीं होने देना चाहिए। सांसद सिमरनजीत मान इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं, वो संसद में संविधान की शपथ भी लेते हैं और देश को तोडऩे का भी सपना देखते हैं। हाल ही में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि वे खालिस्तानी तत्वों को विदेश में शरण दिलवाने का काम करते हैं। वे अब तक पचास हजार खालिस्तानी तत्वों को विदेश में राजनीतिक शरण दिलवा चुके हैं और हर केस के पैंतीस हजार रूपये की फीस लेते हैं। सांसद बनने के बाद अगर खालिस्तानी अपने पद का दुरुपयोग करते हैं और विदेशों में भारत को बदनाम करते हैं तो इसको भी रोका जाना चाहिए। ज्ञात रहे कि जब कोई भारतीय सांसद अपने लैटरहैड पर किसी खालिस्तानी तत्व को पीड़ित बताता है और भारत से उसकी जान का खतरा बताता है तो इससे इस की पुष्टि हो जाती है कि भारत में यह लोग सुरक्षित नहीं। पंजाब में लोग येन, केन प्रकारेण विदेश जाने को ललायित रहते हैं और वे इस तरह के झूठे लैटरहैडों से भी परहेज नहीं करते। ऐसा करते हुए शार्टकट से विदेश जाने के चाहवान भूल जाते हैं कि उनके इस कदम से देश की कितनी बदनामी होती है। देशविरोधी शक्तियों के कुप्रचार को कितना प्रोत्साहन मिलता है? इसलिए पंजाब के अलगाववादियों के चुनाव लडऩे के मामले को पूरी सतर्कता से लेने की जरूरत है।

आप का नजरिया

चुनाव की भाषा

चुनाव की भाषा में अमर्यादित होती परिपाटी और सियासी उच्चारण में तार-तार होता हिमाचली चरित्र। मंडी की गलियों से शुरू हुआ उम्मीदवारों का भाषायी उन्माद अंत आते-आते पूरे प्रदेश में सिरफिरा हो गया। भाषा और भाषण में अंततः राजनीतिक कंगाली का आलम यह है कि कोई विपक्ष की खिल्ली उड़ा रहा है, तो कहीं सत्ता को कोसने की शब्दावली में जहर भरा है। जो भी हो, भाषा ने हमारी चारित्रिक पहचान डुबो दी है। बावजूद इसके पहली बार हर उम्मीदवार जनता से अपने संवाद की नजदीकी के लिए, स्थानीय बोली में विमर्श पैदा करने की कोशिश में जुटा है। शुरुआती दौर में कंगना ने मंडी की बेटी बनने के लिए स्थानीय बोली में शब्द, स्थानीय पहरावे में रंग और खानपान में विविधता चुनी, तो विक्रमादित्य सिंह ने संभ्रांत उच्चारण से नीचे उतर कर स्थानीय संवाद की कशिश पैदा की। इसे आश्चर्य की दृष्टि से देखें या कांगड़ा-चंबा में कांग्रेसी उम्मीदवार आनंद शर्मा के पहाड़ी प्रयास की तारीफ करें कि इस कद्दावर नेता ने स्थानीय शब्दों को चुनाव में बिलोल दिया। पहली बार हिमाचल अपनी स्थानीयता और पहाड़ीपन की पोशाक पहने चल रहा है, तो हर उम्मीदवार से भाषायी उम्मीदें बढ़ गई हैं। चाहे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हों या कोई और, भाषायी सेतु पर चुनाव ने जुबान खोली है। ऐसे में चुनाव की महफिल में हिमाचल के भाषायी सरोकार सामने आ रहे हैं। भले ही अभी बोलियों में हस्ताक्षर हो रहे हैं, लेकिन धीरे-धीरे पक रहा संवाद एक दिन हिमाचल के परिचय में संपूर्ण भाषा का महत्त्व जानेगा। ऐसे में हिमाचली भाषा के तमाम स्रोतों से लांघते लोकसभा चुनाव से यह अपेक्षा की जा सकती है कि आइंदा नेताओं की सर्वमान्यता में प्रदेश को एक प्रतिष्ठित व स्वीकार्य भाषा की जरूरत है। भले ही आज की तारीख में बघाटी, सिरमौरी, कहलूरी, कांगड़ी, चंबयाली, मंडयाली, कुल्लवी व कुछ अन्य बोलियां अपनी-अपनी सतह पर संवाद पैदा कर रही हैं, लेकिन एक दिन बोलियों से आगे निकल कर हिमाचल का स्वाभिमान अपने लिए और अपनी पहचान के लिए राज्य स्तरीय भाषा के खाके को मजबूत करेगा। कम से कम लोकसभा का वर्तमान चुनाव यह शर्त सामने रख रहा है। यह दीगर है कि बोलियों के बीच बोल बिगड़ रहे हैं। सांस्कृतिक तौर पर भी हिमाचल को अपनी चुनावी ताकत का इजहार करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि पहाड़ की अस्मिता के लिए केंद्र की सत्ता से हमारे अधिकारों की अपेक्षा क्या है। जल, जंगल और जमीन के अलावा पहाड़ की जवानी के प्रति केंद्र के सरोकार लोकसभा चुनाव में परिलक्षित होने चाहिएं। विस्थापन के कई अधूरे पन्ने और पंजाब पुनर्गठन से जुड़े हिमाचली अधिकार पुनः चुनाव में उतरे नेताओं की भाषा में आत्मसम्मान खोज रहे हैं। हिमाचल की भाषा में पंजाब पुनर्गठन से जुड़े अधिकारों का अनुवाद आज तक नहीं हुआ। हम दिल्ली से गुजारिश करते-करते लखनवी अंदाज से बाहर नहीं निकलते, जबकि सरहद पर हमारे नौजवानों की भाषा में पहाड़ी बलिदान का पूरा-पूरा शब्दकोष न जाने कब से देश स्वीकार कर चुका है। जिंदगी के हर मोड़ पर तथा राष्ट्रीय भावना के हर संयोग पर हिमाचल ने हमेशा वही अर्थ समझा जो देश की सार्वभौमिकता व अस्तित्व के लिए लाजिमी है, लेकिन प्रदेश की अपनी जरूरतों की खातिर ऐसी भाषा अस्तित्व में नहीं आई जो प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर सके।

बैंकिंग सेक्टर को 3 लाख करोड़ का मुनाफा

देश के आईटी क्षेत्र को भी पीछे छोड़ दिया

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2023-24 में देश के बैंकिंग क्षेत्र ने 3 लाख करोड़ से अधिक का मुनाफा कमाया है। इस दौरान निजी और सरकारी, दोनों ही बैंकों का मुनाफा बढ़ा है। वित्त वर्ष 2023 में देश के बैंकिंग क्षेत्र के मुनाफे 39 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकिंग क्षेत्र की इस उपलब्धि को सराहा है।देश के सरकारी क्षेत्र के बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में 1.4 लाख करोड़ का मुनाफा कमाया है। यह वित्त वर्ष 2022-23 से 34 प्रतिशत अधिक है। इन बैंकों ने 2022-23 के दौरान 1.04 लाख करोड़ का मुनाफ़ा कमाया था। ऐसा दूसरी बार हो रहा है, जब सभी सरकारी बैंक का मुनाफा 1 लाख करोड़ के पार गया हो।सरकारी बैंकों के अलावा निजी क्षेत्र के बैंकों को भी खूब मुनाफा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में देश के निजी बैंकों को 1.7 लाख करोड़ का मुनाफा हुआ। इनके मुनाफे में सरकारी बैंकों से अधिक वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इनका मुनाफा 1.2 लाख करोड़ था। मुनाफे की इन खबरों के बीच सबसे बड़ी उपलब्धि सरकारी बैकों के हिस्से में ही है। सरकारी बैंकों ने भारी घाटे से 1 लाख करोड़ से अधिक के मुनाफे का सफ़र तय किया है। पिछले समय से तुलना की जाए तो सरकारी बैंक लगातार घाटे में जा रहे थे और उन्हें अपना कामकाज चलाने के लिए हर साल केंद्र सकरार मदद करती थी।अब यह मामला पूरी तरह बदल चुका है। सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2017-18 में 85,000 करोड़ से अधिक का घाटा झेला था। इसके बाद शुरू हुई प्रक्रिया के कारण बैकों को अब मुनाफा होने लगा है। मोदी सरकार में बैंकों के बुरे कर्जों को निपटाने, नए कर्जे सोच समझ कर देने और बैंकों के एकीकरण के कारण यह मुनाफा हुआ है।दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के बैंक भी आगे बढ़ रहे हैं। देश में बढती आर्थिक गतिविधि और लगातार बढ़ते उद्योग धन्धों के कारण निजी क्षेत्र के बैंकों का कारोबार बढ़ रहा है। ऐसे में उनके कर्ज पोर्टफोलियो भी बढ़ रहे हैं, बिना सरकारी दबाव के कारण वह अब कर्जदारों की जांच करके लोन दे रहे हैं। इससे उनका भी लाभ बढ़ा है।पीएम मोदी ने भी बैंकिंग क्षेत्र की इस उपलब्धि की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया फोरम पर लिखा, पिछले 10 वर्षों में हुए उल्लेखनीय बदलाव से भारत के बैंकिंग क्षेत्र का मुनाफा पहली बार 3 लाख करोड़ को पार कर गया है। जब हम सत्ता में आए थे, तो हमारे बैंक यूपीए की फोन-बैंकिंग नीति के कारण घाटे और एनपीए से जूझ रहे थे। गरीबों के लिए बैंकों के दरवाजे बंद कर दिये गये थे। बैंकों की सेहत में यह सुधार हमारे गरीबों, किसानों और एमएसएमई को कर्ज मिलने में आसानी होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

चौथी तिमाही में 6.2 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ सकती है जीडीपी

एनएफआरए ने दो ऑडिटर्स पर लगाया 2.5 करोड़ का जुर्माना

नईदिल्ली। देश की जीडीपी 2023-24 में 6.9 से 7 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ सकती है। चौथी तिमाही यानी जनवरी-मार्च अवधि में इसकी रफ्तार 6.2 फीसदी रहने का अनुमान है इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के प्रमुख अर्थशास्त्री सुनील कुमार सिन्हा ने कहा, पहली दो तिमाहियों में वृद्धि दर को कम आधार का फायदा मिला। हालांकि, तीसरी (अक्तूबर-दिसंबर) तिमाही में 8.4 फीसदी की वृद्धि दर आश्चर्यजनक थी। सरकार चौथी तिमाही और 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि दर के शुरुआती अनुमान 31 मई को जारी कर सकती है। तीसरी तिमाही में मिला था उच्च कर संग्रह का फायदा सिन्हा ने कहा, जब हम आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं तो पता चलता है कि जीडीपी और जीवीए के बीच अंतर है। तीसरी तिमाही में जीडीपी को बड़ा प्रोत्साहन उच्च कर संग्रह से मिला है, लेकिन चौथी तिमाही में ऐसा होने की संभावना नहीं है। पारा चढ़ने के साथ बिजली की अधिकतम मांग 235 गीगावाट देश में पारा चढ़ने के साथ बिजली की अधिकतम मांग मई में 235 गीगावाट के आसपास बनी हुई है। गर्मी बढ़ने और लू चलने के साथ बड़े पैमाने पर एयर कंडीशनर व कूलर के उपयोग से बिजली की मांग बढ़ी है। बिजली मंत्रालय के मुताबिक, बिजली की अधिकतम मांग 6 मई को दिन में बिजली की मांग 233 गीगावाट पहुंच गई। एक साल पहले यह 221.42 गीगावाट थी। 18 मई को अधिकतम मांग 229.57 गीगावाट तक पहुंच गई। मंत्रालय ने इस माह की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मई में दिन में बिजली की मांग 235 गीगावाट और शाम के समय 225 गीगावाट तक पहुंच जाएगी। जून में दिन में इसके 240 गीगावाट और शाम के समय 235 गीगावाट रहने की संभावना है। एनएफआरए ने दो ऑडिटरों पर लगाया 2.5 करोड़ रुपये जुर्माना राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने 2018-19 में रिलायंस कमर्शियल ने पेशेवर कदाचार और ऑडिटिंग से जुड़ी खामियों के लिए दो ऑडिटर्स पर 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

देश में जिंक की मांग दोगुनी होने की उम्मीद

नई दिल्ली। स्टील सहित बुनियादी ढांचा क्षेत्र में भारी निवेश की वजह से अगले पांच से 10 साल में देश में जिंक की मांग दोगुनी हो सकती है। इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में प्राथमिक और परिष्कृत जिंक मार्केट वर्तमान में 800 से 1,000 टन सालाना के करीब है और हम भारत में जो विकास देख रहे हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि इसमें वृद्धि का एक शानदार अवसर है। हम अतिरिक्त स्टील कैपेसिटी में भारी निवेश देख रहे हैं और इस्पात को अभी भी गैल्वेनाइज्ड कोटिंग्स द्वारा संरक्षित करने की आवश्यकता है। हम देखते हैं कि नई गैल्वनाइजिंग लाइन के लिए बहुत सारी योजनाएं और निवेश चल रहे हैं। इसलिए मुझे भारत में जस्ता की मांग बढ़ने की उम्मीद है। भारत में जिंक की मौजूदा मांग 800 से 1,000 टन प्रति वर्ष है। अधिकारी ने कहा कि भारत में जिंक यूजर्स बहुत कम हैं। देश में इसकी प्रति व्यक्ति खपत लगभग आधा किलोग्राम है और यह वैश्विक औसत से काफी कम है।

भारत में नई मिडसाइज एसयूवी लाएगी जीप

नई दिल्ली। भारत में जीप कंपनी नई मिडसाइज एसयूवी लाने की तैयारी कर रही है। संभवतः ये गाड़ी 2025 में लॉन्च हो सकती है। इसे सीट्रोन के सहयोग के साथ लाया जा सकता है और सीट्रोन सी3 एयरक्रॉस के

समान स्टेलेंटिस सीएमपी प्लेटफॉर्म पर उतारा जाएगा। नई जीप एसयूवी में सीट्रोन गाड़ी के समान 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन मिल सकता है, जो 109बीएचपी की पावर और 205 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। अपकमिंग एसयूवी की कीमत 15 लाख से 18 लाख रुपये एक्स-शोरूम के बीच रखी जा सकती है, जो कंपनी की भारत में सबसे किफायती एसयूवी हो सकती है।नई एसयूवी भारत में हुंडई क्रेटा, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस, हौंडा एलिवेट, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन को टक्कर देगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महिलाओं के ...

मैंने इसलिए कहा था कि मां गंगा ने पहले मुझे काशी बुलाया था। अब मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। इतनी सारी मातृशक्ति की मौजूदगी मुझे अभिभूत कर रही है। मैं पार्टी के प्रचार में कितना भी व्यस्त होता हूं, लेकिन बनारस को लेकर हमेशा निश्चिंत रहता हूं। मुझे कोई चिंता ही नहीं रहती, क्योंकि सब कुछ आप लोग भी संभालते हैं। इस गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान जरूर रखिए। मेरा सुझाव है कि कितना भी काम कीजिए, लेकिन पानी साथ रखिए और खूब पीजिए। बिना खाए घर से कतई न निकलिए।पीएम ने कहा कि सपा व कांग्रेस सरकारों ने महिलाओं की केवल उपेक्षा व असुरक्षा की। इंडी गठबंधन की मानसिकता ही महिला विरोधी है। यह लोग महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। जहां इनकी सरकार आती है, महिलाओं का जीना दूभर हो जाता है। बनारस के लोग यूपी, बिहार में रहे जंगलराज से परिचित हैं। बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। सुरक्षा के डर से पढ़ाई छोड़कर बेटियों को घर बैठना पड़ता था और सपा वाले बेशर्मी से कहते थे कि लड़के हैं, इनसे गलती हो जाती है। सपा के लड़के जरा आज गलती करके दिखाएं। योगी जी की सरकार वो हाल करेगी, जो उन्होंने सोचा भी नहीं होगा।पीएम ने कहा कि पहली बार केंद्र में ऐसी सरकार आई है, जिसने महिलाओं के सम्मान की चिंता की है। उन्हें इज्जत घर दिए। लोग मजाक उड़ाते थे कि मोदी टॉयलेट बनवा रहा है। हमने 11 करोड़ टॉयलेट बनाए हैं। मेरी बहन-बेटियों को इसकी बहुत जरूरत थी। मोदी ने गरीब महिलाओं के लिए बिना एक रुपये खर्च किए खाते खुलवाए, ताकि उन्हें मिलने वाला पैसा सुरक्षित रह सके। चार करोड़ से अधिक घर बनाए, लेकिन उसकी रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर कराई, ताकि करोड़ों माताएं घर की मालकिन बनी हैं। यह सिर्फ योजना ही नहीं थी, इससे नारी शक्ति को नया आत्मविश्वास मिला। यही मेरा मिशन और सोच थी।पीएम ने कटाक्ष किया कि कांग्रेस की सरकारों की पहचान एक गाने से बहुत होती है, महंगाई डायन खाय जात है। कांग्रेस आई, महंगाई लाई। कांग्रेस सरकार रही होती तो आपकी रसोई का बजट दो-तीन गुना बढ़ चुका है, लेकिन यह भाजपा और गरीब का बेटा मोदी है। मोदी लगातार प्रयास करता है कि आपके खर्चे कम हों और बचत ज्यादा हो। मोदी ने मुफ्त राशन की योजना चलाई है, जिससे गरीब के घर का चूल्हा जलता रहे। इससे साल में हर परिवार के करीब 12 हजार रुपये बच रहे हैं। उज्ज्वला सिलेंडर में भी प्रति सिलेंडर 300 रुपए से अधिक की बचत हो रही है। बनारस के 40 हजार घरों में पाइप से रसोई गैस की सप्लाई होती है। बहुत जल्द 80 हजार घरों को पाइप से गैस मिलेगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि सांसद जब समर्पित रहता है तो बड़ा काम कर सकता है। सांसद के नाते एक काम लगातार करता रहा। काशी में दस साल में तीन लाख से अधिक लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ है। एक आंख के ऑपरेशन में कम से कम दस हजार खर्च होता है यानी दो आंख का 20 हजार रुपए लगता है। मोदी ने तीन लाख परिवार के दस-दस हजार रुपये बचाए हैं। जनऔषधि केंद्रों पर 80 फीसदी छूट से सस्ती दवा मिलती है। इससे भी बनारस के लोगों का करोड़ों रुपये खर्च होने से बचा है। काशी में 90 हजार से अधिक गर्भवती को पीएम मातृवंदना योजना का लाभ मिला है। मोदी सरकार पोषण के लिए हर गर्भवती को छह हजार रुपए सीधे बैंक अकाउंट में देती है।पीएम मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से बनारस के सवा लाख से अधिक लोगों ने मुफ्त इलाज कराया है। माताएं दर्द सहती हैं, लेकिन किसी को बताती नहीं हैं। वे सोचती हैं कि अस्पताल जाएंगी तो खर्च होगा और बच्चों के सिर पर कर्ज चढ़ जाएगा, इसलिए मैंने यह तय किया कि किसी मां को यह पीड़ा नहीं सहनी पड़ेगी। अस्पताल का खर्च आपका बेटा मोदी उठाएगा। बनारस में जिन लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया है, उससे अस्पताल में खर्च होने वाला करीब दो सौ करोड़ रुपए बच गया है। अब 70 साल के ऊपर के हर बुजुर्ग के पांच लाख तक के मुफ्त इलाज की चिंता मोदी करेगा। आप सिर्फ आयुष्मान कार्ड बनवाइए, बाकी मोदी पर छोड़ दीजिए।मोदी ने कहा कि कुछ महीने पहले पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली घर शुरू की गई है। बनारस में दो हजार से अधिक घरों में सोलर प्लांट लग चुका है। इससे बिजली बिल में महीने के दो से ढाई हजार यानी साल का 25-30 हजार रुपए बच रहा है। चार जून के बाद जब नई सरकार बनेगी तो इसका विस्तार होगा। हर परिवार को 75 हजार रुपए सोलर पैनल के लिए दिया जाएगा, जिससे बिजली का बिल शून्य हो जाएगा। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन के नेता कहते हैं कि हिंदुओं की शक्ति का विनाश करके रहूंगा, लेकिन चार जून के बाद मोदी सरकार आपकी शक्ति को महाशक्ति बनाकर रहेगा। मैं आपके लिए लगातार काम कर रहा हूं। आपकी आशीर्वाद से नई ऊर्जा मिलती है। न थकता हूं, न रुकता हूं यही सपना लेकर चलता हूं कि 140 करोड़ देशवासियों की मुसीबतें जितनी कम कर सकूं, करता रहूं। भाजपा ने घोषणा पत्र में तीन करोड़ नए घर बनाने की बात कही है। झोपड़ी में रहने वालों को मेरी तरफ से कह देना कि चार जून के बाद पक्का मकान मिल जाएगा। यह मोदी की गारंटी है।पीएम ने कहा कि सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं को हम ड्रोन पायलट बना रहे हैं। ड्रोन पायलट बहनें कृषि क्रांति का नेतृत्व करने वाली हैं। मुद्रा योजना का सर्वाधिक लाभ महिलाओं ने उठाया है। पहले इस योजना में दस लाख का लोन मिलता था। यह 20 लाख रुपए मिलेगा। मोदी ने मुफ्त राशन योजना को पांच साल बढ़ा दिया गया है। पीएम ने अपील की कि अगले दस दिन काशी के घर-घर जाना है। यहां हर तरफ हुए विकास कार्य अभूतपूर्व हैं। हर घर तक विकास की बात पहुंचानी है। ढाई साल में 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालु काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन करने आए हैं। इससे हर प्रकार का कारोबार बढ़ा है। बनारस में होटल, होम स्टे, दुकानों का रेट बढ़ रहा है। इससे सर्वाधिक फयादा बनारस वालों को हो रहा है। अब फूल, खिलौने, साड़ी बेचने वाला, नाव, ऑटो रिक्शा वाला भी कमा रहा है। काशी में आधुनिक बनास डेरी खुल चुकी है। वह भी गांव व दूध उत्पादकों के लिए वरदान साबित हुई। इससे बनारस के ही 14 हजार से अधिक पशुपालक जुड़े हैं। इससे पशुपालकों की आमदनी सवा लाख रुपये वार्षिक से अधिक बढ़ी है।पीएम ने कहा कि बनारस में नारी शक्ति के लिए बहुत काम हुआ है। हमें हर बूथ पर कमल खिलाना है और अधिक से अधिक मतदान कर पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ना है। पीएम ने कहा कि एक-एक बहन 25-30 बहनों को लेकर निकलें, थाली-ढोल बजाते, गाना गाते-गाते पोलिंग स्टेशन जाएं। दस बजे के पहले एक पोलिंग बूथ पर 20-25 जुलूस निकाल देंगे तो उस पोलिंग बूथ पर सर्वाधिक वोटिंग होगा। पीएम ने महिलाओं से पूछा कि काशी की मातृशक्ति एह बार रिकॉर्ड वोटिंग कराई न। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री व चंदौली से भाजपा प्रत्याशी, महेंद्रनाथ पांडेय, मछलीशहर के सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज, राज्यसभा सांसद व उत्तर प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष गीता शाक्य, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, मीना चौबे आदि की मौजूदगी रही।

मोदी सरकार ने आधी ...

हृदय से स्वागत करती है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वाराणसी में आयोजित नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में कही। इस दौरान मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर उपस्थित सभी मातृशक्ति और कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों, अलग-अलग सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों से जुड़ी मातृशक्ति को स्वागत और अभिनंदन किया। इससे पहले उन्होंने भारत के संस्कृत जागरण के पुरोधा, दुनिया के लोकप्रिय राजनेता और भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मातृशक्ति की ओर से भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में बेटियां और बहनें असुरक्षित थीं, उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा था। उन्हे कहीं तीन तलाक के नाम पर प्रताड़ित किया जाता था तो कहीं उन्हें उचित प्रतिनिधित्व देने में संकोच किया जाता था, लेकिन पिछले 10 वर्ष में आपने बदलते भारत को देखा है। जिसमें आधी आबादी को सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का काम किया गया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति के वंदन कार्यक्रम को प्रभावी और प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने का काम किया है। यही वजह है कि 2024 के लोकसभा के चुनाव में पूरे देश की आधी आबादी का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की एक महाशक्ति के रूप अपनी पहचान दिखा रहा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं और देश में आतंकवाद-नक्सलवाद की समस्या का खात्मा हुआ है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में बिना भेदभाव के विकास की बड़ी-बड़ी परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इसके साथ ही विकसित भारत की आधारशिला को मजबूती प्रदान करने के लिए काम हो रहा है। यही वजह है कि पूरे देश में एक स्वर में फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी ने 2014 से पहले और बाद के काशी को देखा है, जिसमें काशी का पूरा कायाकल्प हुआ है। आज दिव्य, भव्य और नव्य काशी गौरव की अनुभूति कराती है।

डूब रही है इंडी...

कि भारत के भविष्य की त्रिवेणी किधर से बहेगी। पीएम ने राम मंदिर के मुद्दे पर भी विपक्ष को घेरा।पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत तेजी से बदल रहा है। विश्व पटल पर भारती की पहचान अब एक्सप्रेस वे से होती है. इंफ्रास्ट्रक्चर से होती है। भारत की डिजिटल टैक्नोलॉजी लेने के लिए विदेशी भी लालायित हैं। भारत आज भारत दुनिया में अपनी आवाज बुलंद कर रहा है। यहां की टी-ट्वेंटी से दुनिया हैरान है। पीएम ने कहा कि प्रयागराज का मिजाज हर जगह से अलग है। यहां के लोग न किसी से दबकर रहते हैं न किसी से डरकर रहते हैं। जो जिंदादिली मैंने प्रयागराज के लोगों में देखी है वह कम ही देखने को मिलती है। यही मिजाज आज के भारत का मिजाज है। भारत आज तेजी से बढ़ रहा है। हर देशवासी खुश है। सपा-कांग्रेस और इंडी गठबंधन वालों को यह बात हजम नहीं हो रही है। कांग्रेस के शहजादे भारत को गाली देने के लिए विदेश जाते हैं। इंडी गठबंधन का एजेंडा है कि वह सत्ता में आए तो कश्मीर से आर्टिकल 370 और सीएए खत्म कर देंगे।पीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस को कुंभ से ज्यादा वोट बैंक की चिंता रहती है। इंडी गठबंधन वालों से विकास नहीं हो सकता। सपा-कांग्रेस के समय कुंभ में भगदड़ मच जाती थी। इनका सुशासन और हमारी आस्था से छत्तीस का रिश्ता है। सपा और कांग्रेस ने तुष्टीकरण का कंपटीशन होता था। इन लोगों ने राम मंदिर का बहिष्कार किया। यह लोग सत्ता में आए तो अगले साल होने वाले कुंभ को क्या अच्छे से होने देंगे? पीएम ने कहा कि आज हर गांव और जनपद को एक बराबर और भरपूर बिजली मिल रही है। पहले किसानों को सिंचाई के लिए रातभर जागना पड़ता था। दुकान के बाहर जनरेटर का शोर होता था। भाजपा शासनकाल में यह समस्या ही खत्म हो गई। प्रयागराज, रायबरेली, लखनऊ फोरलेन हाईवे, गंगा एक्सप्रेस, हल्दिया से प्रयागराज तक वाटर वे, अमृत स्टेशन, वंदे भारत ट्रेन, हर क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज, अंडरपास, गंगा आईकोनिक केबिल, बमरौली का कायाकल्प सब भाजपा सरकार की देन है। पहले इसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती थी।

उत्तराखंड का...

अनीस पर भी मुस्लिमों को अवैध रूप से अपने क्षेत्र में बसाने और उनके उत्तराखंड संबंधी दस्तावेज बनाए जाने का आरोप लगता रहा है।बहरहाल, पछुवा देहरादून में एमडीडीए की कार्रवाई अभी रत्ती भर है, यदि यहां जिला प्रशासन एमडीडीए वन विभाग के साथ मिलकर संयुक्त आपरेशन चलाए तो कई चेहरे बेनकाब हो जाएंगे और इन्हें राजनीतिक संरक्षण देने वाले भी सामने आने लगेंगे। हिमाचल और यूपी सीमा के बीच बसा हुआ पश्चिम देहरादून जिले का क्षेत्र जिसे पछुवा दून भी कहते हैं। यहां डेमोग्राफी चेंज की समस्या उत्तराखंड सरकार के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। यूपी से आई मुस्लिम जनसंख्या ने यहां की सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से बसावट करती जा रही है, ग्राम सभा की जमीनों पर मुस्लिम आबादी को बसाने में स्थानीय मुस्लिम ग्राम प्रधानों, प्रधान पतियों की भूमिका सामने आई है। बाहर से आई मुस्लिम आबादी ने पछुवा दून की नदी, नहरों के किनारे, वन विभाग की जमीनों पर अवैध रूप से कच्चे पक्के मकान खड़े कर लिए हैं। अब इनके आधार कार्ड, वोटर लिस्ट में नाम दर्ज किए जा रहे हैं और इनमें ग्राम प्रधानों और जिला पंचायत सदस्यों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।पछुवा देहरादून के गांव के गांव जो कभी हिंदू बहुल हुआ करते थे वो अब मुस्लिम बहुल हो गए हैं। आबादी की घुसपैठ का ये खेल हरीश रावत कांग्रेस सरकार के समय शुरू हुआ जो अब तक बराबर चल रहा है। इन ग्रामों में मुस्लिम प्रधानों की हुकूमत चल रही है जो कभी भी मूल रूप से उत्तराखंड के निवासी थे ही नहीं। यूपी,बिहार, असम, बंगाल, यहां तक की बांग्लादेशी, म्यांमार की रोहिंग्या मुस्लिम आबादी यहां पछुवा दून में आकर कैसे बसती चली गई? ये बड़ा सवाल है।देहरादून जिले में प्रेम नगर से हिमांचल पोंटा साहिब तक तक जाने वाली शिमला बाई पास, चकराता रोड के आसपास के इलाकों में देवभूमि उत्तराखंड का सामाजिक,आर्थिक धार्मिक स्वरूप बिगड़ चुका है। मुख्य मार्गों पर फड़ खोको के कब्जे हैं और उनके पीछे अवैध रूप से आबादी बस चुकी हैं। सरकारी जमीनों पर सौ से ज्यादा मस्जिदों मदरसों की ऊंची मीनारें दिखाई देती है। आखिर ऐसा कैसे हुआ कि पिछले कुछ सालों में ये इलाका एक दम बदल गया और यहां हिंदू अल्पसंख्यक होते चले गया और मुस्लिम आबादी ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया।जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड यूपी की सीमा वाला ये क्षेत्र हिमाचल से लगता है, हिमाचल ने सख्त भू कानून की वजह से कोई भी बाहरी व्यक्ति वहां जमीन नहीं खरीद सकता और न ही कब्जे कर सकता है। मुस्लिम आबादी वहां बाग बगीचे में कारोबार करने जाती है और अस्थाई रूप से रहती है और वापिस चली जाती है। किंतु उत्तराखंड में ऐसा नहीं है जिसका फायदा उठाते हुए बाहरी राज्यों के मुस्लिमों ने इस क्षेत्र में अपनी अवैध बसावट कर ली और जहां मौका मिला वहां जमीनों पर कब्जे कर लिए। पहले कुछ मुस्लिम यहां हिंदू बहुल गांवों में आकर बसे धीरे धीरे वो अपने साथ अपने रिश्तेदारों को लाकर बसाने लगे फिर वो धन बल और वोट बैंक के बलबूते ग्राम प्रधान बनते चले गए और उन्होंने ग्राम सभा की सरकारी जमीनों पर अपने और मुस्लिम रिश्तेदारों को लाकर बसाना शुरू कर दिया ताकि उनका वोटबैंक और मजबूत होता जाए। यहीं मस्जिदें बनी और मदरसे खुलते चले गए यानि सरकारी जमीनों को कब्जाने का षड्यंत्र रचा गया जो आज भी जारी है।अवैध कब्जे करने का खेल सरकार की सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग की जमीनों पर भी धन बल और वोट बैंक की राजनीति के दम खम पर आज भी चल रहा है और इसमें सत्ता पक्ष विपक्ष के नेताओं का संरक्षण भी मिलता रहा है। राजनीति संरक्षण के पीछे बड़ी वजह यहां की नदियों में चल रहा वैध अवैध खनन है जहां हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय ने अपना वर्चस्व स्थापित कर लिया है जो कि यहां के राजनीति से जुड़े नेताओं को धन बल की आपूर्ति करते हैं। उत्तराखंड सरकार या शासन ग्राम सभाओं की जमीनों की जिस दिन गंभीरता से जांच करवा लेगी तो उसे मालूम चल जाएगा कि उसकी ग्राम सभाओं की जमीन आखिर कहां चली गई? कहां बिक-बिका का ठिकाने लगा दी गई?ढकरानी में शक्ति नहर किनारे अवैध कब्जे हुए, धामी सरकार ने तीन चरणों में ये अतिक्रमण भी ध्वस्त किए और इसमें कई धार्मिक स्थल भी हटाएं। उत्तराखंड जल विद्युत निगम ने अपनी जमीन तारबाड़ से सुरक्षित नहीं की, अब यहां उत्तराखंड सरकार को सोलर प्रोजेक्ट लगाने है तो देहरादून जिला प्रशासन का बुल्डोजर गरजने लगा, यहां एक हजार से ज्यादा मकान ध्वस्त किए। लेकिन, यहां रहने वाली आबादी उत्तराखंड छोड़कर नहीं गई वो आसपास ही मुस्लिम नेताओं के संरक्षण में फिर से अवैध कब्जे कर रही है और इस बार वो पीडब्ल्यूडी,वन विभाग की जमीनों पर बस रही है। इसी तरह सहसपुर,जीवन गढ़, तिमली,हसनपुर कल्याणपुर, केदाखाला, सरबा, सभावाला आदि ग्रामों की हालत है जहां ग्राम सभाओं की सरकारी जमीन पर मुस्लिम आबादी यहां के प्रधानों ने लाकर बसा दी है।ऐसी चर्चा भी है कि ढकरानी और सहसपुर के ग्राम प्रधानों ने कथित रूप से अपने फर्जी दस्तावेजों के जरिए ही अपना कार्यकाल काट लिया और इनके मामले अदालती कारवाई में लटके हुए है। इन्हें राजनीतिक संरक्षण सत्ता और विपक्ष दोनों का मिला क्योंकि ये उनके स्वार्थ की पूर्ति करते रहे हैं। जानकार बताते हैं कि सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से यहां हो रहा है और इसके पीछे राजनीतिक हस्तियां ही नहीं धार्मिक शक्तियां भी काम कर रही हैं। दिल्ली देवबंद की इस्लामिक संस्थाएं यहां पूरी तरह से मस्जिदों मदरसों में सक्रिय है और जमात के जरिए यहां मुस्लिम समुदाय को संचालित किया जा रहा है। मुस्लिम सेवा संगठन और अन्य संगठनों के माध्यम से राजनीति धार्मिक ताकत को तेजी से बढ़ाया जा रहा है। ग्राम सभाओं पर इनका नियंत्रण हो चुका है आगे जिला पंचायत,फिर विधान सभा सीटों में इनका असर दिखाई देगा। यहां बने मदरसों और धार्मिक स्थलों ने नदी नालों की जमीनों तक अवैध रूप से कब्जे किए हुए हैं। यहां अवैध रूप से निर्माण कार्य चल रहे हैं, जिस पर प्रशासन खामोश है।ऐसे ही नहीं यहां यहां मुस्लिम राजनीतिक पार्टी या मुस्लिम यूनिवर्सिटी की आवाज़ पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान सुनाई दी थी। इसके पीछे बहुत बड़ी साजिश दिखलाई देती है। पछुवा देहरादून में नदियों किनारे अवैध रूप से बसाए गए लोगों को हटाने के आदेश कई बार मुख्यमंत्री कार्यालय से दिए गए, किंतु इसका असर क्षेत्र के डीएफओ, वन निगम के अधिकारियों में नहीं दिखाई दिया, कभी फोर्स न होने देने का बहाना तो कभी वीआईपी ड्यूटी के बहाने देकर ये अभियान ठंडे बस्ते में डाल दिए जाते हैं। विभागीय लापरवाही का आलम यह है कि अभी तक सरकारी विभागों ने इन अवैध कब्जेदारों को नोटिस तक जारी करने की जहमत नहीं उठाई। वन विभाग, एमडीडीए, शहरी विकास की एक दिन की कार्रवाई की नहीं कई माह तक लगातार कारवाई करने पर ही कोई परिणाम सामने आ सकते हैं। सरकार ने वन क्षेत्र से तो अवैध मजारें हटवा दी किंतु शहरी क्षेत्र में सैकड़ों अवैध मजारें अभी भी हैं। ये धार्मिक चिन्ह सरकारी जमीन पर कब्जा करने की नियत से ही बनाए जाते हैं। देहरादून जिले में ही सौ से अधिक मजारें हैं, तीर्थ नगरी हरिद्वार का जिला भी मजारों के अवैध कब्जे से त्रस्त है।

विभव...

उत्तरी जिले की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंजीथा चिपियाला जांच दल का नेतृत्व करेंगी। इसके अलावा तीन इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी भी एसआईटी टीम का हिस्सा हैं। सिविल लाइन थाने के वे अधिकारी भी जांच दल में शामिल रहेंगे, जिन्होंने मामला दर्ज किया था।मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने सीएम आवास पर मौजूद कई कर्मचारियों और अन्य लोगों के बयान दर्ज किए हैं। अभी 15 से 20 और लोगों का बयान दर्ज किया जाना बाकी है। इनमें पीसीआर स्टाफ से लेकर सिविल लाइंस थाना प्रभारी भी शामिल हैं। मामले की जांच कर रहे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत के दौरान दूसरे दिन भी विभव ने पुलिस की पूछताछ में सहयोग नहीं किया। वह लगातार स्वाति मालीवाल से मारपीट करने की बात से इन्कार कर रहा है। मामला दर्ज होने के बाद वह भागा क्यों और उसने अपना मोबाइल क्यों फॉर्मेट किया, इसका उसके पास कोई जवाब नहीं है। पुलिस ने घटना वाले दिन सीएम आवास पर तैनात कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और अधिकारियों की लिस्ट तैयार कर ली है। अब पुलिस उनसे एक-एक कर घटनाक्रम के बारे में पूछताछ कर रही है।

आम आदमी पार्टी में ...

सीएए के विरोध में इन्होंने शाहीन बाग में धरना कराया था। ये इनका मानवता के विरुद्ध आचरण था। ये समाज में अराजकता फैलाते हैं, राष्ट्र विरोधी आचरण को समर्थन देते हैं। और इनके संबंध पंजाब में भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त लोगों से हैं। इन्होंने दिल्ली को दंगों की आग में झोंकने का काम किया था।योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन यूपी के बुलडोजर से घबराता है। इनको मालूम है कि दंगाइयों का उपचार यूपी के पास है। यूपी का बुलडोजर जब माफिया और दंगाइयों की छाती पर चढ़कर रौंदता है, तो यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में 7 साल में कोई दंगा नहीं हुआ है। ये लोग कहते थे राम जन्मभूमि का फैसला आएगा तो दंगा हो जाएगा, खून की नदियां बह जाएंगी। अरे दंगा तो दूर सड़क पर नमाज भी नहीं पढ़ी जाती, मस्जिदों से लाउडस्पीकर भी उतर गये हैं।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम आदमी पार्टी का दोहरा चरित्र है। कांग्रेस के विरोध में इन्होंने अन्ना के साथ आंदोलन किया था, उस समय इन्होंने क्या क्या वायदे किए थे। आज आम आदमी पार्टी के हर नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं। टॉप टू बॉटम सभी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। योगी ने जनता से अपील की कि देश की राजधानी के शुद्धिकरण के लिए अभियान चलाना होगा। इन लोगों को ताकतवर नहीं बनने देना है। योगी ने कहा कि ये रक्तबीज जैसे हैं जो पूरे देश की एकता और अखंडता के खिलाफ खतरा पैदा करेंगे। इन्हें बेनकाब करना है।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपका एक वोट सही जगह जाने पर हमारा देश आधुनिक भारत बनेगा, मगर एक गलत वोट दे दिया तो अभी तो केजरीवाल और उनकी टीम ही झाड़ू लगा रहे हैं, कल को आपको भी झाड़ू लगाने को मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए ऐसा काम नहीं करना है जो सबके लिए समस्या खड़ी कर दे। पूरे देश की आवाज के साथ जुड़ना है। जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे, इसके बाद मथुरा भी जाएंगे।योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच चरण सम्पन्न हो चुके हैं, छठे चरण में दिल्ली के मतदाताओं को देश की नई सरकार बनाने के लिए अपने मताधिकार का उपयोग करना है। ये पहला चुनाव है जिसके बारे में आम जनता पहले से आश्वस्त है। देश में आम जनता के बीच एक ही नारा और एक ही संकल्प गूंज रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जब 400 पार की बात आती है तो आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नापाक गठबंधन को चक्कर आने लगता है। ये दोनों मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ पा रहे हैं। उन्हें भय होता है कि 400 पार के नारे के पीछे क्या हकीकत है, तब जनता एक ही जवाब देती है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। इस अवसर पर संगठन महामंत्री दिल्ली प्रदेश पवन राणा, पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा, जिलाध्यक्ष मयूर विहार विजेन्द्र, लोकसभा प्रभारी अनिल गुप्ता, संयोजक महेन्द्र आहुजा, भाजपा के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

फंडिंग देने वाले...

इसके कुछ हिस्से बाहर आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि आपा को यह फंडिंग देने वाले अलग-अलग लोगों ने एक ही पासपोर्ट नम्बर, एक ही मोबाइल नम्बर और एक ही क्रेडिट कार्ड की जानकारियां देते हुए यह धनराशि दी। यह सारी फंडिंग कनाडा, न्यूजीलैंड, अमेरिका और मध्य पूर्व के देशों से आई है। इस अवैध फंडिंग के एक उदाहरण को भी रिपोर्ट में बताया गया है। विदेशों में रहने वाले 155 लोगों ने 55 पासपोर्ट का इस्तेमाल करके 1.04 करोड़ की धनराशि आपा को दी। ऐसा 404 मौकों पर किया गया। इस रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि आपा नेता दुर्गेश पाठक ने कनाडा में 2016 में आपा के लिए इकट्ठा किए गए फंड का व्यक्तिगत इस्तेमाल किया। ईडी ने इस पूरी गड़बड़ी के सबूत में आपा पदाधिकारियों के बीच ईमेल में हुई बातचीत का भी ब्यौरा दिया है। यह बातचीत कुमार विश्वास, कपिल भारद्वाज, दुर्गेश पाठक और अनिकेत सक्सेना के बीच हुई। ये सब लोग तब आपा में महत्वपूर्ण पदों पर थे। इसके अलावा भी ईडी ने आपा की फंडिंग को लेकर कई खुलासे किए हैं। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने मार्च 2024 में कहा था कि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के लिए खालिस्तानियों से मोटी रकम ली है। पन्नू ने बताया था, 2014-2022 के बीच खालिस्तानियों ने आपा की सरकार बनाने के लिए 16 मिलियन डॉलर (133 करोड़ रुपए) की मदद दी थी।

तीनों सेना साथ...

कारक पर ध्यान देना चाहिए।सशस्त्र बलों के एकीकरण के तहत हर थिएटर कमांड में थल सेना, वायुसेना और नौसेना की यूनिट्स होंगी और तीनों यूनिट्स साथ मिलकर एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में काम करेंगी। अभी सेना के तीनों कमान अलग-अलग काम करते हैं। इससे तीनों सेनाओं की क्षमाओं का भी पूरी तरह से इस्तेमाल हो सकेगा। सीडीएस ने बताया कि थिएटर कमांड बनने से ऑपरेशन कमांडर सिर्फ सुरक्षा चुनौतियों पर ध्यान दे सकेंगे और प्रशासनिक कामों से उन्हें अलग कर दिया जाएगा। सीडीएस ने कहा कि आज दुनियाभर के देश चुनौतियों से जूझ रहे हैं, ऐसे हालात में भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी में सुधार और अपनी सुरक्षा चुनौतियों की समीक्षा की जरूरत है। तकनीक के बढ़ते दखल ने भविष्य की लड़ाईयों को बदल दिया है।

केजरीवाल कल्चर...

उन्हें मारा-पीटा, गंदी गालियां दीं और उनके कैमरे तोड़ डाला। केजरीवाल-कल्चर का पालन करने की अगुवाई पार्टी के चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर विकास कुमार कर रहे थे। पुलिस में यह मामला दर्ज कराया गया है।

इस्लामिक और ...

दुर्दांत आतंकियों को 72 हूरों के पास पहुंचाकर उनको अपने दड़बों में घुस जाने को मजबूर कर दिया है। पिछले चार-पांच वर्षों में ही सुरक्षा बलों द्वारा सैकड़ों कुख्यात आतंकियों को ढेर किया जा चुका है। दूसरी ओर इन आतंकियों के सरपरस्त पाकिस्तान को भी पूरी दुनिया के सामने बेनकाब करने और उसकी आर्थिक रीढ़ तोड़ने के प्रयास भी लंबे समय से जारी है, जिनमें सफलता मिल भी रही है।जम्मू-कश्मीर में युवाओं के आतंकी संगठनों में भर्ती का मुद्दा भी सुरक्षा बलों के लिए हमेशा गंभीर चिंता का विषय बना रहा है, लेकिन यहां भी राहत की बड़ी बात यही है कि युवाओं को आतंकवाद के खिलाफ जागरूक करने के चलते आतंकी संगठनों में स्थानीय स्तर पर भर्तियां काफी कम हो गई हैं। जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन के मुताबिक वर्ष 2017 में आतंकी संगठनों में 126 स्थानीय लोग भर्ती हुए थे जबकि 2018 में 218, 2019 में 126, 2020 में 167, 2021 में 128 और 2022 में 130 स्थानीय लोग भर्ती हुए लेकिन 2023 में केवल 22 स्थानीय लोगों ने ही आतंकवादी संगठनों का दामन थामा। इससे स्पष्ट है कि आतंकवाद में स्थानीय भर्ती में 80 प्रतिशत की बहुत बड़ी गिरावट आई है। विभिन्न रिपोर्ट के मुताबिक जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद से घाटी में सुरक्षा बलों के एनकाउंटर में सर्वाधिक आतंकी मारे गए हैं।लोकसभा में एक प्रश्न के उत्तर में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बताया था कि जम्मू और कश्मीर में 2019 के बाद आतंकी हमलों और गतिविधियों में काफी कमी आई है। 2018 में जम्मू-कश्मीर में 417 आतंकी हमले हुए थे, जो 2021 तक घटकर 229 रह गए थे। 2019 में जम्मू-कश्मीर में 154 आतंकी मारे गए थे और 80 जवान बलिदान हुए थे। 2020 में जम्मू कश्मीर में 244 आतंकी हमले हुए और 221 आतंकी मारे गए जबकि 62 जवान बलिदान हुए थे और 37 आम नागरिक भी मारे गए थे। 2022 में 242 आतंकी घटनाएं हुई, जिनमें 172 आतंकी मारे गए, 31 जवान बलिदान हुए और 30 आम नागरिक मारे गए।अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकियों की संख्या निरंतर कम हो रही है। सीआरपीएफ के मुताबिक घाटी में फिलहाल केवल 91 आतंकी ही सक्रिय हैं। इनमें केवल 31 स्थानीय हैं जबकि 60 विदेशी हैं। 2022 में घाटी में सक्रिय आतंकियों की संख्या 135 थी, जिनमें 50 स्थानीय और 85 विदेशी आतंकवादी थे। 2023 में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों द्वारा कुल 76 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें 55 विदेशी आतंकवादी थे। 2022 में कुल 187 आतंकवादियों सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में ढ़ेर हुए थे, जिनमें 130 आतंकी स्थानीय और 57 विदेशी थे।जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख आरआर स्वैन के मुताबिक क्षेत्र में आतंकवाद में कमी आई है लेकिन अभी इसका पूरी तरह सफाया नहीं हुआ है। हालांकि उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि घाटी में सक्रिय आतंकवादियों की संख्या में तेजी से गिरावट दर्ज हो रही है। उनके मुताबिक केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अब केवल 31 स्थानीय आतंकवादी ही बचे हैं, जो अब तक की सबसे कम संख्या है। 2023 में कुल 48 आतंकवादरोधी अभियानों में 55 विदेशी आतंकवादियों सहित 76 आतंकियों को मार गिराया गया, उनके 291 सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया और जन सुरक्षा अधिनियम के तहत आतंकियों से जुड़े 201 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। 2023 में आतंकवादियों द्वारा 31 लोगों की हत्या किए जाने के मुकाबले 2023 में यह आंकड़ा भी घटकर 14 का रहा जबकि आतंक से संबंधित घटनाएं 2022 में 125 से घटकर 2023 में 46 ही रह गईं यानी आतंकी घटनाओं में भी 63 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।सुरक्षा बलों की मुस्तैदी के कारण जहां एलओसी के पास एनकाउंटर में कई आतंकियों का सफाया किया जाता रहा है, वहीं घुसपैठ की दर्जनभर कोशिशें भी नाकाम की गईं। सैन्य अधिकारियों के मुताबिक दुश्मन की ओर से संघर्ष विराम के उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिश या किसी अन्य दुस्साहसिक प्रयास का अब बहुत कड़ाई से जवाब दिया जा रहा है। सैन्य अधिकारियों का कहना है कि आतंकवादरोधी सख्त अभियान तब तक पूरी ताकत से चलेगा, जब तक घाटी में सक्रिय तमाम आतंकी आत्मसमर्पण नहीं कर देते या मारे नहीं जाते। बहरहाल, आतंकी संगठनों की ओर युवाओं के रूझान में आती कमी आतंक की कमर टूटने की दिशा में बेहद सुखद संकेत है। अधिकारियों के मुताबिक शांति के फायदे लोगों तक पहुंचने से वे अब शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।दूसरी तरफ, माओवादी आतंकवाद से भी देश को मुक्त करने के कारगर प्रयास किए जा रहे हैं। साल 2004 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि नक्सलवाल भारत की आतंरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती है। साल 2010 में दंतेवाड़ा में नक्सलियों के हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हो गए थे और लगभग पूरी बटालियन का ही सफाया हो गया था। नक्सलवाल उस दौर में देश के 220 जिलों में था, जिसमें 83 जिलों में उनका काफी प्रभाव था। अबूझमाड़ के जंगल कुछ सालों तक अबूझ ही थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों की जिस तरह से कमर टूट रही है और सुरक्षा बल उनका एक के बाद एक सफाया कर रहे हैं, वो बदली हुई सरकार का, उसकी इच्छाशक्ति का और बदलती रणनीति का नतीजा है। बदले दौर में यह भी स्पष्ट हुआ कि नक्सलियों को कांग्रेस और कट्टरपंथी तत्व पाल-पोस रहे थे और संरक्षण दे रहे थे।नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा नीत राजग सरकार ने भारत देश के सबसे बड़े दुश्मन यानी वामपंथी हिंसा से निपटने की जो रणनीति अपनाई है, वो बेहद कारगर होती दिख रही है। मोदी सरकार ने साल 2027 तक पूरे देश को लाल आतंक से मुक्ति दिलाने का लक्ष्य रखा है। ये लक्ष्य तभी पूरा हो सकता था, जब नक्सलियों को उनकी ही मांद में घुसकर न सिर्फ चुनौती दी जाए, बल्कि उनकी जड़ों पर भी करारा प्रहार किया जाए। अब पिछले कुछ माह से नतीजे भी सामने आ रहे हैं। अकेले छत्तीसगढ़ में पिछले 4 माह में नक्सलियों के खिलाफ कई बड़े ऑपरेशन हुए हैं। इन ऑपरेशंस में सौ से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें शीर्ष कमांडर तक शामिल हैं, तो 400 से ज्यादा सरेंडर कर मुख्यधारा में लौट चुके हैं।पिछले 4-5 महीने में जो नतीजे सामने आए हैं, वो कुछ महीने की व्यवस्था नहीं है। गृह मंत्रालय के निर्देश पर नक्सल प्रभावित राज्यों में साल 2022 से नई प्लानिंग के तहत जो पुलिस चौकियां बनाई गईं, वो काफी काम आ रही हैं। अब कॉर्डिनेटेड अटैक में नक्सलियों को संभालने का मौका नहीं दिया जा रहा है। कुछ दिनों पहले ही बीएसएफ ने एकदम तड़के नक्सलियों के एक शिविर पर धावा बोल दिया था, जिसमें 29 से ज्यादा नक्सली मार गिराए गए थे। उन नक्सलियों में ईनामी नक्सली भी शामिल थे। उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला था, हालांकि तीन तरफ से घिरे होने के बावजूद बड़ी संख्या में नक्सली भागने में सफल हो गए थे, लेकिन उस ऑपरेशन के बाद सुरक्षा बलों ने दो और बड़े ऑपरेशन चलाए, जिसमें 2 दर्जन से ज्यादा नक्सली ढेर किए जा चुके हैं।नक्सलवाद के खात्मे के लिए कभी सरकार ने स्थानीय लोगों को हथियारों से लैस करने का अभियान शुरू किया था, जिसमें सलवा जुडूम अभियान प्रमुख था। हालांकि सरकार ने इसे कभी अपना अभियान नहीं माना, लेकिन कोर्ट से रोक लगने के बाद इस अभियान पर रोक लग गई। इसके अलावा साल 2009 में ऑपरेशन ग्रीन हंट चलाया गया। इस ऑपरेशन से नक्सलियों की घेरेबंदी में थोड़ी सफलता तो मिली, लेकिन नुकसान ज्यादा हुआ। हालांकि अब नक्सलियों के बारे में ज्यादा सूचनाएं उपलब्ध थी। ऑपरेशन ग्रीन हंट से मिले सबक के बाद ऑपरेशन प्रहार शुरू किया गया। तीन हिस्सों में ऑपरेशन प्रहार को काफी सफलताएं मिली, लेकिन नक्सली अपने गढ़ों में मजबूत बने रहे थे। मौजूदा समय में सुरक्षा बल नक्सली इलाकों में हॉट परस्यूट और ड्राइव फॉर हंट चला रहे हैं, जो नक्सल आतंकवाद के खिलाफ बड़ी सफलताएँ दिला रही है।हॉट परस्यूट और ड्राइव फॉर हंट के तहत अब सुरक्षा बल अलग तरीके से नक्सलियों का सफाया कर रहे हैं। पहले नक्सलियों के पास इतना समय होता था कि वो अपना पीछा कर रहे सीआरपीएफ के जवानों को घेरकर उनपर ही हमला कर देते थे, लेकिन अब सुरक्षा बल न सिर्फ उनका पीछा करते हैं, बल्कि बेहतरी मशीनरी के दम पर उनकी आईईडी से लेकर माइन्स तक का तोड़ निकाल रहे हैं। ऐसे में माओवादियों का शिकार बनने की जगह अब सुरक्षा बल माओवादियों का थकाकर, उनका ही शिकार करते हैं। इसकी वजह से इस ऑपरेशन का सक्सेस रेट ज्यादा है। इसके अलावा जो बात इन ऑपरेशंस की सफलता में सबसे आगे आ रही है, वो है इन सुरक्षा बलों के हाथों में अत्याधुनिक हथियार, जिनको उन तक पहुंचाने का जिम्मा खुद गृह मंत्रालय उठा रहा है।छत्तीसगढ़ में करीब सौ दिनों के अंदर 63 मुठभेड़ हुई, जिसमें 54 नक्सलियों के शव, 77 हथियार और 135 विस्फोटक बरामद किए गए हैं। 304 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। 165 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। नक्सल गतिविधियों से जुड़े 26 गंभीर प्रकरण एनआईए को सौंपे गए हैं। बीते 4 महीने में 24 अग्रिम सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई है। निकट भविष्य में 29 नए आधार शिविरों की स्थापना प्रस्तावित है। स्थानीय अधिकारी भी बताते हैं कि पिछले तीन महीने में बस्तर के अलग-अलग जिलों में हुई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने अब तक 90 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया है। इससे कुछ दिन पहले मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में नकद इनामी दो नक्सली मारे गए। जिनकी पहचान संजती उर्फ क्रांति और रघु उर्फ शेर सिंह के रूप में हुई। इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा, 29 लाख रुपए के इनामी डिविजनल कमांडर का मारा जाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही 14 लाख का इनामी नक्सली भी मध्य प्रदेश पुलिस के हाथों मारा गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा था, हम नक्सलाइट मूवमेंट को पनपने नहीं देंगे। तीन महीने पहले सरकार बनने के तीसरे दिन भी बड़ा एनकाउंटर हुआ था। अब जब तक नक्सलियों का पूरी तरह से खात्मा नहीं हो जाता, इस प्रकार की कार्रवाइयां होती रहेंगी।ऐसी ही एक बड़ी कार्रवाई महाराष्ट्र में नक्सल विरोधी अभियान के तहत हुई। यहां के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने चार नक्सली को मार गिराया। इन चारों नक्सलियों पर सरकार ने 36 लाख रुपए के इनाम रखे थे। महाराष्ट्र पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक बड़ा नक्सल ग्रुप लोकसभा चुनावों में बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए गढ़चिरौली के जंगलों में छिपा है, जिसके बाद एक्शन में आई महाराष्ट्र पुलिस ने ये बड़ी कार्रवाई की। महाराष्ट्र नक्सल ऑपरेशन को लेकर पुलिस अधिकारी आईपीएस संदीप पाटिल कहते हैं कि महाराष्ट्र के नागपुर, पुणे, नासिक, मुंबई, थाणे, नासिक और गोंदिया जैसे शहरों में नक्सली घुसपैठ हुई है। माओवादियों से जुड़े अर्बन नक्सली स्लम इलाकों में युवाओं का ब्रेनवॉश कर उन्हें शासन, प्रशासन के खिलाफ लडाई लड़ने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों पुलिस ने ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के गोपनीय दस्तावेज जब्त किए थे। इससे साफ पता चला है कि नक्सली शहरी भागों में खास तौर पर स्लम इलाकों में सक्रिय हैं। ये गरीब युवक जो किसी न किसी वजह से सरकार या सरकारी मशीनरी से नाराज हैं, उन्हें अपना हथियार बना रहे हैं। यह वाकई चिंताजनक है, लेकिन पुलिस प्रशासन मुस्तैद है, किसी भी नक्सली को नहीं छोड़ा जा रहा है। पुलिस ने अब शहरी क्षेत्रों में सक्रिय नक्सल समर्थकों पर निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।इन्हीं सख्तियों का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय छह बड़े इनामी नक्सलियों ने बस्तर से निकलकर आंध्र पुलिस के जंगलों में शरण ली है। इन नक्सलियों में एरिया कमेटी के सचिव मिथिलेश उर्फ राजू समेत बरसे मासा, वेट्टी भीमा, वंजम रामे उर्फ कमला, मडकाम सुक्की और दूडी सोनी के रूप में हुई है। इन नक्सलियों पर 19 लाख रुपए का इनाम छत्तीसगढ़ पुलिस ने रखा था।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की राह आसान नहीं

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

अगले माह अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में 20 टीम भाग लेंगी। इसमें भारतीय टीम भी खिताब की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इस टूर्नामेंट में पहली बार अमेरिका, कनाडा और युगांडा की टीमे भी भाग ले रही हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम पिछले एक दशक आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त करना चाहेगी। गत वर्ष एकदिवसीय विश्वकप कप में भारतीय टीम खिताब की दहलीज पर आकर उसे हासिल नहीं कर पायी थी। विश्वकप में भारतीय टीम अपना पहला मैच 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड से खेलेगी। इसके बाद उसे 9, 12 और 15 जून को उसे पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा से खेलना है। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम शीर्ष रैंकिंग वाली पुरुष टी20 टीम के रूप में प्रवेश कर रहा है, जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। भारतीय टीम की मजबूती ये है कि उसे पास अनुभवी और युवा दोनो ही खिलाड़ी हैं।

टीम की बैंच स्ट्रैंथ भी काफी अच्छी है। ऐसे में विराट कोहली, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी बेहर प्रदर्शन कर विरोधी टीम पर दबाव बना सकते हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा और उप-कप्तान हार्दिक पांड्या जिस प्रकार आईपीएल में खराब फार्म में दिखे उससे टीम की कमजोरियां सामने आयी हैं। इसके अलावा फिनिशर के तौर पर उतरने वाले रवींद्र जडेजा भी लय में नहीं हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम में शामिल युवाओं के पास बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने का अवसर है।

भारतीय टीम को अगर खिताब जीतता है तो उसे मानसिक तौर पर मजबूत होना होगा क्योंकि इंग्लैंड में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से भारतीय टीम नॉकआउट में असफल रही है। अब उसे अपनी इस कमजोरी को दूर करना होगा।

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम का कार्यक्रम

- 05-जून-24 : भारत बनाम आयरलैंड, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 09-जून-24 : भारत बनाम पाकिस्तान, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 12-जून-24 : यूएसए बनाम भारत, नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
- 15-जून-24 शनिवार भारत बनाम कनाडा सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क और ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल।

न्यूज ब्रीफ

एक समय निराश होकर खेल छोड़ने जा रहे थे स्वप्निल

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से इस आईपीएल सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाएं हाथ के स्पिनर स्वप्निल सिंह एक समय खेल छोड़ने जा रहे थे। स्वप्निल पर आईपीएल की पिछली नीलामी के शुरुआती दौर में बोली नहीं लगी थी जिससे वह निराश हो गये थे। इस बार आरसीबी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल कर खेलने का अवसर दिया जिसका स्वप्निल ने पूरा लाभ उठाया। वह गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अपने 18 साल के घरेलू क्रिकेट करियर में उन्होंने बड़ौदा और उत्तराखंड की टीमों की ओर से खेला है। आईपीएल में उन्होंने आरसीबी से पहले किंग्स इलेवन पंजाब और लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेला था। स्वप्निल ने कहा, 'आईपीएल नीलामी के दिन मैं एक मैच के लिए धर्मशाला जा रहा था। जब मैं वहां पहुंचा तब शाम के सात-आठ बज रहे थे। तब तक कुछ नहीं हुआ था और नीलामी का अंतिम दौर चल रहा था, मुझे लगा कि मेरे लिए अवसर समाप्त हो गये हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था कि मैं घरेलू सत्र में खेलूंगा और अगर जरूरत पड़ी तो अगला सत्र खेलने के बाद खेल को अलविदा कह दूंगा। इसका कारण है कि मैं पूरी जिंदगी नहीं खेलना चाहता था।। स्वप्निल ने कहा, 'जीवन में अच्छा करने के लिए अन्य चीजें भी मैंने देखी थी। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में साल 2006 में पदार्पण करने वाले 33 साल के स्वप्निल को आरसीबी ने 20 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा था।स्वप्निल ने कहा कि आरसीबी के लिए चुना जाना उनके पूरे परिवार के लिए बेहद खुशी का अवसर था।

कार्लसन बने विजेता, आनंद को तीसरा स्थान; विश्वनाथन ने मैग्नस से दूसरी बाजी ड्रॉ खेली

कासाब्लांका (मोरक्को)। पांच बार के विश्व चैंपियन और विश्व नंबर एक नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने कासाब्लांका चेस वैरिएंट टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, पांच बार के विश्व विजेता भारतीय ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद तीसरे स्थान पर रहे। आनंद की टूर्नामेंट में कार्लसन के साथ दूसरी बाजी ड्रॉ समाप्त हुई। आनंद ने मिस्र के अमीन बासेम को हराया। यह उनकी टूर्नामेंट में एकमात्र जीत रही। कार्लसन ने छह दौर में साढ़े चार और आनंद ने तीन अंक हासिल किए। अमेरिका के हिकारु नाकामुरा साढ़े तीन अंक के साथ दूसरे और बासेम एक अंक के साथ चौथे और अंतिम स्थान पर रहे। सफेद मोहरों से कार्लसन से ड्रॉ खेले आनंद यह अनोखा टूर्नामेंट नए प्रयोग पर आधारित था। इसमें शतरंज की दुनिया के ऐतिहासिक मुकाबलों की बराबरी की पोजीशन को चारों खिलाड़ियों के सामने रखा गया। उन्हें दी गई पोजीशन से खेल शुरू कर मुकाबला आगे बढ़ाना था। पहले दौर में कार्लसन ने आनंद को हराया था, लेकिन दूसरे दौर में अलेक्जेंडर अल्काइन और डॉ. मैक्स यूवे के बीच 1935 में हुई विश्व चैंपियनशिप की तीसरी बाजी की पोजीशन को लिया। आनंद यहां सफेद मोहरों से बेहतर स्थिति में थे, लेकिन कार्लसन ने अपने रुक (हाथी) का बलिदान देते हुए बाजी को ड्रॉ की ओर मोड़ दिया। कार्लसन ने प्रारूप को मनोरंजक बताया पांचवें दौर में नाकामुरा और आनंद की बाजी भी ड्रॉ रही, वहीं कार्लसन ने अमीन को हराया। छठ दौर में कार्लसन-नाकामुरा ने ड्रॉ खेला और आनंद ने अमीन को हराया। कार्लसन ने जीत के बाद कहा कि यह एक मनोरंजक प्रारूप था। वह इसे दोबारा जरूर आजमाना चाहेंगे।

मलयेशिया मास्टर्स में खिताब जीतने उतरेंगी सिंधू, उबेर कप और थाईलैंड ओपन में नहीं लिया था भाग

नई दिल्ली । ब्रेक से लौटी पी वी सिंधू पेरिस ओलंपिक से पहले यहां शुरू हो रहे मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत दर्ज करके अपना मनोबल ऊंचा करने के इरादे से उतरेगी। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने उबेर कप और थाईलैंड ओपन में भाग नहीं लिया। अब वापसी करते हुए उनका लक्ष्य इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 500 टूर्नामेंट में महिला एकल में अच्छा प्रदर्शन करने का होगा। वह पिछले साल अक्तूबर में घुटने की चोट से उबरने के बाद से फॉर्म में नहीं है। ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीत चुकी सिंधू का रिटर्न पहले की तरह नहीं रहा है और कई करीबी मुकाबले वह हार गई हैं। वह छह प्रतिस्पर्धाओं में से दो में ही क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी हैं। कब जीता था आखिरी बार खिताब पिछली बार वह 2022 सिंगापुर ओपन में खिताब जीती थी। पहले दौर में उनका सामना स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर से होगा। अष्मिता चालिहा, आकृषि कश्यप और मालविका बंसोड भी अच्छे नतीजे देना चाहेंगी।

हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर आईपीएल के फाइनल में पहुंची कोलकाता

अहमदाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले क्वालीफायर मुकाबले में मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और उसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर की (58) तथा वेंकटेश अय्यर (51) धुआंधार नाबाद अर्धशतकीय पारियों की बदौलत सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर फाइनल में पहुंच गई है।

160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की रहमानउल्लाह गुरबाज और सुनील नारायण की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 44 रन जोड़े। चौथे ओवर में टी नटराजन ने गुरबाज को आउट कर हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। गुरबाज ने 14 गेंदों में 23 रन बनाये। वहीं सुनील नारायण 16 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए नाबाद (58) रनों की पारी खेली। वहीं वेंकटेश अय्यर ने 28 गेंदों में पांच चौके और चार छक्को की मदद से नाबाद (51) रन बनाये। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। हैदराबाद की ओर से पैट कमिंस और टी नटराजन ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले आज यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले दो ओवर में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी के विकेट गवां दिये। मिचेल ने ट्रैविस को (शून्य) पर बोल्ड कर हैदराबाद को पहला झटका दिया और उसके बाद वैभव अरोड़ा ने अभिषेक (3) को पवेलियन भेज दिया। पांचवें ओवर में नितीश कुमार रेड्डी (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद राहुल त्रिपाठी और हाइनरिक क्लासन ने पारी को संभाला। 11वें ओवर में वरूण चकवर्ती ने हाइनरिक क्लासन को रिंकू के हाथों कैच आउट करा दिया। क्लासन ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (32) रन बनाये। शाहबाज अहमद (शून्य) सनवीर सिंह (शून्य) आया- गया की तर्ज पर पवेलियन लौट गये। 14वें ओवर में राहुल त्रिपाठी तालमेल की कमी के कारण रनआउट हुये। राहुल त्रिपाठी ने 35 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (55) रनों की पारी खेली। अब्दुल समद 12 गेंदों में (16) रन बनाकर आउट हुये। कोलकाता के गेंदबाजों ने शुरु में बनाये दबाव को जारी रखा और हैदराबाद के बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। 16वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने भुवनेश्वर कुमार (शून्य) पर पगबाधा आउट कर हैदराबाद को नौवां झटका दिया। कैप्तान पैट कमिंस ने दो चौके और दो छक्के लगाते हुये 24 गेंदों में 30 रनों की पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा। हैदराबाद की पूरी टीम 19.3 ओवर में 159 रन ही बना सकी। कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से मिचेल स्टार्क ने तीन विकेट लिये। वरुण चक्रवर्ती को दो विकेट मिले। वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, आंद्रे रसल और सुनील नारायण ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

रैना को टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, हालात के अनुसार ढ़लना होगा

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना को उम्मीद है कि भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेगी। रैना के अनुसार भारतीय टीम को सफल होने के लिए हालात के अनुसार ढ़लने के साथ ही ड्रॉप-इन पिचों पर खेलने के लिए भी मानसिक तौर पर तैयार रहना होगा। ड्रॉप-इन को पिचे होती हैं जो किसी अन्य स्थान पर तैयार करने के बाद जिस भी मैदान पर मैच हो रहा हो बिछायी जा सकती हैं।

यहां एक कार्यक्रम में पहुंचे रैना ने कहा कि भारतीय टीम संतुलित है। उसके पास रोहित शर्मा जैसा बेहतरीन कप्तान हैं। विराट कोहली पिछले कुछ समय से लगातार अच्छे फार्म में हैं। इसके अलावा आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी जमकर रन बना रहे हैं। टीम में दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जा रहे हैं, जो पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं भारतीय टीम के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या के आईपीएल में खराब फॉर्म पर रैना ने कहा कि उन्होंने भारत के लिए कई बार अच्छा अच्छा प्रदर्शन किया है। अस्थाई खराब फॉर्म से वह खराब खिलाड़ी नहीं बन जाते हैं। जब वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे तो सभी इस बात को समझ जायेंगे।

पंड्या के आईपीएल में खराब प्रदर्शन से उनके फार्म पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। उनकी कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रही। 14 मैचों में, पंड्या 18.00 के औसत और 143.04 की स्ट्राइक रेट से केवल 216 रन ही बना पाये। इसके अलावा वह गेंदबाजी के दौरान भी 11 विकेट ही ले पाये थे।

मिश्रित रिले में राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ भारत को स्वर्ण, पेरिस का टिकट पाने से चूके

बैंकॉक, 21 मई (एजेंसियां)।

एशियाई रिले चैंपियनशिप में भारतीय मिश्रित रिले टीम ने राष्ट्रीय कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीत लिया। बावजूद इसके मोहम्मद अजमल, ज्योतिका श्री दांडी, अमोज जैकब और शुभा वेंकटेशन की चौकड़ी पेरिस ओलंपिक का टिकट पाने से रह गई। भारतीय टीम ने तीन मिनट 14.12 सेकंड का समय निकाला और हांगझोऊ एशियाई खेलों में बनाए गए 3.14.34 के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यहां भारतीय टीम ने रजत जीता था। पेरिस के लिए शीर्ष 16 में आना जरूरी श्रीलंका ने तीन मिनट 17 सेकंड के साथ रजत और वियतनाम ने तीन मिनट 18.45 सेकंड के साथ कांस्य जीता। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम रैंकिंग में 23वें से 21वें स्थान पर आ गई है। हालांकि, पेरिस के टिकट के लिए भारत को शीर्ष 16 में आना जरूरी है। नासाउ (बहामास) में हुई विश्व रिले एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 14 टीमें पेरिस का टिकट हासिल कर चुकी हैं। 15वां और 16वां स्थान रैंकिंग के आधार पर दिया जाएगा। इस वक्त चेक रिपब्लिक (3.11.98) और इटली (3.13.56) 15वें और 16वें स्थान पर हैं। भारत को यहां इटली के समय के पीछे छोड़ना था।

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान ने चली चाल विव रिचर्ड्स को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने को तैयार

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 को शुरू होने में अब चंद ही दिन बाकी हैं. ऐसे में सभी टीमें अपनी-अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं. इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट्स के हवाले से पता चला है कि पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए कैरेबियाई दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को अपना मेंटॉर बनाया है. पाकिस्तान को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है, क्योंकि अपकमिंग टूर्नामेंट और वेस्टइंडीज की धरती पर खेला जाएगा।

विवियन रिचर्ड्स जुड़ेंगे पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अब तक टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान नहीं किया है. लेकिन, इस बीच पाक टीम से जुड़ी एक खबर ने दूसरी टीमों की टेंशन बढ़ा दी है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टी20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स बाबर आजम की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम के मेंटर की भूमिका में हो सकते हैं. हालांकि, अब तक इस पर खबर की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खबरों का बाजार गर्म है कि पीसीबी विवियन रिचर्ड्स को अपकमिंग मेगा इवेंट के लिए मेंटर बनाना चाहती है।

पीएसएल का हिस्सा रह चुके हैं रिचर्ड्स

वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स पाकिस्तान सुपर लीग में क्वेटा ग्लेडिटिएर्स के मेंटर की भूमिका निभा चुके हैं. ऐसे में पीसीबी से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि विवियन पाकिस्तान सुपर लीग में काम कर चुके हैं, लिहाजा वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों की कंडीशंस और काम करने के तरीके को बेहतर समझते हैं।

इतना ही नहीं इस बार टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी और वेस्टइंडीज को सौंपी गई है. ऐसे में यदि विव वाकई पाकिस्तान टीम के मेंटॉर बनते हैं, तो टीम को बड़ा फायदा होगा. चूंकि, वह वहां की घरेलू कंडीशंस में अपनी टीम को ढ़ा लने में मदद कर सकते हैं।

टी20 विश्वकप के कुछ मुकाबलों में गेंदबाज भी रहे हैं हावी

पहले सत्र में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज शून्य पर हुए थे आउट

मुम्बई, 21 मई (एजेंसियां)।

टी20 विश्वकप क्रिकेट अगले माह एक जून से शुरु होने जा रहा है। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। टी20 प्रारुप में वैसे तो बल्लेबाज हावी रहते हैं और जमकर चौके, छक्के लगते हैं। इसी कारण आजकल इस प्रारुप में 200 से 250 से अधिक रन बनते हुए भी दिखते हैं।

वहीं कई बार ये भी देखने में आया है कि गेंदबाज भी मुकाबले में हावी रहे हैं। टी20 विश्वकप की बात करें तो अब तक के 8 सत्र में दो बार कोई टीम 50 से कम के स्कोर पर आउट हो हुई है। मजे की बात यह है कि दोनों ही बार नीदरलैंड की टीम के साथ ऐसा हुआ है और दोनों ही बार श्रीलंका के खिलाफ मैच में वह पचास रन भी नहीं बना पायी। 2014 के टी20 विश्वकप में चिटगांव के मैच में नीदरलैंड की टीम 10.3 ओवर में 39 और 2021 के शारजाह के मैच में 10 ओवर में 44 रनों पर आउट हुई थी। दोनों ही मैचों में श्रीलंका टीम ने 10 ओवर से पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। वहीं दक्षिण अफ्रीका में 2007 के पहले टी20 विश्वकप में केन्या और न्यूजीलैंड के मैच में केन्याई टीम के 6 बल्लेबाज खाता तक नहीं खोल पाये थे। इसमें शीर्ष के 4 बल्लेबाज भी शामिल थे। इस मैच में एक समय तीन विकेट गिरने के बाद भी टीम एक भी रन नहीं बना पायी थी। 12 सितंबर 2007 में डरबन में हुए इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केन्या के विकेट गिरने का सिलसिला शुरू हो गया था। छह बल्लेबाजों के शून्य पर आउट होने के बाद कोलिंस ओबुया, थॉमस ओबुयो , जिमी कामाडे और राजेश बुधिया ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इस प्रकार पूरी केन्याई टीम 16.5 ओवर में 73 रनों पर ही सिमट गयी थी। न्यूजीलैंड टीम की ओर से मार्क गिलेस्पी ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे जबकि शेन बॉन्ड, किस मार्टिन व कप्तान डेनियल वेटोरी ने दो-दो विकेट लिए थे।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने 74 रन का लक्ष्य केवल 7.4 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया था। टी20 विश्वकप 2024 में इस बार 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिसमें 12 आईसीसी की फुल मेंबर टीम हैं और 8 एसोसिएट मेंबर टीम। ऐसे में दिग्गज टीमों और नई टीमों के मुकाबले में जमकर रिकॉर्ड्स बन सकते हैं।

टी20 विश्वकप के केन्या-न्यूजीलैंड मैच की एक पारी में छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाये थे। एक टी20 मैच में एक पारी में 8 बल्लेबाज शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे। मैच में दोनों पारियों में मिलाकर 9 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए थे। 2019 के कॉन्टिनेंटल कप के मैच में चेक रिपब्लिक के खिलाफ तुर्की के 8 बल्लेबाज शून्य पर ही आउट हो गये थे।

मुसलमानों को आपकी सम्पत्ति बांटना चाहते हैं इंडी वाले: योगी

बलरामपुर, 21 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन सत्ता हासिल करने के लिए तरह-तरह का गुल खिला रहा है। इनके कारनामे जनता से छिपे नहीं हैं। यह देश से गरीबी हटाने के लिए हमारे पूर्वजों की संपत्ति का सर्वे कराने की बात कह रहे हैं। ऐसे में इनसे हमें सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि यह देश से गरीबी तो नहीं हटाएंगे बल्कि सम्पत्ति का सर्वे कराकर विरासत टैक्स जरूर लगाएंगे। इनका यह विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। उसने यह कर हिंदुओं के धर्मांतरण करने के लिए लगाया था। इसे हम कतई स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इतना ही नहीं यह आपकी सम्पत्ति को बांग्लादेश, पाकिस्तान समेत अन्य देशों से आए मुसलमान घुसपैठियों को बांटने का काम करेंगे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी उनके मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गयी है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बलरामपुर की गैसड़ी विधानसभा के श्रावस्ती लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही है। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी साकेत मिश्रा और गैसड़ी विधानसभा के उपचुनाव के प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा और कांग्रेस गठबंधन के लोग राम विरोधी, देश विरोधी और गरीब विरोधी हैं। यह अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति के लोगों के हक पर सेंधमारी का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। उनके द्वारा जो षड्यंत्र होने जा रहा है, उसके प्रति हम सभी को आगाह रहने की जरूरत है। यह देश हमारा है, हमे ही देश के विकास के लिये फैसला लेना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता जनार्दन की सेवा कर रही है। हम भेदभाव नहीं करते हैं बल्कि सबका साथ, सबका विकास के भाव के साथ काम कर रहे

हैं। वहीं इंडी गठबंधन देश की जनता को जाति और धर्म में बांटकर देश को लूटना चाहती है, जिसे हम होने नहीं देंगे। जनता भी इनके मंसूबों को जान गयी है इसलिए वह एक स्वर में कह रही है एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। जनता इनको जवाब दे रही है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश नए भारत का दर्शन कर रहा है। देश में जो परिवर्तन नजर आ रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिश्रम, उनके

गैसड़ी विस और श्रावस्ती लोस सीटों के लिए हुई जनसभा

विजन और मिशन का परिणाम है। दुनिया के अंदर देश का सम्मान बढ़ा है। बीजेपी गरीब कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। हमने गरीबों को फ्री आवास देने के साथ थारू जनजाति के लोगों को फ्री आवास की सुविधा दी है। इसके साथ थारू संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए म्यूजियम का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले बलरामपुर में सड़कों पर चलना दूभर था। इसके अलावा लोगों को पीने का पानी भी नहीं नसीब होता था। वहीं आज 24 घंटे बिजली की सप्लाई हो रही है। सभी को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए हर घर नल योजना चलाई जा रही है। पहले गोरखपुर से देवी पाटन मंदिर पहुंचने में 6 घंटे और गोंडा से 8 घंटे लगते थे। वहीं आज गोरखपुर से ढाई घंटे और गोंडा से 45 मिनट में सफर पूरा किया जा रहा है। यही मोदी सरकार की गारंटी है। बलरामपुर में विश्वविद्यालय के निर्माण का कार्य भी आगे बढ़ चुका है। अटल बिहारी वाजपेई के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है। आज मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय और बड़े-बड़े संस्थानों का निर्माण जिले में हो रहा है। यहां के विकास कार्य को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वहीं समाजवादी पार्टी की सरकार में देश के सबसे पिछड़े जनपदों में बलरामपुर का नाम आता था, लेकिन आज देश के अग्रणी जनपदों में बलरामपुर का नाम लिया जाता है, जो भारतीय जनता पार्टी के विकास की गाथा को बया कर रहा है। सीएम योगी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, उस दौरान उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार मुसलमान का है। वहीं हम कहते थे कि हमारा गरीब, दलित, थारू, कुर्मी और यादव कहां जाएगा, लेकिन इनको इससे कोई लेना देना नहीं था। इन्हे तो सिर्फ मुसलमान की चिंता थी। इस पर जनता ने इन्हे सत्ता से बेदखल कर दिया। एक बार फिर इन्हे जवाब देने का मौका आ गया है। ऐसे में जिन्होंने आपको विकास के लिए तरसाया था, उन्हे एक-एक वोट के लिये तरसाना है। साथ ही इन सब की जमानत जब्त करानी है।इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष मंगल प्रसाद थारु, ब्लाक प्रमुख मनोज तिवारी, शक्ति सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा, प्रिंस वर्मा, पूर्व सांसद द्दन मिश्रा, नवीन विक्रम आदि उपस्थित थे।

अखिलेश यादव की जनसभा में फिर मची भगदड़

आजमगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। आजमगढ़ जिले में मंगलवार को लालगंज लोकसभा क्षेत्र के खरेवां में अखिलेश यादव की जनसभा में अचानक भगदड़ मच गई।

हालांकि पुलिस ने मौके पर लोगों को शांत कराया और भीड़ को हटाया। थोड़ी ही देर में माहौल सामान्य हो गया।

लोकसभा लालगंज के खरेवां में सपा मुखिया अखिलेश यादव की जनसभा का आयोजन किया गया था। जैसे ही अखिलेश अपना संबोधन शुरू करने के लिए उठे कि कुछ कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए, जिससे कुछ देर के लिए भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को संभाला।

लालगंज लोकसभा क्षेत्र के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र स्थित सरायमीर के खरेवां मोड़ पर आयोजित जनसभा में मंगलवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव पहुंचे। निर्धारित समय से सपा मुखिया देर से पहुंचे, इससे नाराज कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए। इससे कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने किसी तरह स्थिति को संभाला, जिससे कोई घटना नहीं हो सकी। इसके बाद अखिलेश यादव ने अपना संबोधन शुरू किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर राशन की मात्रा बढ़ाई जाएगी। डाटा भी देने का काम सपा करेगी। वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इन्होंने फ्री डाटा दिया जब सबके हाथ में मोबाइल आ गया तो बंद कर दिया। कहा कि किसान पहुंचे यूरिया खरीदने तो उनको नैनो यूरिया पकड़ा दी। कंपनी नैनो यूरिया बेचकर फरार हो गई। बोले कि 25 मई को आजमगढ़ इतिहास बदलेगा।

सपा रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थी, आज फूल बरस रहे हैं: योगी

संत कबीर नगर, 21 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोलियां चलवाती थी। वहीं आज अयोध्या में राम भक्तों पर पुष्प वर्षा हो रही है। सपा के लोग कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। आज वहां रामभक्तों की आवभगत हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अयोध्या को त्रेता युग का गौरव दिलाने का काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश में बड़ा परिवर्तन आया है।

देश में विकास के बड़े-बड़े कार्य हो रहे हैं। देश हाईवे, रेलवे, मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा गोरखपुर में एम्स और फर्टिलाइजर कारखाना फिर से चालू हो गया है। साथ ही संत कबीर नगर में बाबा तामेश्वरनाथ का धाम को भी विकसित किया जा रहा है। संत कबीर नगर की पावन महानिर्वाण स्थल को कबीर पीठ के रूप में एक बार फिर से शोध और इनो-वेशन के नए केंद्र के रूप में

विकसित किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को संत कबीर नगर के मेंहदावल विधानसभा में संत कबीर नगर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी इंजीनियर प्रवीन निषाद के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के समय देश में आतंकी घटनाएं होती थी। इनसे देशवासी कहते थे कि आतंकवाद से निपटो, लेकिन यह कहते थे कि आतंकवादी सीमा पार के हैं। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन का अपना कोई एजेंडा नहीं है। यह अनुसूचित और पिछड़ी जाति के आरक्षण में सेंध लगा कर मुसलमानों को देना चाहता हैं, जिसे हम स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने भी कहा था कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकता है।

यह आरक्षण अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जाति को संविधान द्वारा दिया गया है और यह मिलता रहेगा। वहीं राहुल गांधी और अखिलेश यादव का बयान जाहिर करता है कि उनकी मंशा जनता जनार्दन के प्रति अच्छी नहीं है। ऐसे में हमें इनसे सतर्क रहने की जरूरत है। यह लोग सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। यह विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है। यह इनकी खतरनाक मंशा है, जिसे सफल नहीं होने देना है। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गयी है। हमें इनसे सावधान रहना है और इनक मंसूबों पर पानी फेरना है। देश की जनता भी इनकी मंशा जान चुकी है इसलिए पूरे देश में एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा लगा रही है।

वह कहते हैं जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे। एक तरफ अयोध्या में 500 वर्षों के बाद रामलला अपने दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं। वहीं दूसरी ओर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि, रैन बसेरे का नाम निषाद राज और भोजनालय का नाम माता शबरी के नाम पर रखा गया है। यह हमारी विरासत के सम्मान को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यहां का पुराना बर्तन उद्योग एक जिला एक उत्पाद के तहत फिर से जीवित हो गया है। वहीं समाजवादी पार्टी के समय में लोग भूख से मरने को मजबूर थे। आज मोदी सरकार देश में 80 करोड़ लोगों को राशन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि आज संत कबीर नगर विकास की नई गाथा गढ़ रहा है। श्रृंगवेरपुर में निषाद राज की भगवान राम के साथ गले मिलते हुए भव्य प्रतिमा की स्थापना करायी गई है। उनके किले के पुनरुद्धार की कार्रवाई को भी आगे बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने कहा कि महापुरुषों का सम्मान कैसे होना चाहिए यह देखना है तो भारतीय जनता पार्टी की सरकारें में हुए कार्य को देखना चाहिये। उन्होंने कहा कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राम भक्तों और दूसरी तरफ इंडी गठबंधन के रामद्रोही के बीच में हो गया है। यह लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुनामी को रोकना चाहते हैं, जो असंभव है क्योंकि जनता जनार्दन ने उन्हे एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प कर लिया है।

विपक्ष पर जमकर बरसीं मायावती

विपक्षी पार्टियों से गुमराह न हों, ये धोखा देती हैं

जौनपुर, 21 मई (एजेंसियां)। जौनपुर जिले में जनसभा के दौरान बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी कांग्रेस, भाजपा या एनी पार्टियों के गठबंधन के साथ न मिलकर अकेले चुनाव लड़ रही है। हमने बनारस मंडल में सभी समाज के लोगों को मौका दिया है। भीड़ के जबरदस्त जोश को देख कर भरोसा हो गया है कि पिछली बार से भी इस बार अच्छा प्रदर्शन दिखाएंगे।

मायावती ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा व अन्य दलों में आजादी के बाद से अधिकांश राज्यों में कांग्रेस की सरकार रही। इनकी गलत नीतियों के कारण इन्हें राज्यों से लेकर केंद्र तक की सत्ता से बाहर होना पड़ा। कांग्रेस की पहली सरकार में बाबा साहब लॉ मिनिस्टर थे। उन्होंने जवाहर लाल नेहरू से कहा था कि एससी-एसटी को बराबर आरक्षण नहीं मिल रहा है, अति पिछड़े वर्ग के लोगों को भी आरक्षण मिलना चाहिए और आर्टिकल 340 के अनुसार आरक्षण देना चाहिए। उनकी मांग नहीं पूरी होने पर बाबा साहब ने इस्तीफा दे दिया था।

मायावती ने कहा, कांग्रेस कहती है कि वह संविधान के खिलाफ नहीं हैं। सभी पार्टियां वोट की खातिर आरक्षण को लेकर बड़ी-बड़ी बातें कर रही हैं। देश की

जनता इस बात को समझ गई है कि अच्छे दिन के नाम पर प्रलोभन दिया गया है, जितना कहा उसका एक चौथाई काम भी नहीं किया। ये लोग पूंजीपतियों को और मालामाल करने, इन्हें विभिन्न मामलों में छूट देने और इन्हें बचाने में लगे हैं।

मायावती ने कहा कि इलेक्टोरल बांड जैसे मामले सामने आ रहे हैं। कुछ दिन पहले जब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर टिप्पणी की तो यह साफ हो गया कि भाजपा और कांग्रेस ने बड़े-बड़े पूंजीपतियों से चुनाव लड़ने के लिए मोटी रकम ली है। बीएसपी ने किसी से भी कोई आर्थिक सहयोग नहीं लिया। बीएसपी थोड़ा-थोड़ा पैसा इकट्ठा कर अपना काम करती है। देश के किसान भाजपा के कारण हमेशा परेशान रहे हैं, जबकि हमारी पार्टी ने चारों हुकूमतों में इनका ख्याल रखा। इन्हें खेती के लिए संसाधन उपलब्ध कराए और फसल का अच्छा दाम दिया।

मायावती ने कहा कि भाजपा के शासन में दलितों आदिवासियों या किसी भी वर्ग का उत्थान नहीं हुआ। दलित और आदिवासियों को नौकरी नहीं मिली। इनके पद खाली हैं। आरक्षण नहीं देने से पद खाली हैं। इनकी सरकार में बिना कोई आरक्षण दिए प्राइवेट सेक्टर से काम कराया जा रहा है। शोषण और उत्पीड़न भी बंद नहीं हुआ। भाजपा और आरएसएस की सरकार के चलते हिंदुत्व के आड़ में चल रही राजनीति से हालत खराब है। किसान वर्ग भी आंदोलित है। गलत आर्थिक नीतियों से देश पर असर दिखाई दे रहा है। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार भी बढ़ता जा रहा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि विरोधी पार्टियां साम, दाम, दंड, भेद अपना कर सत्ता पाने में जुटी हैं। ऐसे लोगों से गुमराह नहीं होना है। इनके वादों से भी गुमराह न हों। ये पार्टियां अपने वादों को अमल में नहीं लातीं, इसीलिए जनता का विश्वास इन पर से उठ गया है। हमारी पार्टी कहने में कम और करने में अधिक विश्वास करती है। हमारी पार्टी ने कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

सपाईयों ने कभी देखी नहीं 400 सीट : सीएम योगी

आजमगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजमगढ़ के सगड़ी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से छठें चरण में भी अपील की। इसके साथ ही उन्होंने पांच चरणों के चुनाव में बढ़त का दावा किया। उन्होंने कहा कि यूपी से अब समाजवादी पार्टी का पतन हो रहा है। आने वाला समय यूपी के विकास का है, जिसे भाजपा ही कर सकती है।

सीएम योगी ने मोदी के 400 पार के नारे के सपने को साकार करने के लिए जनसभा में आए लोगों को संकल्प दिलाया। योगी ने कहा, मैं चंडीगढ़, दिल्ली और हरियाणा गया था, वहां लोगों का उत्साह देखकर ही बता रहा हूं कि चार जून का परिणाम क्या होगा। पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। यूपी के सीएम ने कहा कि 400 पार के नारे से सपा के लोग डरे हुए हैं। अपनी जनसभाओं और रैलियों में वे बेबुनियादी बयानबाजी कर रहे हैं। सपा के लोगों ने 400 सीटें कभी देखी ही नहीं होंगी, वे तो 63 सीटों के आसपास ही टिक गए हैं।

आतंकियों के आका और माफिया के सरपरस्त को सत्ता पर काबिज नहीं होने देना

सिद्धार्थनगर, 21 मई (एजेंसियां)। सपा व कांग्रेस पर हमलावर सीएम योगी ने कहा कि यह लोग आतंकियों के आका और माफिया के सरपरस्त हैं। हर अपराधी व माफिया 2017 के पहले जनता का खून चूसता था, वसूली करता था, बेटी की सुरक्षा पर खतरा था। आज माफिया को उल्टा टांगने और राम नाम सत्य की यात्रा निकलने पर सपा को पीड़ा होती है। हमें माफिया के सहयोगी-सरपस्त, आतंकियों के आकाओं को सत्ता पर काबिज नहीं होने देना है। सपा व कांग्रेस के गठबंधन के कारण अनर्थ होता है। जब केंद्र में कांग्रेस व प्रदेश में सपा सरकार थी तो अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि, काशी में संकट मोचन, अयोध्या, लखनऊ व वाराणसी की कचहरियों पर आतंकी हमला हुआ था। सीएम बनते ही अखिलेश यादव ने आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने का कार्य किया था। तब न्यायालय ने कहा था कि आतंकी छूटेंगे नहीं, सरकार को शर्म आनी चाहिए। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने मंगलवार को राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में डुमरियागंज से सांसद व लोकसभा प्रत्याशी जगदंबिका पाल के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया।

सीएम ने कहा कि जनता जानती है कि सपा और माफिया का चोली-दामन का संबंध है। दोनों को अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। प्रदेश का हर माफिया सपा से संबंध रखता है। सपा की संवेदना समाज के बेटी-व्यापारी की सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि माफिया के साथ है। माफिया के प्रति इनकी संवेदना को देखते हुए जनता ने इन्हें 2014, 2017, 2019, 2022 में इन्हें खारिज कर दिया। अबकी बार-400 पार के नारे को सुनकर सपा चारों खाने चित हो रही है। सपा कुल 63 सीट पर चुनाव लड़ रही। इन सभी सीटों पर इनकी जमानत जब्त हो रही है, इसलिए दो लड़कों (सपा व कांग्रेस) का इंडी गठबंधन षडयंत्र व गुमराह कर झूठ-अफवाह फैला रहा है।

सीएम ने कहा कि जिस माफिया को गोरखपुर, संतकबीर नगर की जनता ने लात मारकर भगाया है, उसे महात्मा बुद्ध की धरती सिद्धार्थनगर में नहीं पनपने देगी। यह माफिया पनपेंगे तो गरीबों की संपत्ति पर कब्जा करेंगे। डुमरियागंज व कपिलवस्तु में मैं आंदोलन करता था, तब आपको न्याय मिलता था। फिर ऐसी नौबत न आने दें। यह माफिया केवल स्वार्थ के हैं। यह किसी की जमीन कब्जा कर बंदूक की नोक पर लिखवाने का कार्य करेंगे। यद्यपि इन माफिया का हम जीना हराम कर देंगे, लेकिन फिर भी यह माफिया आएंगे तो गुंडागर्दी का प्रयास करेंगे। रंगदारी वसूली करेंगे। वोट और फैसला दोनों आपका है।

सीएम योगी ने कहा कि अवसर मिला तो हमने अयोध्या में रामलला को विराजमान कर दिया। सपा वाले रामभक्तों पर गोली चलाते थे। सपा महासचिव का बयान आया कि राम मंदिर बेकार बना है। राम जगत नियंता और परमपिता परमेश्वर हैं। राम के बिना हमारा कोई काम नहीं, जो राम का नहीं वो हमारे किसी काम का नहीं। सीएम ने सपा-कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से घुसपैठियों के रूप में आए मुसलमानों को आपकी संपत्ति देंगे, लेकिन हम लोग विरासत टैक्स हिंदुस्तान में नहीं लगने देंगे।

सीएम ने कहा कि पहले सड़कें खराब होने से गोरखपुर से सिद्धार्थनगर होते हुए बलरामपुर जाने में छह से आठ घंटे लगते थे। लखनऊ, गोरखपुर, नेपाल, बस्ती, बलरामपुर समेत हर तरफ की सड़कें खराब थीं पर अब सड़कें भी बन गई हैं और बाढ़ बचाव के बेहतर उपाय भी हो रहे हैं। जातिवाद की बात करने वालों को बताइए कि योगी सरकार ने सिद्धार्थनगर में माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया है। 2017 के पहले यहां का मासूम इंसेफेलाइटिस से दम तोड़ता था, लेकिन माफिया की तरह हमने इस बीमारी का भी खात्मा कर दिया है।

सीएम ने कहा कि हिंदुस्तान में रहकर पाकिस्तान का राग अलापने वाले यहां बोझ न बनें, वे पाकिस्तान ही चले जाएं।

जैसे कोई रोटी का टुकड़ा फेंक दे तो गली के जीव लड़ते हैं, वैसे ही पाकिस्तान में एक किलो गेहूं-आटा के लिए तोड़फोड़, आगजनी हो रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 22 मई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

सिटी ग्रंथालय अशोकनगर में शीतल पेय जलशाला का शुभारंभ

अग्रवाल समाज तेलंगाना की सराहनीय पहल, तीन वायु कूलर भी किए गए स्थापित

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा हैदराबाद सिटी ग्रंथालय संस्था अशोकनगर प्रांगण में शीतल पेयजल शाला का निर्माण और वायु कूलर की स्थापना की गई। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 20 मई को सिटी ग्रंथालय संस्था अशोकनगर के प्रांगण में शीतल पेयजल शाला आरंभ की गई है। वैभवी नारी शक्ति हैदरगुडा शाखा ने इस जलशाला में पानी को शीतल करने की मशीन (वाटर कूलर) प्रायोजित की है।

जलशाला का उदघाटन 20 मई को अग्रवाल समाज तेलंगाना के निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। सीटी ग्रन्थालय पर्सन इंचार्ज पी. काधिरावन, आईएएस, सेक्रेटरी पी पदमजा के अनुमोदन एवं उनकी अनुपस्थिति में कार्यकारी जी.मदन मोहन (लाइब्रेरियन ग्रेड-1) विशेष अथिति के रूप में आमंत्रित थे। इस कूलर मशीन से प्रति घंटा 600 लोगों के लिए शीतल जल उपलब्ध कराया जा सकेगा । इस कार्य के अतिरिक्त ग्रन्थालय में तीन वायु कूलर भी स्थापित किए गये। इन वायु कूलर्स के सौजन्यकर्ता क्रमशः महेश कनोडिया, देवेंद्र संघी और अरविंद अग्रवाल हैं। प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया ने बताया कि राम नगर शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के अथक प्रयास से सिटी ग्रंथालय में यह कार्य संभव हो पाया। उदघाटन समारोह में सर्वप्रथम

राम नगर शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज के निवर्तमान अंजनी कुमार अग्रवाल और अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल का स्वागत किया। तत्पश्चात वैभव नारी शक्ति की अध्यक्षा सत्वंती देवी सरायवाला द्वारा सिटी ग्रंथालय से विशेष अतिथि के रूप में पधारे जी. मदन मोहन का सम्मान किया गया और स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया, राम नगर शाखा के अध्यक्ष पवन कुमार टीब्रेवाल, वैभव नारी शक्ति की अध्यक्ष सत्वंती देवी सरायवाला, वैभव नारी शक्ति से पधारीं ऋतु अग्रवाल, आशा केडिया, निशा गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, सपना अग्रवाल, इंद्रा अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता ,किरण अग्रवाल, उर्मिला मोदी, अर्चना अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, लता अग्रवाल, राखी अग्रवाल, राधिका अग्रवाल का सम्मान किया और सभी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। मुख्य अतिथि अंजनी कुमार अग्रवाल ने समिति और सौजन्यकर्ताओं के कार्य की प्रशंसा की।अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया, श्याम सुंदर और सौजन्यकर्ता वैभवी नारी शक्ति शाखा, महेश कनोडिया, देवेंद्र संघी, अरविंद अग्रवाल को धन्यवाद दिया और इस उत्तम कार्य के लिए सभी की सराहना की। आगे उन्होंने सभी शाखाओं से आग्रह किया कि सभी शाखाएँ अपने-अपने क्षेत्र में या नगर में उपयुक्त स्थान जहां पर सरकारी नल और बिजली की व्यवस्था हो, खोज कर एक मशीन स्थापित कर अग्रसेन शीतल पेयजल शाला की स्थापना करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाज के प्रति लाभदायक प्रत्येक कार्य में केन्द्रीय समिति हर संभव सहायता करेगी।

महाजन कोओपरेटिव अर्बन बैंक को आरबीआई ने प्रदान की ए श्रेणी

बोलारम में बैंक को प्रथम शाखा प्रारंभ करने की अनुमति भी दी

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महाजन कोओपरेटिव अर्बन बैंक के अंशधारकों की साधारण सभा व बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की मंगलवार को बैंक के रजिस्टर्ड आफिस में मीटिंग हुई। सर्व प्रथम चेयरमैन पारस मल रांका ने पधारे सभी शेयर धारकों का स्वागत करते हुए बैंक की गति -प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया। वित्तीय वर्ष 23-24 में बैंक के व्यापार में आशातीत प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि रिजर्व बैंक ने बैंक की कार्य प्रणाली व व्यापारिक प्रगति को ध्यान में रख कर बैंक को ए श्रेणी प्रदान की गई। महाजन बैंक को पचास से सौ करोड़ रुपए के व्यापार करने वाले बैंक की श्रेणी में रखा गया। 216 लाख की शेयर पूंजी व 272 लाख के रिजर्व फंड के साथ वित्तीय वर्ष 23-24 के अंत तक 3661 लाख की जमा पूंजी, 2898 लाख के ऋण व करीब 1029 लाख सरकारी प्रतिभूतियों व अन्य निवेश व शुद्ध लाभ करीब 31लाख रुपयों आदि बैंक की सुदृढ़ स्थित प्रस्तुत करती हैं।

बैंक के संस्थापक डायरेक्टर प्रकाश एच भंडारी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि वित्तीय वर्ष 23 -24 में बैंक का कर भुगतान पूर्व लाभ करीब 61 लाख व शुद्ध लाभ 31 लाख रहा। बैंक ने इस वर्ष अंशधारकों को 12% डिवीडेंट लाभांश देने की घोषणा की हैं। सभी अंशधारकों को लाभांश के चेक शीघ्र प्रेषित किए जाएंगे। जिन अंशधारकों के एड्रेस में परिवर्तन हुआ वे बैंक से संपर्क करें। इसके साथ ही रिजर्व बैंक ने कंटोनमेंट क्षेत्र बोलारम में बैंक को प्रथम शाखा प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की हैं, जिसे अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही रिजर्व बैंक से एक और ब्रांच प्रारंभ करने की स्वीकृति का आश्वासन दिया गया है।

बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय प्रसाद ने बैंक की प्रगति में सहयोग प्रदान करने के लिए चेयरमैन पारस मल रांका, सिनियर वाइस चेयरमैन अशोक शेरमल बोहरा, वाइस चेयरमैन सुरेश संचेती, सभी डायरेक्टर्स व सभी कर्मचारियों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

इस्पात सचिव ने एनएमडीसी वेंडर पोर्टल का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने एनएमडीसी के वेंडर चालान प्रबंधन और स्वयं सेवा पोर्टल का सोमवार को हैदराबाद में कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में शुभारंभ किया। अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा पर आगे बढ़ते हुए, एनएमडीसी ने पारदर्शिता और व्यावसायिक सद्भाव को बढ़ाते हुए खरीद के समय-चक्र को सुव्यवस्थित करते हुए, कंपनी के साथ जुड़ने के लिए विक्रेताओं के लिए एक सहज इंटरफ़ेस बनाने और लागू करने का रणनीतिक निर्णय लिया।नागेंद्र नाथ सिन्हा को कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार), दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन), विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), और बी विश्वनाथ, सीवीओतथा वेंडरों के साथ संबंधित एनएमडीसी अधिकारियों द्वारा पोर्टल की जानकारी प्रदान की गई। वेंडर पोर्टल के लाइव होने पर टीम एनएमडीसी को बधाई देते हुए नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने कहा, एनएमडीसी को इसके सुस्थिर व्यापार प्रथाओं के लिए जाना जाता है और इस प्रकार की पहल पारदर्शिता और जवाबदेही के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देते हुए वेंडर सहभागिता को प्रोत्साहित करेगी। वेंडर इंटरैक्शन रूट में क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर एनएमडीसी ने उद्योग के लिए नई दिशाएं तय की हैं।अमिताभ मुखर्जी ने कहा, दक्षता और पारदर्शिता के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय खनन कंपनी के रूप में एनएमडीसी हर परिस्थिति में आगे रहने का प्रयास करता है। यह डिजिटल प्लेटफॉर्म जिम्मेदार खनन के प्रति हमारे संकल्प का एक प्रमाण है। एनएमडीसी ने 45 मीट्रिक टन उपलब्धि के उत्साह के साथ वित्त वर्ष 25में एक सकारात्मक शुरुआत की है। इस्पात सचिव ने एनएमडीसी के प्रदर्शन और चालू वित्त वर्ष के लिए बनाई जा रही योजनाओं की समीक्षा भी की।

अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा ने अपनी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया। सभा में सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात मंत्री दीपक अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष धीरज खेतान ने अग्रसेन महाराज की जय बोलते हुए सभी सदस्यों का सभा में आने का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात सभा में पिछली वार्षिक साधारण सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। इसके पश्चात मंत्री दीपक अग्रवाल ने शाखा की वार्षिक रिपोर्ट पेश की जिसमें शाखा द्वारा 11 महीना में 12 गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें इस वर्ष शाखा ने योग दिवस, अग्रसेन महाराज पूजा उत्सव, केंद्रीय समिति का स्वागत, स्वतंत्रता दिवस, सुंदरकांड, अग्रसेन जयंती, अन्नकूट, रामल्ला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, गणतंत्र दिवस, होली मिलन और केंद्र द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों में शाखा सदस्यों को डिस्काउंट का प्रस्ताव एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी दी गई। इन सब गतिविधियों का शाखा सदस्यों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। इस वर्ष का होली उत्सव सभी सदस्यों ने सराहा। इसके पश्चात अध्यक्ष धीरज खेतान ने सदस्यों से उनकी राय पूछी किस प्रकार शाखा को विकसित किया जा सकता है। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष अशोक चोखानी ने आय व्यय की जानकारी दी। जिसे सभा ने पास किया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष संजय जालान, पवन, दिनेश सबलका, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, महेंद्र गोयल, संतोष कुमार चोखानी, उमेश अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, किशन चोखानी, अशोक सिंगला, सुरेंद्र केडिया, विनोद सराओगी, सुनील गुप्ता, विकास, विवेक गर्ग, विनोद गुप्ता, अभिषेक झुनझुनवाला, नवीन गुप्ता, रवि अग्रवाल, अभय राम जैन, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, मदन लाल अग्रवाल, दिनेश कुमार चांदगोटिया, वैभव चांदगोटिया, जितेंद्र अग्रवाल, श्याम गोयंका, दिनेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशेषता दो सलाहकार विनोद गुप्ता एवं विनोद सरावगी जी की उपस्थिति रही। इसके पश्चात सह मंत्री की अनुपस्थिति में मंत्री दीपक अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन देकर सभा को धन्यवाद दिया। सहभोज की व्यवस्था थी जिसकी सभी ने तारीफ की। कार्यक्रम का आयोजन होटल अन्नपूर्णा सिकंदराबाद पैराडाइज में 11:30 से 2:00 बजे के बीच किया गया।

यात्री गाड़ियों की सुरक्षा एवं समयपालन सुनिश्चित करना अति आवश्यक : अरुण जैन

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
समय की पाबंदी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन संचालन की सावधानीपूर्वक निगरानी करने के लिए अग्रिम कार्य योजनाओं की आवश्यकता है, यह बात दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को जोन पर ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समय की पाबंदी पर रेल निलयम सिकंदराबाद में आयोजित एक समीक्षा बैठक में कही। बैठक में आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने भी सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों का सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और स्थायी मार्ग रखरखाव स्टाफ आदि जैसे रनिंग स्टाफ को नियमित रूप से परामर्श देने की सलाह

दी। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी असफलता के कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार फील्ड निरीक्षण करने की भी सलाह दी। उन्होंने इंजीनियरिंग, मैकेनिकल और सिग्नलिंग उपकरण आदि से संबंधित सुरक्षा वस्तुओं की उपलब्धता पर भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्री सुरक्षा वस्तुओं जैसे स्मोक डिटेक्टर और अग्निशामक यंत्र आदि का अधिकतम स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की समयपालनता पर भी विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को समयपालनता में सुधार लाने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को बुनियादी ढांचे के रखरखाव के काम शुरू करने से पहले सक्रिय कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।महाप्रबंधक ने गति प्रतिबंध लगाने की भी समीक्षा की और अधिकारियों को ट्रेनों की औसत गति में सुधार के लिए उनकी समीक्षा करने की सलाह दी।अरुण कुमार जैन ने जोन पर एफओबी के रखरखाव जैसी यात्री सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए लंबित एफओबी रखरखाव कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों/कर्मचारियों को उचित कूलिंग सुनिश्चित करने के लिए सभी ट्रेनों में एसी कोचों की बारीकी से निगरानी करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने रेल यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए रास्ते में एसी कोचों के उचित संचालन को सुनिश्चित करने और तकनीकी खराबी के कारण होने वाली छोटी-मोटी विफलताओं को तुरंत ठीक करने का भी निर्देश दिया।

तेलंगाना के 10 विश्वविद्यालयों के प्रभारी कुलपति नियुक्त

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को 10 विश्वविद्यालयों के प्रभारी कुलपति (वीसी) के रूप में नियुक्त करने के आदेश जारी किए।

उस्मानिया विश्वविद्यालय (ओयू) के दाना किशोर, जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)

के बुर्रा वेंकटेशम, काकतीय विश्वविद्यालय के वक्ती करुणा, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के रिजवी, तेलंगाना विश्वविद्यालय के संदीप सुल्तानिया, पोट्टी श्रीरामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय की शैलजा रामाय्यर, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के नवीन मित्तल, सातवाहन विश्वविद्यालय के सुरेन्द्र मोहन, जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला एवं ललित कला विश्वविद्यालय के जयेश रंजन और पलामुरु विश्वविद्यालय के नदीम अहमद को नया प्रभारी कुलपति नियुक्त किया गया है।

गायत्री महिला मंडल पुराना कबूतर खाना द्वारा छाछ वितरण

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गायत्री महिला मंडल की संयोजिका अनीता इन्दोरिया ने कहा कि मण्डल की सभी सदस्यों द्वारा छाछ वितरण करने का निर्णय हुआ ताकि इस भीषण गर्मी से जन सामान्य को कुछ राहत देने का प्रयास किया जा सके। छाछ वितरण के इस कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मार्गदर्शक समाज सेवी एवं अधिवक्ता आदि गौड़ समाज के अध्यक्ष किशन शर्मा, अनीता इन्दोरिया, सोनम शर्मा, पदमा मुदड़ा, निता लोया, विजया शर्मा, कविता गोयल, लता सिंह, विजयालक्ष्मी शर्मा, दीप्ति शर्मा, कंचन वर्मा, संगीता जैन, कविता जाडिवाल, सपना शर्मा, पिंकी शर्मा, मधुलता आदि उपस्थित रहे।

प्रेमेंदर रेड्डी को भारी बहुमत से जितवाना हम सभी की जिम्मेदारी : श्रीनिवास

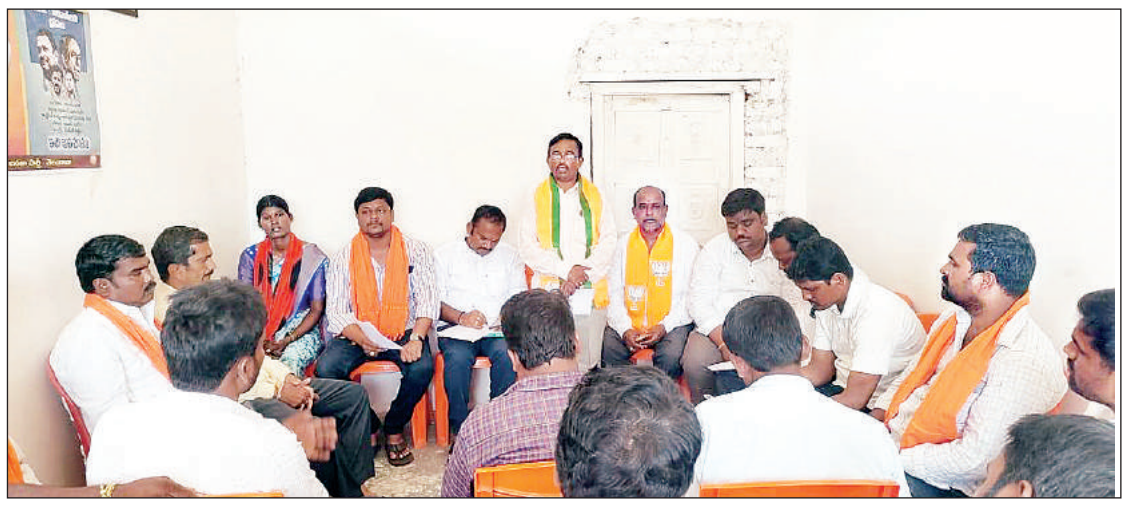

यादाद्री भुवनगिरि, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी मूतकोंदूर मंडल पार्टी अध्यक्ष टांडा कृष्णा गौड़ की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय में स्नातक एमएलसी चुनाव की तैयारी बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एमएलसी चुनाव के प्रभारी एवं राज्य परिषद सदस्य राचा श्रीनिवास ने भाग लिया और कहा कि भुवनगिरी संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार बूरा नरसैया गौड़ भारी बहुमत से जीतने जा रहे हैं। उसी भावना से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एमएलसी उम्मीदवार राज्य महासचिव प्रेमेंदर रेड्डी को बनाया है। एमएलसी चुनाव में सचिव गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी को भारी बहुमत से विजयी बनवाना सबकी जिम्मेदारी है। बीजेपी स्नातक एमएलसी उम्मीदवार गुज्जुला प्रेमेंदर रेड्डी एक ऐसे नेता हैं जो भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों के साथ लोगों के लिए लगातार काम कर रहे हैं, इसलिए ऐसे नेता को विधान परिषद में भेजना बहुत जरूरी है ताकि वह लोगों की आवाज विधान परिषद में उठा सकें।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष पन्नाला चंद्रशेखर रेड्डी, जिला कार्य समिति सदस्य चिर्रा रविंदर, गज़ुला बलराजू, वरिष्ठ नेता पूर्व जिला सचिव पेसारी तिरुमाला रेड्डी, जिला एससी मोर्चा महासचिव बैरापका स्वामी, जिला किसान मोर्चा उपाध्यक्ष अनंतुला पांडुरंगा रेड्डी, आधिकारिक प्रतिनिधि पासम कृष्णा रेड्डी, मंडल महासचिव एललामला श्रीधर रेड्डी, अलेटी नागराजू, उपाध्यक्ष मालगा अशोक, दशम नागराजू, मंडल कोषाध्यक्ष बलदा नरसिम्हू, सचिव बंदी किशन, केसागल्ला महेंद्र, मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष भूमंडला सतीश, मंडल एससी मोर्चा अध्यक्ष बोदा हरिकृष्णा, मंडल उपस्थित थे। महिला मोर्चा अध्यक्ष चादा राजिथा कोंडल रेड्डी, मंडल युवा मोर्चा प्रधान सचिव सुल्तान महेंद्र, मंडल सोशल मीडिया संयोजक शनिगाराम प्रदीप, विभिन्न बूथ अध्यक्ष, विभिन्न जिला मंडल ग्राम पदाधिकारी, नेता, कार्यकर्ता और अन्य लोगों ने भाग लिया।

पत्रकार पर हमला, अवैध खनन संचालकों के खिलाफ शिकायत दर्ज

कागजनगर, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय पत्रकार अंगाला तिरूपति पर सोमवार को अवैध खनन संचालकों ने हमला कर दिया। कागजनगर मंडल के चारीगाम रोड में मिट्टी की अवैध खुदाई चल रही है। तिरूपति वहां जेसीबी से मिट्टी खुदाई और ट्रैक्टरों में मिट्टी भरते हुए की तस्वीरें लेने गए थे। इस दौरान वहां उपस्थित लोगों ने तिरूपति पर हमला कर दिया।

पीड़ित तिरूपति ने कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

स्थानीय पत्रकारों ने उनके प्रति एकजुटता व्यक्त की और पत्रकार पर हमला करने वालों को कड़ी सजा देने की मांग की। इस मामले में कार्यवाही न होने पर पत्रकार संघों ने बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। पत्रकारों ने मंगलवार को डीएसपी करुणाकर और आरडीओ सुरेश से मिलकर एक याचिका देकर संवाददाता अंगाला तिरूपति पर हमला करने वाले अवैध खनन संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

डीएसपी करुणाकर ने आश्वासन दिया कि इस मामले की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आरडीओ सुरेश ने हमले की घटना की कड़ी निंदा की और आश्वासन दिया कि वह पुलिस विभाग को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और अवैध खनन के संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश देंगे।

दो दिवसीय श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी महोत्सव कल से

मदनूर, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संदूरवार हनमंलू ने बताया हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही श्री लक्ष्मी नारायण स्वामी रथ उत्सव भक्ति भाव से ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि 23 मई गुरुवार सुबह महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

वैशाख बुद्ध पूर्णिमा के दिन सुबह भजन व महाप्रसाद दस बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर से लेकर पुराना बस्थांक हनुमान मंदिर तक रथ शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा।

इसके साथ ही 24 मई शुक्रवार को सुबह 10 बजे से लेकर 2 बजे तक कुस्ती प्रतियोगिता में विजयी हुए प्रतिभागी को 51 रूपए से लेकर पांच हजार सौ रूपए का पारितोषिक दिया जाएगा। इस दिन शाम चार बजे भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। सभी भक्तों से इस कार्यक्रम में भाग लेकर शोभा बढ़ाने की विनती है।

चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में तेलंगाना देश में दूसरे नंबर पर

तेलंगाना पुलिस हर दिन चोरी हुए 76 मोबाइल फोन बरामद करती है

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि हर दिन औसतन 76 चोरी या खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के साथ, तेलंगाना देश में मोबाइल फोन की बरामदगी में दूसरे स्थान पर है। 19 अप्रैल, 2023 को सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के लॉन्च के बाद से राज्य पुलिस ने 30,049 मोबाइल डिवाइस बरामद किए।

मोबाइल चोरी और नकली मोबाइल उपकरणों के खतरे को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा पोर्टल विकसित किया गया था। 35,945 मोबाइल फोन की बरामदगी के साथ कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है। इसी अवधि के दौरान 15,426 उपकरणों की बरामदगी के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। आंध्र प्रदेश 7,387 उपकरणों के साथ चौथे स्थान पर है। पोर्टल को आधिकारिक तौर पर 17 मई, 2023 को देश भर में लॉन्च किया गया था, लेकिन 19 अप्रैल, 2023 से तेलंगाना में पायलट आधार पर शुरू किया

गया था। सीआईडी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) शिखा गोयल जिन्हें सीईआईआर पोर्टल के लिए तेलंगाना में नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है ने बताया कि यह पोर्टल राज्य के सभी 780 पुलिस स्टेशनों में संचालित है। तत्कालीन एडीजी, सीआईडी, महेश भागवत पहले राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी थे, जिन्होंने राज्य के भीतर और बाहर मोबाइल रिकवरी को सुव्यवस्थित किया। वर्तमान में, सीईआईआर पोर्टल के तहत काम की प्रगति की निगरानी कर रही शिखा गोयल ने कहा कि पिछले नौ दिनों में 1,000 डिवाइस बरामद किए गए और शिकायतकर्ताओं को सौंप दिए गए। सबसे अधिक वसूली हैदराबाद कमिश्नरेट द्वारा 4,869 मोबाइल उपकरणों के साथ की गई है, इसके बाद साइबराबाद कमिश्नरेट में 3,078 और राचकोंडा कमिश्नरेट में 3042 मोबाइल डिवाइस हैं। वारंगल कमिश्नरेट ने 1,919 डिवाइस बरामद किए, इसके बाद निज़ामाबाद ने 1,556 डिवाइस बरामद किए।

उपयोगकर्ता-मित्रता बढ़ाने और तेलंगाना के नागरिकों को अधिक कुशलता से सेवा देने के लिए तेलंगाना पुलिस ने दूरसंचार विभाग के साथ समन्वय में सीईआईआर पोर्टल को टीएस पुलिस नागरिक पोर्टल के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत किया है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे खोए/गुमशुदा मोबाइल उपकरणों की रिपोर्ट करने के लिए टीएस पुलिस नागरिक पोर्टल पर इस सेवा का उपयोग करें। लावण्या एनजेपी, एसपी, साइबर क्राइम, सीआईडी, टी.एस. हैदराबाद, डीओटी अधिकारियों के समन्वय में, जिसमें हेमंत राथवे, डीडीजी सुरक्षा, एम. अरविंद कुमार, निदेशक सुरक्षा, लक्ष्मण कुमार के, सहायक निदेशक (सुरक्षा लेखापरीक्षा), और चौधरी शामिल हैं। सीआईडी के आईटी सेल के इंस्पेक्टर सुरेश बाबू राज्य में सीईआईआर एप्लिकेशन के कार्यान्वयन की देखरेख कर रहे हैं।

3.22 करोड़ का घोटाला करने वाला अमेज़न कर्मचारी गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद में आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाने में भारतीय पेरोल के एक अमेज़ॅन कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कर्मचारी ने लगभग तीन करोड़ बाईस लाख चार हजार चार रुपए से अधिक का घोटाला किया है। इस गबन को 50 बैंक खातों में

धन ट्रांसफर करके अंजाम दिया गया, जो कि सहयोगियों के थे, जिससे 184 पूर्व-कर्मचारी/निष्क्रिय कर्मचारी अपने उचित बकाया से वंचित हो गये। इसको लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।प्रारंभिक जांच के बाद, आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाना ने हैदराबाद के बाहरी इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, आर्थिक अपराध शाखा पुलिस थाना ने गिरफ्तारी ज्ञापन पर स्वतंत्र गवाह के रूप में हस्ताक्षर करने के लिए अमेज़ॅन के कार्यालय से कंपनी के दो अधिकारियों की उपस्थिति का अनुरोध किया है।

आंध्र के तीर्थयात्रियों से चारधाम यात्रा पंजीकरण के नाम पर धोखाधड़ी, मामला दर्ज

हैदराबाद/देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)।

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में तीर्थयात्रियों के पंजीकरण में छेड़छाड़ कर, उनको कूटरचित पंजीकरण पत्र देने का मंगलवार को ऋषिकेश में खुलासा हुआ। आकस्मिक निरीक्षण करने पहुंचे देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने मामले की गंभीरता देखते हुए तत्काल दिल्ली की सम्बन्धित ट्रेवल एजेंसी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही, आंध्र प्रदेश के पीड़ित श्रद्वालुओं को यात्रा संबंधी विशेष मदद भी दिलाई जा रही है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत, खांड गांव में बनाये गये रजिस्ट्रेशन चैकिंग सेन्टर के निरीक्षण के दौरान, एसएसपी ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ चारधाम यात्रा पर आये यात्रियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चैक कराए। इसमें हैदराबाद से चारधाम यात्रा पर आये 11 सदस्यीय यात्रियों के दल के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में कूटरचना कर तारिखो में हेरफेर पाया गया। पूछताछ में दल की एक सदस्य मुक्तावली साई भ्रमर मधुरिया, निवासी श्रीनिवासा नगर बैंक कॉलोनी, विजयवाडा (आंध्र प्रदेश) ने बताया कि उनके द्वारा चारधाम यात्रा हेतु कुल 11 लोगों का दिल्ली के जनकपुरी में जैना टावर टू स्थित लीजेंड इण्डिया होलीडे से ऑनलाइन पैकेज बुक किया गया था। महिला ने बताया कि कंपनी के कर्मचारी कुमकुम वर्मा तथा डायरेक्टर ऋषि राज द्वारा उनके 11 सदस्यीय दल का चारधाम के लिये रजिस्ट्रेशन एवं ठहरने आदि की व्यवस्था का आश्वासन दिया गया। उसके एवज में उनसे दो लाख, 33 हजार रुपये लिये गये थे। साथ ही, चारधाम यात्रा के लिये उन सभी का 25 मई से 30 मई के बीच का रजिस्ट्रेशन कराने का भरोसा दिया गया।

पीड़ितों के अनुसार, आज उन लोगों को कुमकुम वर्मा द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन की पीडीएफ भेजी गई थी। जिसे लेकर वे सभी चारधाम यात्रा के लिये ऋषिकेश आये थे। जहां ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चैक करने पर उनके रजिस्ट्रेशन की वास्तविक एक जून 2024 से 10 जून 2024 के बीच होनी पायी गई। यात्रियों के साथ हुई धोखधडी के सम्बंध में एसएसपी द्वारा तत्काल सम्बन्धित ट्रैवल एजेंसी संचालक के विरूद्व वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। जिस पर दल की सदस्य मुक्तावली साई भ्रमर मधुरिया की ओर से धोखाधडी के सम्बंध में दी गई तहरीर पर सम्बन्धित ट्रैवल एजेंसी के विरुद्ध धारा 420 468, 120 बी भादवि के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पुलिस ने प्रशासन के सहयोग से हैदराबाद से आये इस दल के चारो धामो के दर्शन हेतु आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की है। जिस पर दल के सभी सदस्यों द्वारा पुलिस के मित्रवत व सहयोगात्मक व्यवहार की प्रशांसा करते हुए यात्रा में आने वाले यात्रियों की सुरक्षा हेतु उत्तराखण्ड सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सरहाना करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

आखिरी दाने तक जारी रहेगी धान की खरीद : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को धान किसानों को आश्वासन दिया कि वह आखिरी दाने तक धान की खरीद जारी रखेगी। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार भीगे और गीले धान की भी खरीद कर रही है।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल धान खरीद के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ गलत प्रचार कर रहे हैं और झूठ बोलना भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की आदत बन गई है। विक्रमार्क ने विपक्षी दलों को राजनीतिक लाभ के लिए धान खरीद का राजनीतिकरण नहीं करने की सलाह दी और उन पर अपने राजनीतिक हितों के लिए किसानों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है, सरकार आखिरी भीगे और गीले अनाज को भी

खरीदेगी। यह देखते हुए कि खरीद 15 दिन पहले शुरू हुई थी, उन्होंने कहा कि राज्य भर में अधिक खरीद केंद्र खोले गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी फसल खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने टिप्पणी की कि शायद यह प्रतिबद्धता विपक्षी दलों को पच नहीं रही है और याद दिलाया कि पिछली सरकार ने भीगे और अंकुरित धान की खरीद नहीं की थी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन्होंने पदयात्रा की तो हजारों किसानों ने अपनी दुर्दशा पर दुख जताया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार गीला, भीगा हुआ और अंकुरित धान खरीद रही है और किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य भी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार तीन दिनों के भीतर किसानों के बैंक खातों में राशि जमा कर रही है, उन्होंने दावा किया कि अतीत में किसी भी सरकार ने तीन दिनों के भीतर राशि का भुगतान नहीं किया। उन्होंने धान बोनस मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना को भी खारिज करते हुए कहा कि सरकार ने धान की अच्छी किस्मों के साथ प्रति क्विंटल 500 रुपए का बोनस देने की प्रक्रिया शुरू की है। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने टिप्पणी की थी कि धान बोना गले में फंदा डालने जैसा है।

इस बीच, रबी धान खरीद की स्थिति पर एक नोट से पता चलता है कि सरकार ने अब तक 37.59 लाख टन की खरीद की है, जबकि 2022-23 के रबी सीजन के दौरान 33.97 लाख टन की खरीद की गई थी। इस साल धान की खरीद 25 मार्च से शुरू हुई, जबकि पिछले साल यह 9 अप्रैल से शुरू हुई थी। सरकार ने पिछले साल के 6,889 के मुकाबले इस बार 7,171 धान खरीद केंद्र खोले हैं। धान को बारिश से बचाने के लिए प्रत्येक धान खरीदी केन्द्र में पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध कराये गए हैं। धान साफ करने वाली मशीनें और तौलने वाली मशीनें बड़ी संख्या में उपलब्ध कराई गईं। धान को जल्दी सुखाने के लिए पंखे और ब्लोअर का उपयोग किया जाता था। प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया और प्रति घंटा मौसम के लगभग सटीक पूर्वानुमान के लिए एक्यूवेदर ऐप का उपयोग किया गया

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी भवन में टीपीसीसी के उपाध्यक्ष टी कुमार राव, एलएमसी चेयरमैन प्रेमलता अग्रवाल, टीपीसीसी सचिव मणिलाल शाह, ए भास्कर, श्रीनिवास रेड्डी, पुरूषोत्तम गुप्ता और अन्य लोगों द्वारा उनकी तस्वीर पर माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

एसीबी ने रिश्वत लेते पंचायत सचिव एवं बिल कलेक्टर को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) अधिकारियों ने रंगा रेड्डी जिले के नानाजपुर गांव के ग्राम पंचायत कार्यालय के पंचायत सचिव को 35,000 रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

एसीबी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजे आरोपी अधिकारी (पंचायत सचिव) राधिका रेड्डी को एसीबी अधिकारियों ने उस समय पकड़ लिया, जब वह शिकायतकर्ता मोहम्मद बरकत अली से 35,000 रुपए की रिश्वत ले रही थी।

हैदराबाद के बहादुरपुरा के ताड़बन निवासी बरकत अली ने बलराज, ग्राम पंचायत कार्यालय, अनाजपुर गांव के ग्राम पंचायत कार्यालय के बिल कलेक्टर बलराज के माध्यम से रंगारेड्डी जिला के नानाजपुर गांव में मकान नंबर आवंटन की मंजूरी देने और प्लॉट संख्या 83 85 84/पी (500 वर्ग गज) के एक परिसर की चाहर-दीवार करने अनुमति देने के लिए भी आवेदन किया था।

आरोपी अधिकारियों ने अपना कर्तव्य ईमानदारी के साथ नहीं निभाया। शिकायतकर्ता की निशानदेही पर बलराज के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई। बलराज के दोनों हाथ की अंगुलियों के रासायनिक परीक्षण में सकारात्मक परिणाम मिले। दोनों आरोपियों राधिका रेड्डी और बलराज को गिरफ्तार किया गया और एसपीई तथा एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश, नामपल्ली, हैदराबाद की अदालत के समक्ष पेश किया गया।

तेलंगाना में अगले 24 घंटों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ आंधी के आसार

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले 24 घंटों के दौरान बिजली कड़कने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं के साथ आंधी आने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के हनमकोंडा, जनगांव, संगारेड्डी, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल और मेडक जिलों में आंधी के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं।

उन्होंने कहा कि जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेडक, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट में भी यही स्थिति बनी रहने का अनुमान है।

राज्य में अलग-अलग स्थानों पर 25 मई को बिजली और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश का अनुमान है।

वहीं अलग-अलग स्थानों पर अगले सात दिनों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने के आसार हैं। तेलंगाना में एक-दो स्थानों पर पिछले 24 घंटों के दौरान बारिश हुई। आदिलाबाद जिले में सोमवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रेवंत रेड्डी ने राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर हैदराबाद के सोमाजीगुडा में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

श्री रेड्डी ने भारत के आईटी क्षेत्र के विकास की नींव रखने में श्री गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को याद किया।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, पूर्व मंत्री जना रेड्डी, वी. हनुमंत राव, पूर्व मंत्री शब्बीर अली, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) राज्य पार्टी मामलों की प्रभारी दीपा दासमुंशी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने भी खम्मम जिले के कुसुमंची में श्री गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि अमेरिका के दौरे पर गये परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्कायर में आयोजित श्री गांधी की पुण्य तिथि कार्यक्रम में शामिल हुए।

रेवंत सरकार ने कालेश्वरम बैराजों की मरम्मत करने का लिया निर्णय

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने सोमवार को राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) की सिफारिशों के अनुरूप कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तीन बैराजों की मरम्मत करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडीला बैराजों की मरम्मत करने का संकल्प लिया गया।

कैबिनेट ने इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की, एनडीएसए की अंतरिम रिपोर्ट की जांच की और तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार चलने का फैसला किया। मरम्मत का काम केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा जाएगा। यह भी निर्णय लिया गया कि इस संबंध में होने वाला व्यय निर्माण एजेंसी द्वारा वहन किया जायेगा। सरकार ने मेदिगड्डा और अन्य बैराजों से पानी उठाने के अस्थायी उपायों के रूप में रॉकफिल बांध जैसी

संरचनाओं के निर्माण के विकल्प तलाशने का भी निर्णय लिया। पिछले साल अक्टूबर में मेदिगड्डा बैराज के कम से कम तीन खंभे डूब गए, जिससे संरचना की सुरक्षा पर चिंता बढ़ गई और एनडीएसए को निरीक्षण के लिए अपने विशेषज्ञों को भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसकी अनुशंसा के बाद बैराज को खाली कर दिया गया।

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और डी. श्रीधर बाबू ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को बताया कि हालांकि बैराज में विफलताएं 2019 में ही सामने आईं, लेकिन तत्कालीन बीआरएस सरकार ने सुधारात्मक कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि मरम्मत कार्य करने का निर्णय यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया था कि परियोजना पर खर्च किया गया भारी सार्वजनिक धन बर्बाद न हो और किसानों के हितों की रक्षा भी हो। कैबिनेट ने आगे की क्षति से बचने के लिए बैराजों से पानी छोड़ने और मरम्मत के लिए केंद्रीय एजेंसियों को नियुक्त करने का निर्णय लिया। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी इस दिशा में केंद्र के साथ-साथ उसकी एजेंसियों के भी संपर्क में हैं। बैराजों की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों की राय ली जाएगी। प्रति बैराज दो केंद्रीय एजेंसियों की सिफारिशें लेने का संकल्प लिया गया।

मरम्मत का निर्णय आगामी मानसून सीजन को देखते हुए लिया गया है। कैबिनेट ने महसूस किया कि चूंकि मेदिगड्डा में मरम्मत से चीजें पूरी तरह से ठीक नहीं हो सकती हैं और चूंकि यह पानी का भंडारण नहीं कर सकता है, इसलिए सरकार किसानों को पानी की आपूर्ति के लिए कुछ अस्थायी उपाय करने की इच्छुक है। मानसून के दौरान बैराजों को और अधिक नुकसान न हो, इसके लिए भी उपाय किए जाएंगे।

पिछले महीने, सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, न्यायमूर्ति पिनाकी चंद्र घोष की अध्यक्षता वाले न्यायिक आयोग ने कालेश्वरम परियोजना के निर्माण में कथित अनियमितताओं की जांच शुरू की। पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आने के बाद, कांग्रेस सरकार ने मेदिगड्डा बैराज के घाटों के डूबने और सुंडीला और अन्नाराम बैराज में रिसाव की न्यायिक जांच के आदेश दिए थे। आयोग को परियोजना के वित्तीय पहलू और सिंचाई परियोजना के डिजाइन, योजना और कार्यान्वयन जैसी तकनीकी खामियों, यदि कोई हो, पर भी गौर करने के लिए कहा गया है।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर सोनिया गांधी को सम्मानित करने की योजना बना रही सरकार

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार 2 जून को तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस समारोह में पार्टी की शीर्ष नेता सोनिया गांधी को सम्मानित करने की योजना बना रही है। चूंकि राज्य अपने गठन के 10 साल पूरे करने जा रहा है, इसलिए सोमवार को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में बड़े पैमाने पर समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इसमें राज्य के गठन में अहम भूमिका निभाने वाली सोनिया गांधी को आमंत्रित करने और सम्मानित करने का प्रस्ताव रखा गया। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और डी. श्रीधर बाबू ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर, सरकार भारत के चुनाव आयोग को पत्र लिखकर समारोह आयोजित करने की अनुमति मांगेगी। सरकार राज्य के निर्माण के लिए काम करने वाले सभी लोगों को सम्मानित करने की भी योजना बना रही है। एक अन्य बड़े फैसले में, कैबिनेट ने आगामी खरीफ सीजन से किसानों द्वारा उगाए गए बढ़िया चावल के लिए प्रति क्विंटल 500 रुपए का बोनस देने का संकल्प लिया। इसने किसानों को धान की अति उत्तम किस्मों की खेती बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया। कैबिनेट ने रबी अनाज की खरीद में तेजी लाने का भी फैसला किया।

किसानों से सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए जिला कलेक्टरों को पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। बेमौसम बारिश से भीगे धान की खरीद भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को बेमौसम बारिश के कारण राज्य के कुछ हिस्सों में किसानों को हुए नुकसान की गणना करने के लिए कहा गया है। मंत्रियों ने कहा कि सरकार पहले ही राज्य भर में 35 लाख मीट्रिक टन अनाज खरीद चुकी है और तीन दिनों के भीतर किसानों के खातों में पैसा जमा कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने तीन दिन के अंदर भुगतान कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कैबिनेट ने नकली बीजों की बिक्री रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। इसके तहत अधिकारियों को बीज, उर्वरक और किसानों की अन्य आवश्यकताओं का भंडार तैयार रखने का निर्देश दिया क्योंकि खरीफ सीजन जल्द ही शुरू होने वाला था।

राज्य भर में शिक्षा विभाग में खाली पड़े पदों को भरा जाए : जंगैया

आसिफाबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीएस यूटीएफ के प्रदेश अध्यक्ष जंगैया ने मांग की है कि राज्य भर में शिक्षा विभाग में रिक्त पड़े पदों को भरा जाना चाहिए और पदोन्नत किया जाना चाहिए। वह यूटीएफ कार्यकर्ताओं की बैठक में शामिल होने के लिए डिस्ट्रिक्ट सेंटर आये थे और डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले दस वर्षों से शिक्षा व्यवस्था अस्त-व्यस्त है। प्रदेश भर में रिक्त पदों को भरा जाए और पदोन्नति दी जाए। पिछले अक्टूबर में 774 मल्टी-जोनल पदों पर प्रमोशन और रोके गए थे, जिन्हें पूरा करना चाहते हैं। राज्य के सभी जिलों में विद्याधिकारी पदों पर नियुक्ति होनी है।

शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया में संभावित देरी को देखते हुए विश्वविद्यालयों से रिक्तियां भरने का अनुरोध किया गया है। हालांकि राज्य सरकार द्वारा नये स्कूलों की स्थापना स्वागतयोग्य है, लेकिन मौजूदा स्कूलों में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों का बकाया बिजली बिल माफ किया जाए नहीं तो स्कूल इतने बड़े बिल भरने में सक्षम नहीं होंगे। मुख्य सचिव चावा रवि ने कहा कि अम्मा आदर्श स्कूलों के नाम पर 600 करोड़ की मंजूरी संतुष्टिदायक है।

सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों का विश्वास बढ़ाने के लिए स्कूल में नामांकन के लिए अभी से नामांकन अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनका समुदाय विशेष अभियान के पीछे खड़ा रहेगा।

वे केजीबीवी में काम करने वालों को मूल वेतन देना चाहते हैं। उनकी मांग है कि बकाया डीए और पीआरसी दिया जाए और एजेंसी क्षेत्र के लिए अलग से डीएससी बनाई जाए। इस कार्यक्रम में संघ के राज्य सचिव लक्ष्मारेड्डी, जिला अध्यक्ष शांति कुमारी, प्रधान सचिव इंदु राव, उपाध्यक्ष हेमंत शिंदे, कोषाध्यक्ष रमेश, नेता तिरूपति, बदीराव, अन्नपूर्णा, राजेश, किरण ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाईट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है
PUB0478
खुली ई-निविदा सूचना संख्या सी/ई29/इलेक./एम/एससी/04/ओटी/2024-25 दि. 21.05.2024
कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत हस्ताक्षरकर्ता नीचे दिए गए कार्य के लिए **दि. 05-06-2024 को 15.00** बजे तक ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।
1. **ई-निविदा क्र. ई-निविदा सं.** सी/ई.29/इलेक/एम/एससी/04/ओटी/2024-25 ई-निविदा सं. ई-एम-एससी-04-ओटी-2024-25. **कार्य का नाम :** सिकंदराबाद डिवीजन- विद्युत रखरखाव विभाग: एससी डिवीजन विद्युत व्यवस्था पर स्टेशन भवनों, सेवा भवनों, आवासीय भवनों और एलसी गेटों पर विभिन्न क्षमताओं के 1.782 मेगावाट सौर संयंत्र (छत) का प्रावधान। **निविदा मूल्य: रु.** 141696454.15 **पूधरा : रु.** 858500.00 **सीटीएफ : रु.** शून्य **पूर्ण करने अवधि:** 6 महीने
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (एम)/सिकंदराबाद
क्रमांक: एनडब्ल्यू/148/ डब्ल्यूआईआईआई/निविदा सूचना/2024-25 दि. 20.05.2024 PUB0479
निविदा का विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है।
1. निविदा सं. टी-202425-1-015 प्राधिकरण: सीनियर डीईएन/समन्वय **कार्य का विवरण:** सीपीएम के लिए बंगले का प्रावधान, डिप्टी सीई/जीएस के लिए टाइप-4 क्वार्टर के साथ-साथ कंपाउंड दीवार और एप्रोच रोड। **निविदा मूल्य:** रु. 15229557.03 **बयाना राशि :** रु. 226200.00 **पूर्ण करने अवधि:** नौ महीने, **निविदा प्रपत्र की लागत:** रु. शून्य
निविदा सं. : T-202425-1-015
कार्य की समान प्रकृति (50 लाख से अधिक लागत के लिए): कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्य/क्षेत्रीय कार्य को छोड़कर)।
उपरोक्त निविदा दि. 13/06/2024 को 15.00 बजे बंद कर दी जायेगी।
A0606 **सीनियर डीईएन/समन्वय/नांदेड़**
अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपाया वेबसाइट : www.ireps.gov.in या http ://www.scr.indianrailways.gov.in देखें

अस्पताल परिसर में पेड़ गिरने से व्यक्ति की मौत, पत्नी घायल

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक दुःखद हादसे में मंगलवार को सिकंदराबाद के एक अस्पताल परिसर में पुराना पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। यह हादसा सिकंदराबाद के बोलारम कैंटोनमेंट अस्पताल में हुआ जहां दंपत्ति इलाज के लिए आए थे।

इलाज के लिए स्कूटर से अस्पताल परिसर में प्रवेश करते ही तुमकुंटा निवासी दंपत्ति पर पुराना पेड़ गिर गया। जिससे बाइक चला रहे रविंदर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी सरला देवी गंभीर रूप से घायल हो गई।

उसे गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने रविंदर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक पुराना पेड़, जो हाल की बारिश के कारण कमजोर हो गया था, दंपत्ति पर गिर गया और उन्हें कुचल दिया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि पेड़ पिछले कुछ दिनों से काफी से झुका हुआ था लेकिन इसे हटाने के लिए कुछ नहीं किया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भरपूर वर्षा और फसलों में बढ़ोतरी के लिए देवी-देवताओं से की गई प्रार्थना

तानूर, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल के कोलूर ग्राम निवासी बागड़े कॉमन गंगाराम ने कहा इस वर्षाकाल मे फसलें अच्छी हों और भरपूर वर्षा से किसानों के जीवन मे खुशहाली आए इसके मद्देनजर सोमवार को तानूर मंडल के कोलूर गांव में बागड़े कमाजी गंगाराम किसान ने गांव के देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बोडके कामाजी, बेंद्रे हन्मनलु बी.माधवराव, बालाजी पटेल, शंकर पटेल ग्रामीण एवं अन्य लोग शामिल होकर देवी देवताओं की पूजा-अर्चना कर भंडारे के रुप में भोजन कर महा प्रसाद गृहण किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL
CHANGE OF NAME
I, KOTHA IRAVATHI Spouse of Service No.269516 Corporal KV SATYANARAYANA, R/o.12-13-691/1, Street No.13, Lane 2, Tanaka, Nagarjuna Nagar, Secunderabad-500017 have changed my name and DOB from **KOTHA IRAVATHI**, Age **64** years to **KOTHA ERAVATHI DEVI**, DOB:**12-06-1949** vide affidavit dt:21-5-2024 at IV Spl Metropolitan Magistrate, Hyderabad.
CHANGE OF NAME
I, VANITHA spouse of Service No.14648615W Hav ANGA RAMA RAO, R/o.Qtr.No.2858/E, Chandimandir Cantt, Panchkula (Dist), Haryana-134107 have changed my name from **VANITHA** to **ANGA VANITHA** vide affidavit dt:21-5-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta <<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

SCAN FOR SITE LOCATION

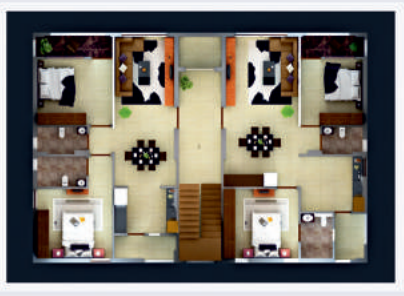

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.